RNI-MPHIN/2005/14721
Po.-Malwa Division/244/2017-2019
Despatch Date - 02 August 2018

अंक – 2 (मासिक) वर्ष – 14 अगस्त 2018 मूल्य 20/–

अपनों के लिए-अपनी पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

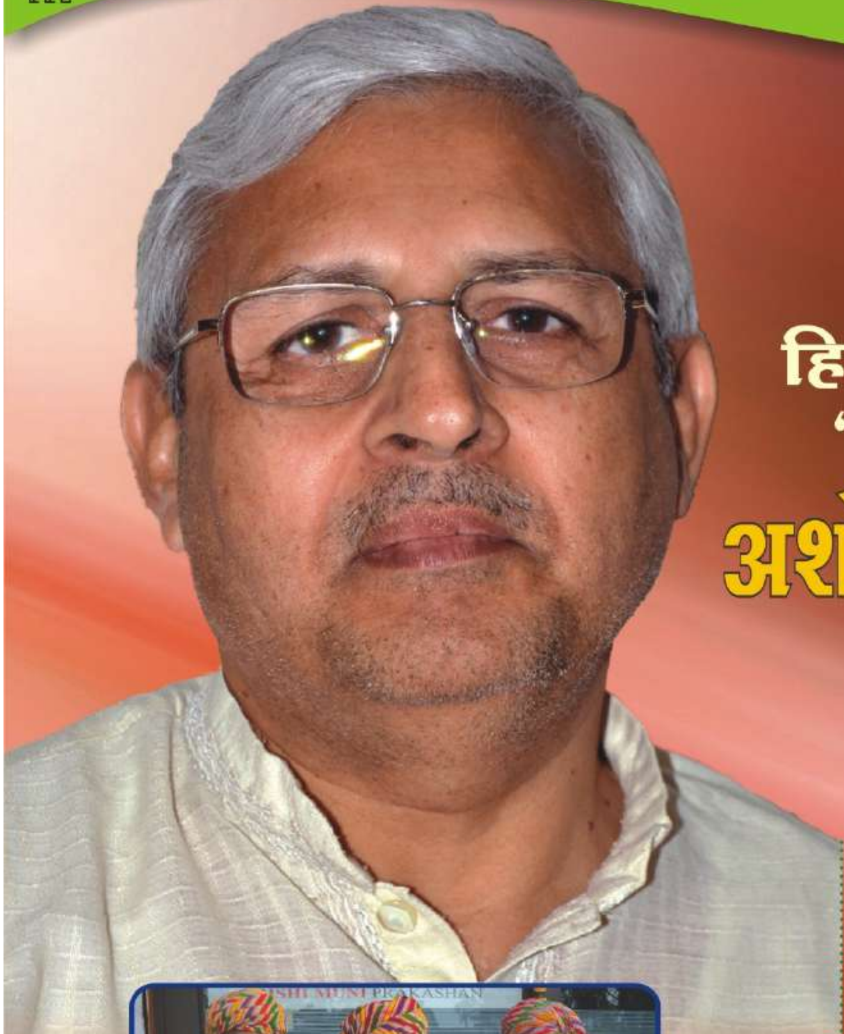

हिन्दी साहित्य के ''राजकमल'' अशोक माहेश्वरी

रिश्ता यह कहलाता है

सास ने बहू को किडनी देकर कहा 'बहू भी बेटी है'

समाज के अद्‌भुत इतिहासकार जागा

समाज का विशिष्ट पर्व
सत्तू तीज

श्री माहेश्वरी टाईम्स की अपील

स्वतंत्रता दिवस के पूर्व दिवस 14 अगस्त को लगाऐं एक पौधा देश की खुशहाली के नाम

माहेश्वरी समाज के उत्पत्ति दिवस श्री महेश नवमी के पावन पर्व पर
सभी समाजबन्धुओं को हार्दिक मंगलकामनाएं

आभार एवं धन्यवाद

मंजू बांगड़
संगठन मंत्री
अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन

अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन की सभी सम्माननीय पदाधिकारियों एवं सदस्याओं का जिनके शुभ संकल्प से राष्ट्रीय अध्यक्ष कल्पना गगड़ानी एवं राष्ट्रीय महामंत्री आशा माहेश्वरी के नेतृत्व में 29,91,655 गिलास शरबत वितरित कर बना विश्व कीर्तिमान और बढ़ा संगठन का मान।

''शरबत वितरण तो एक बहाना था,
संगठन की शक्ति को दिखाना था''

अपनों के लिए अपनी पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

RNI-MPHIN/2005/14721

अंक-2 अगस्त 2018 वर्ष-14

प्रेरणास्रोत
स्व. श्री बंशीलाल बाहेती
स्व. श्री मदनलाल पलौड़

प्रबंध सम्पादक एवं निदेशक
श्रीमती सरिता बाहेती

सम्पादक
पुष्कर बाहेती

संरक्षक
पद्मश्री बंशीलाल राठी (चैन्नई)
श्री नेमीचन्द तोषनीवाल (कोलकाता)
श्री बनवारीलाल जाजू (इन्दौर)

अतिथि सम्पादक
लक्ष्मीनारायण दाड़, भीलवाड़ा

परामर्शदाता
दिनेश माहेश्वरी (भूतड़ा) मुम्बई/इन्दौर
घनश्याम करनानी (कोलकाता)

कला निदेशक
अक्षय आमेरिया

विधि सलाहकार
राजेन्द्र ईनाणी, एडव्होकेट (बागली)

सम्पादकीय सलाहकार
गोविन्द मालू (इन्दौर)
बाबूलाल जाजू (भीलवाड़ा)
बंशीलाल भूतड़ा 'किरण' (इन्दौर)

कार्यालय-
90, विद्या नगर (टेड़ी खजूर दरगाह के पीछे),
साँवेर रोड, उज्जैन-456010 (म.प्र.)
Phone : 0734-2526561, 2526761
Mobile : 094250-91161
e-mail : smt4news@gmail.com
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती सरिता बाहेती द्वारा ऋषि ऑफसेट, श्री माहेश्वरी भवन, गोलामण्डी, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

- श्री माहेश्वरी टाईम्स में प्रकाशित सभी लेखों के विचारों पर सम्पादक/प्रकाशक की सहमति हो, यह आवश्यक नहीं है।
- सभी प्रसंगों का न्यायक्षेत्र उज्जैन (म.प्र.) होगा।

Sri Maheshwari Times
- PNB A/c. No. : 0459002100043471
  IFSC- PUNB0045900
- ICICI A/c. No. : 030005001198
  IFSC- ICIC0000300

Tariff of Membership
Rs. 800/- for Three years
Rs. 3100/- for Life Time (12 Years)

विनम्र अपील

स्वतंत्रता दिवस के पूर्व दिवस 14 अगस्त को

राष्ट्र व समाज की समृद्धि के नाम एक पौधा लगाएं और लें उसकी पूर्ण देखरेख का सद्संकल्प।

श्री माहेश्वरी टाईम्स परिवार

सारे संयोग कर्म के अधीन

विचार क्रान्ति

एक बार कागज का एक टुकड़ा हवा के वेग से उड़ा और पर्वत के शिखर पर जा पहुँचा। पर्वत ने उसका आत्मीय स्वागत किया और कहा-भाई! यहाँ कैसे पधारे? कागज ने कहा-अपने दम पर। जैसे ही कागज ने अकड़ कर कहा अपने दम पर और तभी हवा का एक दूसरा झोंका आया और कागज को उड़ा ले गया। अगले ही पल वह कागज नाली में गिरकर गल-सड़ गया, जो दशा एक कागज की है वही दशा हमारी है। पुण्य की अनुकूल वायु का वेग आता है तो हमें शिखर पर पहुँचा देता है और पाप का झोंका आता है तो रसातल पर पहुँचा देता है।

किसका मान? किसका गुमान? सन्त कहते हैं कि जीवन की सच्चाई को समझो। संसार के सारे संयोग हमारे अधीन नहीं हैं, कर्म के अधीन हैं और कर्म कब कैसी करवट बदल ले, कोई भरोसा नहीं।इसलिए कर्मों के अधीन परिस्थितियों का कैसा गुमान?

सम्पादकीय

प्रकृति का आदान काल है
श्रावण मास

शिव के प्रिय श्रावण में यह अंक आपके सामने प्रस्तुत है। माहेश्वरी के जनक भगवान महेश और माता पार्वती के श्री चरणों में नमन का यह पर्व कई मायनों में खास है। यह प्रकृति का अदान-काल यानि प्रकृति के देने का समय है। प्रकृति वर्षा के रूप में जल से पृथ्वी को तृप्त करेगी और पृथ्वी वनस्पति के रूप में सृष्टि को प्रफुल्लित करेगी। इस अंक को भी हमने ऐसे ही पहलुओं से संवारा है। समाज को देने वाले लोग ही प्रेरणा पुंज बनते हैं और सदियां तक उनकी यह पुण्यता याद रखी जाती है। इसीलिए ऐसे व्यक्तित्वों को समाज प्रणाम भी करता है। देश के सबसे प्रतिष्ठित राजकमल प्रकाशन के अधिष्ठाता अशोक कुमार माहेश्वरी के जीवन-व्यक्तित्व को जब आप जानेंगे तो लगेगा शून्य से शिखर की यात्रा करने वाले व्यक्तित्व की राह क्या होती हैं? वे अपना रास्ता कैसे बनाते हैं? अशोक कुमार माहेश्वरी ने देश को विश्वस्तरीय प्रकाशन समूह दिया जिसके माध्यम से राष्ट्र भाषा हिन्दी की सेवा का अनवरत सिलसिला चल रहा है। हिन्दी के प्रति उनका यह योगदान अतुलनीय है।

इसी अंक में सूरत की 65 वर्षीय शांतिदेवी भूतड़ा का अपनी बहू आशा के प्रति समर्पण समाज के लिय प्रेरणीय है। उन्होंने बहू को किडनी दान करने का फैसला लिया तो सास-बहु के रिश्तों की पुरानी कहानियां बदल गई। उन्होंने कहा 'आशा बहू नहीं, मेरी बेटी है।' घर-घर की कहानी के रूप में सास-बहु के रिश्तो का मजाक यहां लज्जित हो गया। यह नई कहानी अब हर घर में दोहराई जाना चाहिए। शांतिदेवी का यह कदम मिसाल बन गया है।

इसी अंक में हमारे जागाओं का महत्व उजागर करने की कोशिश की है। जागा हमारे इतिहास को सुरक्षित रखने वाले समाज के हिस्से हैं। अपने आप को समाजसेवा के लिये समर्पित करने वाले जागाओं को लगता है समाज अब उनकी उपेक्षा कर रहा है। नतीजतन उनकी नई पीढ़ी इस परंपरा से अलग होने लगी है। ऐसा है तो भविष्य में जागा स्वयं केवल इतिहास बन कर रह जाएंगे। समाज को उन्होंने जो दिया, समाज भी उन्हें मात्र इतना ही लौटा दे तो इस परंपरा को जीवित रखा जा सकता है।

यह माह अपने साथ भगवान शिव की भक्ति के साथ-साथ कई पर्व त्यौहारों का आनंद भी लेकर आ रहा है। इनके साथ कुछ माह से रूकी हुई खुशियों की रफ्तार प्रारंभ हो गई है। इस माह में स्वतंत्रता दिवस, नाग पंचमी, रक्षा बंधन जैसे पर्वों के साथ ही समाज अपना विशिष्ट पर्व सत्तू तीज भी मनाने जा रहा है। इन सभी पर्वों की पाठकों को हार्दिक शुभकामनाएं। इसके साथ ही यह माह एक और सुखद प्रसंग लेकर आया है, 14 अगस्त को अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा के पूर्व सभापति श्री माहेश्वरी टाईम्स के संरक्षक पद्मश्री से विभूषित श्री बंशीलाल जी राठी के जन्मोत्सव का। आपको शत-शत नमन व इस पावन अवसर की बहुत बहुत शुभकामनाएं।

यह अंक ऐसे ही अनेक विचरोत्तेजक, ज्ञानवर्द्धक और रोचक आलेखों और अन्य पठनीय सामग्री के साथ प्रस्तुत है। सभी स्थायी स्तंभ और रचनाओं के साथ इस अपेक्षा के साथ भी कि श्री माहेश्वरी टाईम्स के आह्वान पर 14 अगस्त को देश भर में माहेश्वरी समाज स्वतंत्रता दिवस के पूर्व एक साथ पौधारोपण कर प्रकृति को अपना स्नेह-प्यार दे। देश को पर्यावरण संरक्षण में योगदान दे। एक पौधा ही लगाएं लेकिन इस संकल्प के साथ की उसकी परवरिश आपकी जिम्मेदारी है। जय महेश

पुष्कर बाहेती

अतिथि सम्पादकीय

भीलवाड़ा निवासी श्री लक्ष्मीनारायण डाड समाज के एक ऐसे व्यक्ति हैं, जिनकी पहचान एक सफल राजनेता के रूप में है तो एक समर्पित निःस्वार्थ समाजसेवी एवं चिंतक के रूप में भी। नगर परिषद भीलवाड़ा के दो बार पार्षद चुने गए और सन् 1990 से उपसभापति व सन् 1995 से सभापति भी रहे। भीलवाड़ा विकास न्यास के 2006-07-08 में अध्यक्ष रहे और भीलवाड़ा के विकास पुरुष के नाते छवि प्राप्त की। इनके नगरीय विकास को मुख्यमंत्री वसुंधराराजेजी ने 'रोल मॉडल इन राजस्थान' कहते हुए सम्मान दिया। संगठन ने केंद्रीय प्रशिक्षण समिति स्थानीय निकाय में मनोनीत किया।

इस दौरान जरूरतमंद और गरीबों की सहायतार्थ मित्र सुदामा योजना का क्रियान्वयन किया। भीलवाड़ा-अजमेर ग्रामीण बैंक के निदेशक, पीपुल फॉर एनीमल्स के संरक्षक, स्काउट-गाइड संघ के 10 वर्षों से प्रधान, श्मशान विकास समिति के कार्यवाहक अध्यक्ष, कुश्ती संघों के पदाधिकारी, जिमनेशियम हेल्थ सेंटर व कबूतरखानों के संस्थापक के रूप में भी महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभा रहे हैं। स्कूली शिक्षा से महाविद्यालयीन शिक्षा तक वे सतत रूप से अध्यक्ष आदि पदों के साथ छात्रसंघ व विद्यार्थी परिषद से जुड़े रहे। उन्होंने बाबू जयप्रकाश नारायण के संपूर्ण क्रांति आंदोलन में भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। उन्हीं दिनों तरुणाई संस्था की स्थापना करके कच्ची बस्तियों में नागरिक अधिकारों के संघर्ष व आंदोलन किए। सम्प्रति वे भाजपा के उदयपुर संगठन प्रभारी हैं तो आज भी सामाजिक व राजनीतिक भूमिका में सक्रिय हैं। पिछड़ी बस्तियों में बच्चों को खेलकूद सामग्री और जरूरतमंदों को अनाज वितरण तथा अन्य सामाजिक सरोकारों से जुड़े हैं।

अपने पाथैय पर विचार करें

करोड़ों के देश में अपना माहेश्वरी समाज कितना छोटा है, मगर अपनी जीवंत भूमिका से इसकी पहचान बहुत बड़ी है। देश का ऐसा कोई हिस्सा नहीं जहां माहेश्वरी समाज का नाम-काम और योगदान न हो। देश में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका में है, अपना समाज। हमारी यह पहचान केवल लक्ष्मीपति होने से नहीं है, वरन सामाजिक गतिविधियों से है, अपनी सक्रिय भूमिका से है। इसके बावजूद कभी-कभी लगता है कि कुछ बातें हैं जिनका मैं यहां उल्लेख करना चाहता हूं। जिसका अहसास आपको सर्वत्र होता भी होगा। आप सोचें विचारें। मैं गलत भी हो सकता हूं। विविध आयामी सक्रियता के बावजूद मुझे लगता है कि हम समाज सुधारों का जिक्र भर करते हैं, मगर फिक्र नहीं करते। सामाजिक सुधार-कुरीतियां-जातीय गुण धर्म आदि हमारी प्राथमिकता ही नहीं हैं। समाज सुधार करना है, माने क्या करना है? कैसे करना है? क्या तो कमियां हैं? क्या बुराइयां हैं? समस्याएं क्या हैं? समाधान क्या हैं? कुछ भी अता-पता नहीं सिर्फ बातों की डींग हैं।

अक्सर सुनते हैं कि समाज सुधार के क्या निर्णय करें, कोई मानता तो है नहीं। निर्णय करने वाले खुद उनकी पालना नहीं करते। वैसे भी सुधार-निर्णय-नियम कमजोरों के लिए हैं। धनवान तो अपनी मनमर्जी ही करते हैं। कैसे मनाएं सबको? इस माने में अजीब लाचारी दिखती है। सामाजिक नेतृत्व में नैतिक बल की बहुत कमी नहीं लगती? ऐसा क्यों है? इसलिए कि समाज में लोग सामाजिक निष्ठा से कम और अपनी इच्छाओं की पूर्ति के लिए ज्यादा काम करते हैं। 'कहीं पे निगाहे कहीं पे निशाना' उनकी कार्य शैली बन गई है।

कभी-कभी लगता है कि कहीं पैसों का गुमान और घमंड है, तो कहीं अभावों से जूझता कुंठित जीवन है। अनेक अवसरों पर यह घमंड गुमान इतराता भी दिखता है। ऐसा कब, जब धन वैभव का ऐसा प्रदर्शन जो अनुकरणीय नहीं बल्कि वर्जनीय होना चाहिए। तब मन में मेरे कई सवालों आते हैं कि धनं मदाय है या दानाय? वैश्य होने के नाते समृद्धि की साधना होनी ही चाहिए। व्यक्ति को दरिद्र नहीं होना चाहिए। दारिद्र्य तो अभिशाप है। मगर समृद्धि की साधना किसलिए? क्या दुनिया खरीदने के लिए रेशम राख करने के लिए? भोग विलास एवं वैभव के भोंडे प्रदर्शन हेतु? कतई नहीं? माना कि भोग उपभोग के बिना कैसा जीवन? सही है। पर उपभोग-उपयोग कैसे हो? रास्ते खोजने और तय करने चाहिए। एक नियम है- 'महाजन येन गतः स पंथा' हम जो करते हैं उसके अनुसरण से समाज में दिक्कतें-कुंठा-कुसंस्कार पैदा हों, तो ऐसे से बचना चाहिए। दरिद्री की तरह रहना भी उचित नहीं, शोभा नहीं देता, पर भोगवादी भी नहीं हो। असीमित एकांगी भोग शहरी स्वास्थ्य मन बुद्धि सभी के लिए हानिप्रद है। हम हैं तो समाज में दरिद्रता गरीबी नहीं रहनी चाहिए। हम अपनी संतानों की कैसी परवरिश कर रहे हैं? इससे हमारे परिवार का आंतरिक वातावरण कैसा बनेगा? किधर जा रहे हैं? क्या होगा अंजाम? सोचता भी है कोई? ध्यान भी आता है क्या? या हम भी शरीक-ए-जुल्म है? जानिये। आजकल शादियां की नहीं जाती, बस हो जाती हैं, फिर संतानें भी बस हो जाती है 'बाई द वे'। फिर संतानें पाली नहीं जाती पल जाती हैं -बाई द वे'। यहां सब कुछ 'बाई द वे' अपने आप हो रहा है। नियोजन कहां है? इस पर कौन देगा ध्यान? कौन करेगा चिंतन?

आखिर में बस एक बात और। सत्तर वर्षों की आजादी के बाद अपने देश में वोट बैंक की राजनीति ने राष्ट्रीयता और भारतीयता की बड़ी क्षति की है। दुर्भाग्य से ध्रुवीकरण की राजनीति जय पराजय का औजार बनकर देश की एकता पर ही सवाल खड़े कर रही है। सभी तरफ जातिवाद का बोलबाला है। एक समय था, जब जातीय पंचायतें अपने भीतर के अपराधी को दंडित करती थीं। आज जातीय समाज अपने भीतर के अपराधियों को न केवल बचाते हैं वरन महिमा मंडित भी करते हैं।

लक्ष्मीनारायण डाड
अतिथि सम्पादक

ADITYA BIRLA GROUP
Every building is your style statement
Build beautiful
Every structure you build is an everlasting testament to your expertise and effort. Make it a tribute to your creativity; a hallmark of your imagination; a statement of your aesthetic style. When you build to last forever, why build ordinary. Build beautiful.
UltraTech
CEMENT
The Engineer's Choice

श्री सुषमाद माताजी

श्री सुषमाद माताजी माहेश्वरी समाज की काबरा खांप की कुलदेवी हैं। इसके साथ ही इन्हें अन्य समाज के मांडया, पालड्या, अठारया, भगत, सिंगी, धौल व कोठारी भी पूजते हैं।

माताजी का मंदिर राजस्थान के नागौर जिले के कुचेरा ग्राम में स्थित है। यह गाँव पुष्कर व मेड़ता के बीच आता है। यहाँ यह मंदिर मेड़ता मार्ग पर गणपतसिंह, मदनसिंह सिसौदिया के खेत में स्थित है। स्थानीय स्तर पर माताजी की चमत्कारित ख्याति है। नवरात्रि जैसे विशेष आयोजनों पर यहाँ उत्सव होता है। अभी मंदिर का जीर्णोद्धार चल रहा है।

कहाँ ठहरें

ग्रामीण क्षेत्र होने से यहाँ तो ठहरने के लिए कोई अच्छी व्यवस्था नहीं है लेकिन आवश्यक होने पर स्थानीय लोगों से सम्पर्क कर व्यवस्था जुटाई जा सकती है। समीपस्थ शहर मेड़ता व पुष्कर में ठहरने की व्यवस्था है। यहाँ लॉज आदि भी उपलब्ध हैं।

कैसे पहुँचें

श्री सुषमाद माताजी का मंदिर नागौर जिले के कुचेरा ग्राम में बस स्टैंड से लगभग डेढ़ किमी दूर खेत में स्थित है। पुष्कर व मेड़ता से सड़क मार्ग से ग्राम कुचेरा पहुँचा जा सकता है।

महेश ब्रिगेड
भीलवाड़ा
द्वारा महेश नवमी की हार्दिक शुभकामनाएं
महेश ब्रिगेड

सपना आर्टस्, अमरावती आपका आभारी हैं!
Glass & Art
Swapnayog
Sapna Arts
सभी प्रकार के
डिजाइनर ग्लास वर्क,
नेमप्लेट,
दिवार म्युरल,
डिजाइनर मंदीर,
मिरर, वॉच,
वासेस, ३डी वर्क,
सि.एन.सि. वर्क,
और कई नई चीजें।
योगेश भट्टड -9850304890
सपना भट्टड -9371465949
E-mail : bhattad.yogesh75@gmail.com
Ph.- 07212510250
पता:- हॉटेल सिमरन के पिछे, पुरानी घरकुल मसाला फॅक्टरी के पास, समर्थ वाडी, बडनेरा रोड, अमरावती।

सास ने किडनी देकर बचाई बहू की जान

कहा-''मैंने बहू नहीं बेटी को बचाया'' ■ समाज ने किया सम्मान

सूरत। शहर के आई माता इलाके में एक सास ने अपनी किडनी देकर बहू की जान बचाई। कपड़ा व्यापारी नंदकिशोर भूतड़ा की पत्नी आशा की दोनों किडनियां फेल हो चुकी थी, जिससे उनके बचने की बहुत कम उम्मीद थी। ऐसे में आशा की 65 वर्षीय सास शांति देवी ने अपनी एक किडनी देने

का फैसला किया। बच्चों से पूछने के बाद उन्होंने अपनी किडनी देकर बहू की जान बचा ली। किडनी देने के बाद शांति देवी ने कहा, मैंने बहू नहीं, बेटी को बचाया है। नंदकिशोर ने कहा कि मेरी मां ने देवी का काम किया है और दूसरी सासों को प्रेरणा दी है। किडनी ट्रांसप्लांट 13 जून को अहमदाबाद के अपोलो अस्पताल में हुआ। 10 दिन अस्पताल में भर्ती रहने के बाद शांति देवी अपने घर आ गई हैं। अब वह स्वस्थ हैं। आशा भी अस्पताल से डिस्चार्ज होकर घर आ गई हैं, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें आराम करने को कहा है। अपोलो अस्पताल के डॉक्टर ने कहा कि उन्होंने अभी तक 410 किडनी ट्रांसप्लांट किये लेकिन यह पहला मामला है, जिसमें एक सास ने अपनी बहू को किडनी दी हो।

एक से दूसरी में हुआ था इंफेक्शन

शहर के आई माता इलाके में स्थित अभिलाषा हाइट्स में रहने वाले नंदकिशोर भूतड़ा मूल रूप से राजस्थान के बाड़मेर जिले के गिराब के रहने वाले हैं। एटीएम मार्केट में वह कपड़े का कारोबार करते हैं। नंदकिशोर और आशा की शादी 2001 में हुई थी। शादी के 5 साल बाद आशा को पता चला कि उनकी एक किडनी खराब है। इलाज कराया पर फायदा नहीं हुआ। 4 माह पहले दूसरी किडनी में भी इंफेक्शन होने से दोनों फेल हो गई।

7 बच्चों ने मां के फैसले का किया सम्मान

शांति देवी के तीन बेटे और 4 बेटी हैं। सभी की शादी हो चुकी है। सभी बच्चों ने मां के फैसले का सम्मान किया। शांति देवी ने कहा, मैं अपनी बहू को बेटी समझती हूं। मैंने तो अपना जीवन जी लिया, लेकिन आशा को अपने 13 साल के बच्चे को पालना है। बहू आशा ने कहा, मैंने कभी नहीं सोचा था कि मेरी सास किडनी देकर मुझे नया जीवन देंगी।

किडनी नहीं मिलती, तो था खतरा

डॉक्टरों ने आशा को किडनी ट्रांसप्लांट की सलाह दी थी। पति नंदकिशोर को डायबिटीज है, इसलिए वह किडनी नहीं दे पाए। कुछ अन्य लोगों से भी किडनी देने की बात की पर कोई तैयार नहीं हुआ। बहू की जान को खतरे में देख 65 वर्षीय सास शांति देवी ने अपनी एक किडनी उसे देने का निर्णय लिया। जब उन्होंने बहू को किडनी देने की इच्छा अपने बेटे नंदकिशोर से बताई तो वह चौंक गए, लेकिन उनके सामने कोई रास्ता नहीं था।

महिला संगठन ने किया सम्मान

यह अभूतपूर्व कार्य के लिये अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन की ओर से

बिमला साबू व मुस्कान माहेश्वरी महिला मंडल की ओर से सरला मालू, पुष्पा सोमानी व संतोष जाजू ने साड़ी और शॉल ओढ़ाकर शांति देवी भूतड़ा का सम्मान किया। जब बिमला साबू ने उनसे चर्चा की कि आप को कैसा लगा किडनी देकर और क्यूं लगा कि मैं किडनी दूं? तब शांति देवी ने बहुत ही सहजता से हँसकर कहा कि मैंने तो अपनी जिंदगी जी ली लेकिन मेरी बहु के अभी बहुत सी जिम्मेदारी पूर्ण काम बाकी हैं, इसलिए उसका जीना बहुत ही जरूरी है। ऐसे माता-पिता को पूरा समाज हाथ जोड़कर नमन करता है।

With Best Compliments from

Tulsiram
Maheshwari Public School

Modi Nagar, G T Road Modinagar, Ghaziabad (U.P.), 201204

Vinod Kumar Maheshwari
(President Manager)

Mrs. Rajni Ohri
(Principal)

Affiliated of Central Board of Secondary Education, New Delhi
A Co-Educational School

NURSERY to XII

Having
Highly Qualified Teachers on the Staff
Well Equipped
Biology, Chemistry, Computer Science, Physics
& Home Science Laboratories
Excellent Results in Board's Examinations (X, XII)

गुजरात प्रांतीय महिला संगठन ने किया 'त्रिनयन समागम'

द्वितीय कार्यसमिति बैठक उन्नति 2018 का सफल आयोजन

राजकोट। गुजरात के इतिहास में प्रथम बार गुजरात प्रांतीय सभा, गुजरात प्रांतीय महिला संगठन एवं गुजरात प्रांतीय युवा संगठन की बैठक त्रिनयन समागम का आयोजन राजकोट में श्री राजकोट माहेश्वरी समाज, श्री राजकोट महिला संगठन एवं राजकोट युवा संगठन के आतिथ्य में गत 22 जुलाई को आयोजित हुई। मुख्य अतिथि एवं उद्घाटनकर्ता महामंत्री अभा माहेश्वरी महिला संगठन आशा माहेश्वरी कोटा थीं। स्वागताध्यक्ष ख्यात उद्योगपति एवं समाजसेवी राजेश सिकची मोरबी व विशेष अतिथि दीपक चांडक (संगठन मंत्री राष्ट्रीय युवा संगठन), मंगल मर्दा (संयुक्त मंत्री राष्ट्रीय महिला संगठन) तथा सवाईसिंह चांकड (संयुक्त मंत्री-राष्ट्रीय युवा संगठन) थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता त्रिभुवन काबरा (अध्यक्ष-गुजरात प्रांतीय सभा), उमा जाजू (अध्यक्षा गुजरात प्रांतीय महिला संगठन) व विकास मूंदड़ा (अध्यक्ष गु.प्रा. युवा संगठन) न की। उद्घाटनकर्ता आशा माहेश्वरी ने अपने उद्बोधन में एक सामाजिक कार्यकर्ता को अपनी वाणी पर किस तरह संयम रखना चाहिए एवं राजकोट में माहेश्वरी भवन की जरूरत का जिक्र किया। प्रांतीय सभ अध्यक्ष त्रिभुवन काबरा ने भी इस बात का समर्थन करते हुए इस पर विचार आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। दीपक चांडक ने युवा शक्ति का आह्वान किया। उमा जाजू एवं विकास मूंदड़ा ने इस शानदार एवं अभूतपूर्व आयोजन की प्रशंसा करते हुए पूरे राजकोट समाज को खूब बधाइयां दी और अपने संगठनों में किए गए कार्यों के बारे में संक्षिप्त में बताया। आभार प्रदर्शन ओमप्रकाश काबरा मोरबी ने किया। कार्यक्रम का संचालन एचडी केला एवं अंजना बियानी ने किया। राजकोट महिला संगठन ने बैठकों का आयोजन एवं प्रायोजन विषय पर हास्य नाटक प्रस्तुत किया।

उन्नति का भी हुआ आयोजन

त्रिनयन समागम के अंतर्गत गुजरात प्रांतीय माहेश्वरी महिला संगठन की द्वितीय कार्यसमिति बैठक उन्नति 2018 का सफल आयोजन हुआ। इसमें कुल 165 सदस्याओं ने भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन शिखा राठी ने किया। मुख्य अतिथि राष्ट्रीय महामंत्री आशा माहेश्वरी ने पारिवारिक समरसता-परिवर्तन के साथ विषय पर प्रेरणादायक व्यक्तव दिया। संयुक्त मंत्री मंगल मर्दा ने भी आशीवर्चन दिए। प्रांतीय अध्यक्ष उमा जाजू ने स्वागत उद्बोधन दिया व सचिव उमा काबरा ने सचिवीय

प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। तिरुपति में होने वाली राष्ट्रीय बैठक एवं प्रतियोगिता के बारे में चर्चा की गई। स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत अभियान के विषय में चर्चा हुई। प्लास्टिक का उपयोग कम से कम करने का आह्वान किया। आगामी बैठक वापी में आयोजित करने का तय किया गया। उन्नति 2018 बैठक के साथ राष्ट्रीय सुश्रीता समिति के अंतर्गत सुश्रीता नारी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रांतीय सचिव उमा काबरा ने इस आयोजन के लिए राजकोट महिला संगठन की अध्यक्ष प्रतिभा होलानी, सचिव सुनीता भदादा एवं सभी कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया।

With Best Compliments From

Purushottam R. Somani

B.E. (Mech)

Managing Committee member

- Shri Adiya Vikram Birla Memorial Vyapar Sahyog Kendra
- A.B. Maheshwari Sabha Karyakari Mandal Sadasya

Founder President

- The Nizamabad Chamber of Commerce & Industry
- Indira Gandhi Priyadarshini Awardee in 1997

EX Chairman :

- The Maheshwari Charitable Trust Nizamabad

Concerns-

- **M/s. Sham Agencies**
- **M/s. Sham Autolines** (BPC Dealer)
- **M/s. Sham Leasing & Finance Corporation** (Finance)
- **M/s. Sarang Automotives (P) Ltd.** (Suzuki Dealer)
- **M/s. Sarang Hi-Tech Cold Storage (P) Ltd.**
- **M/s. Sarang Autolines** (BPC Dealer)

Hyderabad Road, NIZAMABAD (AP) 503 003 Mob. 098480-71036

महेश नवमी के पावन पर्व पर
हार्दिक शुभकामनाएँ

दामोदरदास मूँदड़ा

पूर्व अर्थमन्त्री, अ.भा. माहेश्वरी महासभा

KAMAL

MICRO REFINED RICE BRAND OIL

Available in 15 Ltrs., 15 Kgs. & 5 Ltrs. (Can) and 1 Ltrs. (Pouch)

KAMAL SOLVENT
Extractions Pvt. Ltd.

Regd. Office :
"Mundra Niwas" Rajnandgaon - 491 441 INDIA
Phone : 07744 - 241719, 224619, 224719 Cable : "Mundra" Fax : 07744 - 226319

Works :
G.E. Road, Village khuteri (Somni), Rajnandgaon - 491441
Phone : 07744 - 220621, 220651, 220761, 220771

बागड़ी को टाईम्स बिजनेस का 'बेस्ट ट्रस्टेड पोर्टफोलियो कंसल्टेंट सम्मान

अमृता देवेंद्र फडनवीस ने किया बागड़ी का सम्मान

नागपुर. टाईम्स बिजनेस व शिक्षा पुरस्कार 2018 का वार्षिक पुरस्कार वितरण कार्यक्रम एक प्रतिष्ठित होटल में संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि अमृता देवेंद्र फडनवीस, महापौर नंदाताई जिचकर व फिल्म अभिनेत्री ईलविन शर्मा थीं। टाईम्म बिजनेस व शिक्षा द्वारा पिछले एक महीने से विभिन्न कैटेगरी में पुरस्कार देने हेतु रिसर्च व सर्वे कर नामों का चयन किया जाता है। फाइनल नाम तीन तरह की एनालिसिस के बाद तय किया जाता है।

शरद गोपीदास बागड़ी मोतीलाल ओसवाल सिक्युरिटीज लिमिटेड से गत 32 साल से जुड़े हैं। अतः उनको उनके लंबे समय के लांगटर्म शेयर मार्केट अनुभव के कारण सबसे 'विश्वसनीय पोर्टफोलियो कंसल्टेंट 2018' का पुरस्कार महापौर नंदाताई जिचकर, फिल्म अभिनेत्री ऐलवीन शर्मा की उपस्थिति में मुख्य अतिथि अमृता फडनवीस के हाथों प्रशस्ति पत्र व ट्रॉफी भेंटकर प्रदान किया गया। टाईम्स बिजनेस व शिक्षा अवॉर्ड ने अपने लेख में बताया कि शरदजी हर बाधा, तकलीफ को अत्यंत धैर्य, शांति, सादगी, सरलता से बिना किसी सहारे पार करते हुए आज इस मुकाम पर पहुंचे हैं। श्री बागड़ी को युवाओं का प्रेरणास्रोत, मार्गदर्शक व आदर्श बताया है। उल्लेखनीय है कि श्री बागड़ी को मोतीलाल ओसवाल सिक्युरिटीज लि ने 'वेल्थ क्रियेटर ऑफ डिकेड', लोकनायक जयप्रकाश अंतराष्ट्रीय अध्ययन केंद्र, नई दिल्ली ने 'संपूर्ण क्रांति पुरस्कार-2018', माहेश्वरी टाईम्स द्वारा 'माहेश्वरी ऑफ द ईयर-2016', राजस्थान सेवा समिति द्वारा 'राजस्थान-श्री', अन्य सामाजिक राजनीतिक संस्थाओं द्वारा 'समाज गौरव', 'समाज-रत्न', 'जीवन गौरव सम्मान' लायंस डिस्ट्रिक्ट गवर्नर, रोटरी डिस्ट्रक्ट गवर्नर इत्यादि कई राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है। पूर्व नगरसेविका नीलिमाताई बावणे, मोतीलाल ओसवाल सिक्युरिटीज लि. के प्रशांत पिंपलवार, विदर्भ सेवा समिति के डॉ. संतोष मोदी, कमल चांडक, लायंस राजेश जिंदल, भारत विकास परिषद के कौस्तुभ लुले, बीकानेरी माहेश्वरी पंचायत के प्रमोद बागड़ी, राजकुमार सिंगी, डॉ. राजकुमार राठी, सुधीर पालीवाल आदि ने श्री बागड़ी का अभिनंदन किया।

बागड़ी का किया सम्मान

नागपुर. मोतीलाल ओसवाल सिक्युरिटीज लिमिटेड देश की पुरानी व सबसे बड़ी शेयर मार्केट, कमोडिटी की ब्रोकिंग संस्था है। इसकी शाखा देश-विदेश में भी हैं। देश के साथ विदेश के लाखों निवेशक व वित्तीय संस्थाएं इससे जुड़ी हैं। इस संस्था द्वारा अपने निवेशकों व क्लाइंटस के लिए करेंसी व कमोडिटी पर प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया था। फादर्स डे के उपलक्ष्य में अरुण पिंपलवार का शॉल-श्रीफल से सत्कार किया गया। इसमें शरद बागड़ी का परिचय प्रशांत पिंपलवार ने दिया। 'बेस्ट ट्रस्टेड पोर्टफोलियो कंसल्टेंट' का पुरस्कार प्राप्त करने के लिये श्री बागड़ी का प्रशांत पिंपलवार, माधव देशपांडे, प्रतीश टांक, देवेश पोद्दार, पराग हिंडलकर ने शॉल-श्रीफल से सम्मान किया। मोतीलाल ओसवाल सिक्युरिटीज लि. के सभी निवेशकों ने श्री बागड़ी को बधाई दी।

योग गुरु बाबा रामदेव से मुलाकात

रायपुर. योग गुरु बाबा रामदेव के रायपुर आगमन पर सीएसआईडीसी अध्यक्ष छगनलाल मूंदड़ा ने एमडी सुनील मिश्रा के साथ उनका स्वागत व अभिनंदन किया। पतंजलि द्वारा राजनांदगाव जिले के ग्राम बिजेतला में प्रस्तावित फूड पार्क शीघ्र शुरू करने हेतु बाबा से निवेदन किया। बाबा ने पार्क शीघ्र शुरू करने का आश्वासन दिया।

आसान नही है उस शख्स को समझना,
जो जानता सबकुछ है .....
पर बोलता कुछ नहीं..

महेश नवमी के
पावन पर्व पर
सभी समाजजनों को
हार्दिक शुभकामनाएँ

कमल किशोर चाण्डक

प्रदेश अध्यक्ष राजस्थान – भारतीय जन फाउण्डेशन
पूर्व संयुक्त मन्त्री- अ.भा. माहेश्वरी महासभा
पूर्व कोषाध्यक्ष- श्री अ.भा. माहेश्वरी सेवा सदन, पुष्कर

लक्ष्मीनारायण कमलकिशोर चाण्डक
ए-7, मण्डोर मण्डी, जोधपुर (राज.)

दिनेश मशीनरी स्टोर्स
चाण्डक मार्केट, खींवसर (राज.)

माहेश्वरी भवन के नवीन कक्षों का शिलान्यास

बूंदी. जैतसागर रोड़ स्थित माहेश्वरी भवन में दक्षिणी पश्चिमी छोर पर प्रस्तावित 20 नवीन कक्षों के निर्माण कार्य का भूमिपूजन व शिलान्यास समारोह आयोजित हुआ। अतिथि कोटा माहेश्वरी समाज के अध्यक्ष राजेशकृष्ण बिरला व सीए बद्रीविशाल माहेश्वरी थे। पंचायत अध्यक्ष जगदीश जैथलिया ने स्वागत सहयोगकर्ताओं का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर प्रस्तावित नवीन कक्षों की घोषणा करने वाले भामाशाह राजेशकृष्ण बिरला, बद्रीविशाल माहेश्वरी, महावीर मूंदड़ा, मोहन नुवाल, कांतादेवी नुवाल, द्वारकालाल बिरला, पुरुषोत्तम जैथलिया, रामबाबू जैथलिया, रामकिशन-रामचरण मंडोवरा, दिनेश लखोटिया, अशोक नुवाल, महेश जाजू, सत्यनारायण थेबड़िया, भंवर झंवर, रमेश बाहेती, कृष्णचंद्र झंवर, महेश-राजेंद्र राठी, सत्यनारायण माहेश्वरी, मोहनलाल-रमेशचंद सोमाणी तथा सूर्यप्रकाश काबरा का अध्यक्ष जगदीश जैथलिया व सचिव विजेंदर माहेश्वरी ने दुपट्टा ओढ़ाकर सम्मान किया।

बागड़ी बने राष्ट्रीय सलाहकार

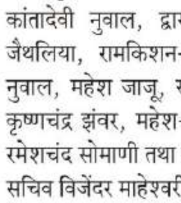

नागपुर. केंद्रीय मानवाधिकार संगठन, नईदिल्ली द्वारा विभिन्न सामाजिक संस्थाओं से कई राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त वरिष्ठ समाजसेवी शरद गोपीदास बागड़ी को 'राष्ट्रीय सलाहकार' नियुक्त किया गया है। अभी हाल ही में श्री बागड़ी ने अधिमान्यता पत्रकार आयोग, नईदिल्ली के राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन बतौर मुख्य अतिथि किया था। श्री बागड़ी को सालाना शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक सत्र में विशेष पुरस्कार 'संपूर्ण क्रांति पुरस्कार 2018' के लिए मनोनीत कर उपमुख्यमंत्री मनीष सिसौदिया के हाथों पुरस्कार प्रदान किया गया।

रक्तदान शिविर का हुआ आयोजन

कोलकाता. तापड़िया विकास परिषद द्वारा लायंस क्लब मानसरोवर के सहयोग से गत 15 जुलाई को अपनी संस्था के सातवें स्थापना दिवस पर स्थानीय रमा भवन में कुलदेवी मां आसापुराजी की पूजा-अर्चना के साथ रक्तदान का शुभारंभ किया गया। समारोह में समाजसेवी पुरुषोत्तम मिमानी, पुरुषोत्तम मूंधड़ा, श्याम बागड़ी, सिटी केबल के निर्देशक दत्ता, स्थानीय पार्षद एलोरा साहा व लायंस क्लब के पदाधिकारियों की उपस्थिति रही। संस्था के संरक्षक भीकमचंद, अध्यक्ष बलदेव, मंत्री विनय, उपाध्यक्ष देवकिशन, श्रीकृष्ण मुरारी, कोषाध्यक्ष घनश्याम, सतीश आदि के नेतृत्व में समस्त तापड़िया समाजजनों का सहयोग रहा।

वाटर कूलर मशीन का लोकार्पण

खंडवा. श्री सत्यलक्ष्मीनारायण मंदिर श्री माहेश्वरी पंचायत ट्रस्ट बोर्ड खंडवा द्वारा कोलकाता निवासी शारदादेवी किशोरकुमार मोहता के सौजन्य से श्रीराम मंदिर बड़ाबम खंडवा पर शुद्ध पेयजल के लिए आरओ व यूवी के साथ वाटर कूलर मशीन प्याऊ का आमजन हेतु लोकर्पण प्रदेशाध्यक्ष अरुणा बाहेती ने किया। प्रकाशचंद्र बाहेती, कृष्णकांत हेड़ा, सोहन काबरा, अनिल बाहेती, विष्णु जैथलिया, मनीष भदादा, राजकुमार शर्मा, सुमित शर्मा, महिला मंडल से जिलाध्यक्ष किरण मंत्री, रेखा काबरा, पुष्पा राठी आदि मौजूद थीं।

टावरी को अध्यात्म सेवी सम्मान

अमरावती. संस्थान श्री ज्ञान मंदिर के महासचिव व राष्ट्रीय स्तर की पत्रिका अध्यात्म अमृत के प्रधान संपादक कृष्णचंद्र टवानी किशनगढ़ (राजस्थान) द्वारा वर्ष 2018 के लिए अमरावती के वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता श्यामसुंदर टावरी को 'अध्यात्म सेवी सम्मान' से सम्मानित करने का निर्णय लिया गया। यह सम्मान 60 वर्ष से अधिक आयु के मनीषियों व तत्वचिंतकों को आध्यात्मिक साहित्य के लेखन, प्रकाशन, वितरण हेतु प्रतिवर्ष दिया जाता है। उल्लेखनीय है कि टावरी ने अभी तक 7 पुस्तकें लिखी तथा उनके 800 से अधिक लेख समाचार पत्रों तथा समाज की राष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए हैं।

पूर्वी राजस्थान प्रादेशिक सभा ने किया भ्रमण

कोटा. पूर्वी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा द्वारा प्रदेश भ्रमण किया गया। संगठन आपके द्वार के अंतर्गत इसमें कोटा जिले के ग्रामीण क्षेत्रों का भ्रमण राजेशकृष्ण बिरला व घनश्याम लाठी, बूंदी जिले का संपूर्ण भ्रमण घनश्याम लाठी, घनश्याम नकलूक, चंद्रभानु लाठी, आनंद धूपड़, सुरेश लाठी, नरेश लाठी व निशांत नुवाल, बारां जिले का भ्रमण योगेश मंत्री व केके सतुरिया तथा झालावाड़ जिले का भ्रमण विनीत मालपानी व केके राठी द्वारा किया गया। सामाजिक आर्थिक सर्वेक्षण का कुल 63 प्रतिशत कार्य संपन्न हो चुका है। प्रपत्र 31 जुलाई 2018 तक महासभा को प्रेषित कर दिए जाएंगे। महासभा के सदस्यों का कोई शुल्क बकाया नहीं है। परिचय पुस्तिका का शुल्क 10 हजार व केंद्रीय कार्यालय का अंश 1 लाख भिजवा दिया गया है।

नाम तो काँटों का ही लगेगा,,
यह सोचकर, कई बार फूल भी
चुपचाप ज़ख्म दे जाते है

महेश नवमी के पावन पर्व पर सभी समाजजनों को हार्दिक शुभकामनाएँ

सीतादेवी तोषनीवाल चेरिटेबल ट्रस्ट

ट्रस्टी

नेमीचन्द तोषनीवाल

पूर्व अध्यक्ष

वृहत्तर कलकत्ता प्रादेशिक माहेश्वरी सभा

मदनगोपाल माहेश्वरी

विष्णुगोपाल तोषनीवाल

57-एल, बालीगंज सर्कुलर रोड, कोलकाता-700019
फोन- (नि.) 033-24614925, (कार्या.) 22682676
मो. 094332-77426

महेश नवमी विशेषांक का विमोचन

भीलवाड़ा. श्री माहेश्वरी टाईम्स पत्रिका द्वारा प्रकाशित महेश नवमी विशेषांक 2018 'महिमामय महेश उत्सवमय माहेश्वरी' का विमोचन रामपाल सोनी पूर्व सभापति अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा, देवकरण गग्गर उपसभापति पश्चिमांचल, रतनलाल नौलखा पूर्व उपसभापति पश्चिमांचल, कैलाशचंद्र कोठारी प्रदेशाध्यक्ष दक्षिणांचल, राधेश्याम सोमानी पूर्व प्रदेशाध्यक्ष दक्षिणांचल, राधेश्याम चेचानी अध्यक्ष श्री महेश सेवा समिति, ममता मोदानी उपसभापति अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन, अनिला अजमेरा जिलाध्यक्ष महिला संगठन, केदारमल जागेटिया अध्यक्ष श्रीनगर माहेश्वरी सभा तथा बाबूलाल जाजू संपादकीय सलाहकार श्री माहेश्वरी टाइम्स के द्वारा किया गया। प्रतिनिधि शंकर सोनी ने विमोचन की प्रक्रिया संपन्न करवाई। सभी अतिथियों द्वारा माहेश्वरी टाइम्स के इस सुंदर प्रयास के लिए बधाई और शुभकामना दी गई। इस अवसर पर प्रतिनिधि शंकर सोनी ने बताया कि इस विशेषांक में भीलवाड़ा महेश नवमी के महोत्सव कार्यक्रमों का विशेष कवरेज किया गया।

"न बोलना बड़ी बात है और न चुप रहना बड़ी बात है मगर कब बोलना और कब चुप रहना इसका विवेक रखना ही बड़ी बात है।अगर बोलना ही बड़ी बात होती तो दुनिया का हर वाचाल मनुष्य प्रशंसा का पात्र होता एवं अनावश्यक बोलने वाली द्रौपदी को कभी भी महाभारत के लिए जिम्मेदार न ठहराया जाता।

इसी प्रकार केवल चुप रहना ही बड़ी बात होती तो भरी सभा में अपनी कुलवधू का अपमान होते देखकर भी मौन साधने वाले पितामह भीष्म को कभी मंत्री बिदुर द्वारा, कभी भगवान श्रीकृष्ण द्वारा तो कभी समाज द्वारा न कोसा गया होता।

अतः कब बोला जाए और कितना बोला जाए ? व कब चुप रहा जाए और कब तक चुप रहा जाए तथा कितना चुप रहा जाए ? जिसे इन बातों को समझने का विवेक आ गया निश्चित ही उसने एक शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण जीवन की नीव भी रख ली।"

ज्ञान महोत्सव में संगीतमय नानीबाई का मायरा

पुर. समाज के वरिष्ठ कन्हैयालाल पलोड़ के 90वें जन्मोत्सव तथा कन्हैयालाल, राजेंद्रकुमार व कैलाशदेवी की सकुशल चारधाम यात्रा एवं मायशा के प्रथम जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में पलोड़ परिवार द्वारा पंच दिवसीय विराट भक्ति ज्ञान महोत्सव का आयोजन पुर में 11 से 15 जुलाई तक श्री जगतगुरु श्री रामदयाल महाराज पीठाधीश्वर रामस्नेही संप्रदाय एवम संगीतमय नानीबाई का मायरा संत श्री दिग्विजय रामजी रामद्वारा चित्तौड़गढ़के श्रीमुख से 11 से 14 जुलाई तक आयोजित किया गया। राजेंद्रकुमार पलोड़ ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ 11 जुलाई को शोभायात्रा एवं पदरावनी के कार्यक्रम से हुआ। 14 जुलाई को तुलसी-शालिग्राम विवाह का आयोजन भी हुआ। इसमें सभी संतों का पलोड़ परिवार ने स्वागत अभिनंदन किया। आलोककुमार पलोड ने बताया कि पूरे गोंव के ग्रामीणों जिसमें माहेश्वरी, जैन, स्वर्णकार, मुसलमान, माली, ब्राह्मण व बिश्नोई आदि समाज द्वारा आचार्यश्री एवं पलोड़ परिवार का सम्मान किया गया। अंतिम दिन महाप्रसादी का आयोजन किया गया।

सेठ बालाराम राठी की मूर्ति की स्थापना

नागौर. श्री माहेश्वरी पंचायत भवन (रजि.) नागौर के परिसर श्री माहेश्वरी न्यास पोल आजाद चौक में बने स्व. सेठश्री बालाराम राठी हॉल में स्व. सेठीजी की प्रतिमा की स्थापना एवं अनावरण का कार्यक्रम गत 10 जून को संपन्न हुआ। विदित हो कि उक्त हॉल का निर्माण सन 1985 में इन्हीं के परिजनों द्वारा करवाया गया था। तत्पश्चात उक्त हॉल के आधुनिकीकरण का कार्य इनके पुत्र समाजसेवी एवं उद्यमी श्यामसुंदर राठी आनंद (गुजरात) वालों ने पूर्ण करवाया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माहेश्वरी महासभा के महामंत्री संदीप काबरा थे। अध्यक्षता श्रीराम सोनी ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में भामाशाह श्यामसुंदर राठी एवं केसरीचंद तापड़िया उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन ठाकुरप्रसाद राठी ने किया। इसी दिन श्री माहेश्वरी पंचायत संस्थान नागौर के मध्यावधि चुनाव मुख्य चुनाव अधिकारी ठाकुरप्रसाद राठी के निर्देशन में संपन्न हुए। इसमें संतोष लोहिया उपाध्यक्ष एवं कोषाध्यक्ष नंदकिशोर खंडलोया निर्विरोध निर्वाचित हुए। अध्यक्ष किशन लोहिया, सचिव मदनमोहन बंग एवं सहसचिव गिरिराज सोनी निर्वाचित हुए।

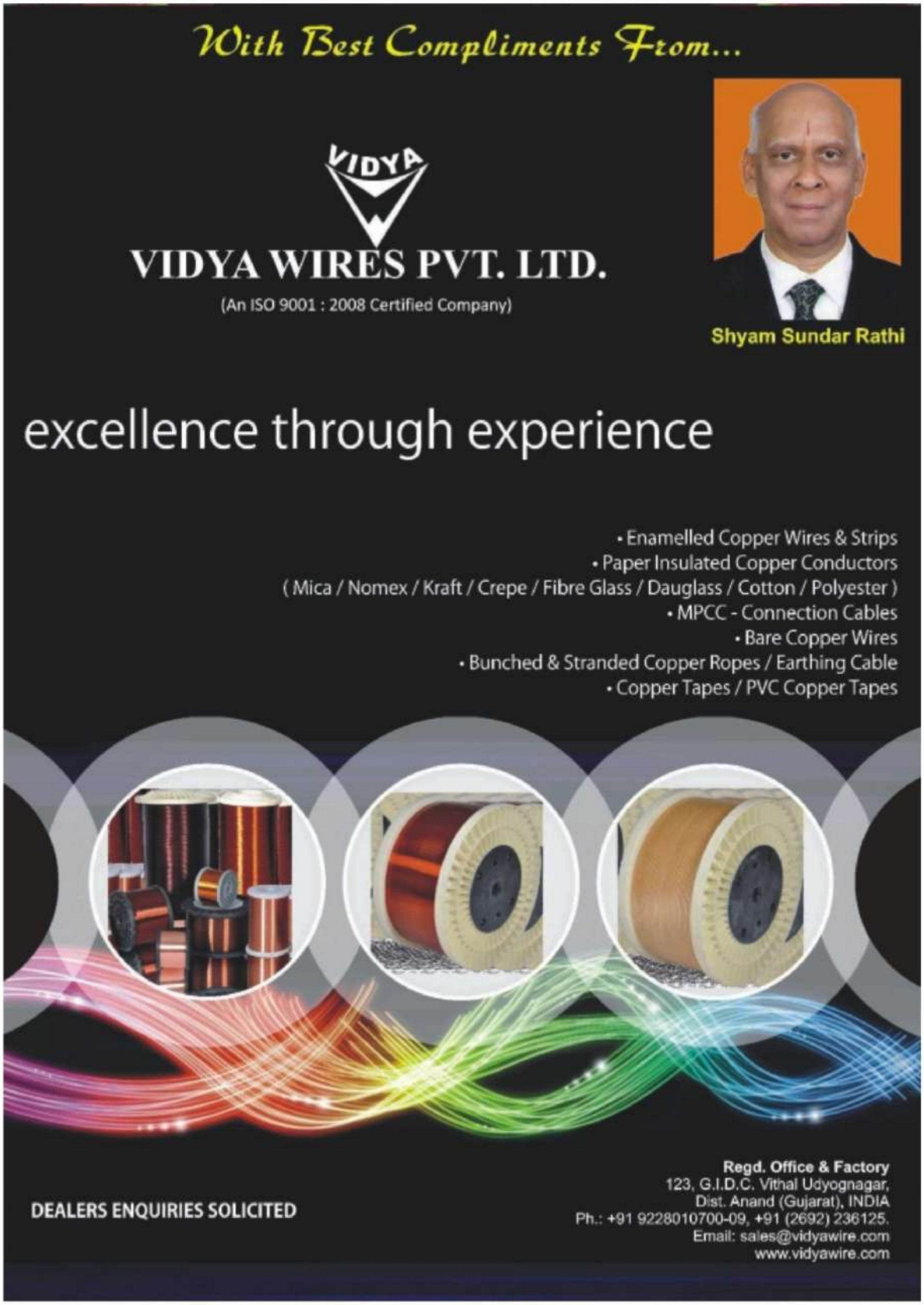
With Best Compliments From...
VIDYA
VIDYA WIRES PVT. LTD.
(An ISO 9001 : 2008 Certified Company)
Shyam Sundar Rathi
excellence through experience
• Enamelled Copper Wires & Strips
• Paper Insulated Copper Conductors
(Mica / Nomex / Kraft / Crepe / Fibre Glass / Dauglass / Cotton / Polyester)
• MPCC - Connection Cables
• Bare Copper Wires
• Bunched & Stranded Copper Ropes / Earthing Cable
• Copper Tapes / PVC Copper Tapes
DEALERS ENQUIRIES SOLICITED
Regd. Office & Factory
123, G.I.D.C. Vithal Udyognagar,
Dist. Anand (Gujarat), INDIA
Ph.: +91 9228010700-09, +91 (2692) 236125.
Email: sales@vidyawire.com
www.vidyawire.com

एक ही परिवार के 6 सदस्यों की संदेहास्पद मृत्यु

रांची. गत 15 जुलाई सुबह 8 बजे एक अत्यंत दुखद समाचार प्राप्त हुआ कि हजारीबाग में काबरा परिवार के तीन पीढ़ी के सभी 6 सदस्यों की संदेहास्पद स्थिति में मृत्यु हो गई। दिमाग को झंकझोर देने वाली इस घटना की जानकारी मिलते ही रांची का माहेश्वरी समाज तुरंत सक्रिय हुआ एवं 15 सदस्यों का दल अध्यक्ष राजकुमार मारू के नेतृत्व में हजारीबाग जाने के लिए तैयार हुआ। सुबह 9 बजे 5 सदस्य रांची से हजारीबाग के लिए रवाना हुए। तत्पश्चात 10 बजे बाकी सदस्य रवाना हुए।

वहां पहुंचकर घटनास्थल पर सारी स्थिति का जायजा लिया। जिसे समाचार माध्यम में आत्महत्या कहा जा रहा है, वास्तविकता में वहां की स्थिति देखते हुए लग रहा था कि यह एक सुनियोजित हत्याकांड है। मृतकों में महावीरप्रसाद माहेश्वरी, उनकी पत्नी, पुत्र नरेश, पुत्रवधू एवं एक पोता व एक पोती थी। महावीरप्रसाद एवं उनका परिवार व्यवहार कुशल था एवं सभी लोगों तक इनकी सहज पहुंच थी। यहां तक कि अग्रवाल सभा में भी वे पदाधिकारी थे। स्थानीय लोगों से बातचीत कर ऐसा लगने लगा कि यह आत्महत्या का मामला नहीं एक सुनियोजित हत्याकांड है। इसके पूर्व रांची माहेश्वरी समाज ने आलाधिकारियों से बात कर जांच कार्य जल्द पूर्ण करने का आग्रह किया ताकि पोस्टमार्टम के पश्चात उसी दिन दाह संस्कार का कार्य करा लिया जा सके। हजारीबाग का राजस्थानी समाज भी वहां पर काफी सक्रिय था एवं उनके साथ भी रांची के माहेश्वरी समाज की एक बैठक हुई, जिसमें करीब 200 से अधिक व्यक्ति सभा में उपस्थित थे। उन्होंने यथास्थिति की जानकारी सभी को दी और उनकी सक्रियता को देखकर ऐसा लगने लगा कि हजारीबाग में काबरा परिवार अकेला नहीं बल्कि पूरा हजारीबाग उनके साथ है।

सायं 5.00 बजे का समय अंतिम यात्रा के लिए निर्धारित किया गया। शवयात्रा के दौरान उनके घर से लेकर मुक्तिधाम तक लोगों का एक रैला था जो शवयात्रा के पीछे चल रहा था। अंतिम यात्रा के दिन पूरे हजारीबाग का बाजार भी बंद था। स्थानीय राजस्थानी समाज के अलावा अन्य समाज के लोग भी सड़क के दोनों किनारे खड़े होकर अपनी सहानुभूति प्रकट कर रहे थे।

हिंदी किताबों में बढ़ी युवाओं की रुचि

उज्जैन. सोशल मीडिया के बढ़ते असर के बीच खास बात यह कि नई पीढ़ी के युवा पाठक हिंदी में किताबें पढ़ने को उत्सुक हैं। अंग्रेजी लेखक भी हिंदी में अनुवाद कराकर हिंदी पाठकों तक पहुंचना चाहते हैं, इसलिए क्योंकि हिंदी का पाठक वर्ग विशाल है। ऐसे में आज हिंदी में अच्छे लेखकों की कमी है।

उक्त उद्‌गार हिंदी में साहित्यिक किताबों के शीर्षस्थ प्रकाशन समूह राजकमल प्रकाशन के संचालक अशोक माहेश्वरी ने व्यक्त किए। उज्जैन प्रवास के दौरान श्री माहेश्वरी ने अनौपचारिक कार्यक्रम में पुस्तक 'जिंदगी का टिफिन लाया हूं' का विमोचन भी किया। विद्यानगर स्थित ऋषि-मुनि प्रकाशन समूह के परिसर में हुए विमोचन के अवसर पर पुस्तक के प्रकाशक और ऋषि-मुनि प्रकाशन समूह के डायरेक्टर पुष्कर बाहेती, वरिष्ठ पत्रकार संदीप कुलश्रेष्ठ और मुनि बाहेती ने श्री माहेश्वरी का स्वागत किया। चित्रकार अक्षय आमेरिया द्वारा सज्जित इस पुस्तक में पत्रकार और लेखक डॉ. विवेक चौरसिया की सोशल मीडिया पर बहुपठनीय पोस्ट्स का संकलन है।

डीआईजी गांधी का सम्मान

हैदराबाद. बीएसएफ जोधपुर के डीआईजी (इंटेलीजेंस) आईपीएस रवि गांधी का नगर आगमन पर स्मृति चिह्न भेंट कर महेश बैंक के चेयरमैन इमीरेट्स रमेशकुमार बंग द्वारा सम्मान किया गया।

श्रावण उत्सव का होगा आयोजन

पुष्कर. आगामी श्रावण मास में ब्रह्मा सावित्री वेद विद्यापीठ पुष्कर (राजस्थान) में एक मासीय श्रावण उत्सव आयोजित किया जा रहा है। इसमें शिव संबंधी सभी प्रकार के यज्ञानुष्ठान संपन्न कराए जाएंगे। उल्लेखनीय है कि काशी के अतिरिक्त पुष्कर में भगवान मृत्युंजय महादेव का अद्वितीय मंदिर है। यजमान की कामनानुसार वैदिक ब्राह्मणों द्वारा दूध, दही, घी, मधु, गन्ने का रस, कुशोदक एवं गंगोदक आदि अलग-अलग पदार्थों से युक्त सहस्त्र जलधाराओं द्वारा रुद्राभिषेक एवं जप, हवन आदि धार्मिक अनुष्ठान होंगे। अनुष्ठान कालावधि में यजमान परिवार हेतु आवास, भोजन आदि की व्यवस्था विद्यापीठ में ही उपलब्ध है। उक्त जानकारी संदीप झंवर व हरीश कालानी ने दी।

'आनंद' एक 'आभास' है जिसे हर कोई ढूंढ रहा है...
'दु:ख' एक 'अनुभव' है जो आज हर एक के पास है..
फिर भी जिंदगी में वही 'कामयाब' है
जिसको खुद पर 'विश्वास' है ।...!!

माहेश्वरी समाज के उत्पत्ति दिवस
महेशनवमी
के पावन पर्व पर सभी समाजजनों एवं बन्धुओं को
हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई
प्रतिमा-घनश्याम करनानी
पूर्व प्रबंध न्यासी - कोठारी शौर्य बन्धु ट्रस्ट
(अ.भा. माहेश्वरी महासभा)
156-ए, महात्मा गांधी रोड, (पहला माला)
कोलकाता - 7 (पश्चिम बंगाल) मो. 93310-04936

प्रेमकिशोर सिकची चॅरीटिबल ट्रस्ट, अहमदाबाद निर्मित
SIKCHI RESORT - A Green Paradise
आलिशान 'सिकची रिसोर्ट', वलगांव
विशेषताएं : निसर्गरम्य, शांत पवित्र वातावरण में शुभ कार्यों को यादगार बनाने का एक अनूठा अनुभव। विदर्भ में उच्च कोटि के लिए नामांकित वातानुकूलित वास्तु में करीब 300 मेहमानों के लिए ठहरने की उत्तम व्यवस्था। मंदिर, भव्य स्टेज, सभागृह, पार्किंग, जलप्रपात, बालवाटिका तथा अति आधुनिक शाकाहारी रेस्टारेंट का सानिध्य, एक सुंदर पिकनिक स्पॉट रात-दिन कार्यरत प्रशिक्षित सेवकगण की उपस्थिति। जनहित कार्यक्रम बिनामूल्य तथा सम्पूर्ण आय सामाजिक उत्थान के लिए व्यय करने का दृढसंकल्प।
'सिकची रिसोर्ट', वलगांव, नागपुर से करीब 160 कि.मी. तथा अमरावती से 10 कि.मी. दूरी पर अमरावती-परतवाड़ा मार्ग पर स्थित है। विविध पैकेजेस तथा अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें।
सचिन धरनकर
मो. 7507805264
Email : sikchi123@yahoo.com
पियूष शर्मा
मो.नं. 9637385336

पिछले माह 'श्री माहेश्वरी टाईम्स' के महेश नवमी विशेषांक में प्रकाशित आवरण पृष्ठ के पगड़ी धारी फोटो को पूरे भारत में लोगों ने पसंद किया और पूछा कि यह कहां का है? वास्तव में यह मनाया माहेश्वरी समाज के आयोजन का चित्र है।

आवरण पृष्ठ के चित्र को सभी ने सराहा

मनासा माहेश्वरी समाज ने इस वर्ष महेश नवमी पर नारा दिया 'हमारी संस्कृति हमारी परंपरा'। इस संदर्भ में मनासा माहेश्वरी समाज के सचिव संजय समदानी के मन में सर्वप्रथम होल्कर पगड़ी का विचार आया था। श्री समदानी ने बताया कि समाज कार्यकारिणी की बैठक में मैंने यह प्रस्ताव रखा। जिसे समाज अध्यक्ष महेश झंवर ने पूरी कार्यकारिणी सहित स्वीकृति प्रदान की। मालवा में यह पगड़ी आज से 20 वर्ष पूर्व तक पहनी जाती थी और व्यापारी वर्ग की पहचान थी। यह मालवी पगड़ी पहले इंदौर की होल्कर स्टेट के समय होल्कर शासक पहनते थे। चूंकि मनासा पहले कभी मेवाड़ का हिस्सा था, बाद में एक भाग सिंधिया राज्य में चला गया व आजादी तक होल्कर राज्य में रहा। अतः यह होल्कर पगड़ी हमारे जिले के सभी पूर्वजों की तस्वीर में दिखती है।

क्यों पहनी यह पगड़ी

पूर्वजों की इसी छवि को पुनः जागृत करने का प्रयास था पगड़ी धारण करना। पगड़ी प्रतिष्ठा का प्रतीक होती थी। अब समस्या यह आयी कि यह पगड़ी इंदौर में या जयपुर तक कहीं रेडीमेड नहीं मिली। सब जगह राजस्थानी पगड़ियां उपलब्ध थीं। मनासा के कमल आगार ने इस विलुप्त होती कला को कभी सीखा था। उन्होंने पगड़ी बांधना शुरू किया। उन्होंने व सहयोगी अनिल झंवर दोनों ने रात दिन मेहनत करके 250 समाजजनों के सिर पर पगड़ी बांध दी।

विलुप्त संस्कृति का किया संरक्षण

फिर एक विचार आया कि क्यों न इस विलुप्त होती कल को पुनः जीवित किया जाए। इस दिन जिन बंधुओं ने यह पगड़ी पहनी। उन सब में उनके पूर्वजों की झलक दिख रही थी। मनासा के नगर नायक श्रीबद्रीविशालजी की सीढ़ियों पर सभी को खड़ा कर फोटो निकलवाये जो कि समाज के इस ऐतिहासिक पल का दस्तावेज बने। यह फोटो प्राचीन छवि की दिखी और वास्तव में वह क्षण ऐतिहासिक बन गया, जब माहेश्वरी समाज की प्रमुख पत्रिका श्री माहेश्वरी टाइम्स के मुख पृष्ठ पर यह फोटो लगा। सबसे विशेष बात यह रही कि पगड़ी पहनने में युवाओं ने पूरा उत्साह दिखाया व समाज की मातृशक्ति ने कार्यक्रम में पूरी उपस्थिति से उत्साहवर्धन किया।

नारी शक्ति को बताए उत्तरदायित्व

गुना. माहेश्वरी मंडल द्वारा गत दिनों एक साधारण बैठक सरिता भट्टर के यहां रखी गई। इसमें नारी शक्ति को जागरूक करवाकर उन्हें उत्तरदायित्व एवं कर्तव्य से अवगत करवाया गया। मंडल की अध्यक्ष आशा राठी ने बताया कि सचिव पद्मा लाहोटी, उपमा राठी, स्नेह दूदानी, पूनम लड्डा, ममता भट्टर, रेणु सोमानी सहित कई सदस्याएं मौजूद थीं।

चातुर्मास में श्रीराम कथा

बीकानेर. समस्त मोहल्लेवासियों एवं श्रद्धालुओं द्वारा स्थानीय मुरलीधर व्यास कॉलोनी में राधे गोविंद मंदिर, सेक्टर सी के पार्क में चातुर्मास के पावन अवसर पर संगीतमय श्रीराम कथा का सामूहिक आयोजन किया जाएगा। कथा आयोजन से जुड़े गणेश बोहरा ने बताया कि कथा का वाचन पं. भाईश्री द्वारा किया जाएगा। 3 से 11 अगस्त तक दोपहर 2.15 बजे से शाम 5.15 तक कथा होगी। कथा के बैनर का विमोचन किया गया। इसमें पवन राठी, हरिमोनह पुरोहित, पं. दीपक ओझा, सत्यनारायण व्यास, पार्षद नरेश जोशी आदि मोहल्लेवासी मौजूद थे।

जावंधिया परिवार, ठैनी (बनखेड़ी)

नर्मदा शुगर प्रा.लि.

राजेश जावंधिया
मो. 094259-13000

साळी चौका

विनीत जावंधिया
मो. 094259-12000

रामदेव शुगर प्रा.लि.

अशोक जावंधिया
मो. 094259-23000

बनखेड़ी

किशोर जावंधिया
मो. 094259-16000

शक्ति शुगर प्रा.लि.

विवेक जावंधिया
मो. 094250-41414

गाडरवारा

गगन जावंधिया
मो. 094071-23000

श्रीजी शुगर एंड पावर प्रा.लि.

बैतूल

विवेक जावंधिया
मो. 094250-41414

Manufacturers of : High Quality White Crystal Sugar, Co-Generation of Electricity

E-mail : ramdevsugar@yahoo.com

वैभव जावंधिया
मो. 094071-13000

श्रीनाथ ट्रेडर्स

अनिल जावंधिया

अनाज एवं तिलहन व्यवसायी

बनखेड़ी (म.प्र.)

फोन : 07576-228730 (दु.)
मो. : 094250-40817

मो. : 094259-14000
094250-40817
फोन : निवास
228018, 228445
228528, 228330

जहाँ विश्वास ही परम्परा है

श्रीजी ट्रेडर्स

पिपरिया

E-mail shrinathtraders@sify.com

जय गिरराज राईस एंड एग्रो मिल्स प्रा.लि.

खापरखेड़ा

उदित जावंधिया
मो. 081207-14000

उमंग जावंधिया
मो. 076938-14000

हिमालय बिल्डर्स

वेदांश जावंधिया
मो. 086025-11000

भोपाल

अंतिम व्यक्ति का उत्थान लक्ष्य

इंदौर। महेश नवमी की पूर्व संध्या पर 20 जून 2018 को इंदौर के संयोगितागंज में आयोजित कार्यक्रम में संबोधित करते हुए अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के संगठन मंत्री अजय काबरा ने कहा कि समाज के अंतिम व्यक्ति के उत्थान के लिए अभा माहेश्वरी महासभा कृत संकल्पित है। महासभा द्वारा सर्वे करवाकर पूरे देश में जरूरतमंद परिवारों को चिह्नित किए जाने का काम पूरा कर लिया है। हम उन परिवारों तक पहुंचने का कार्य शुरू कर चुके हैं। शिक्षा तथा स्वास्थ्य सुविधाओं से कोई परिवार वंचित न रहे-यही महासभा का उद्देश्य है। इस अवसर पर गुजरात प्रदेश सभा अध्यक्ष त्रिभुवनदास काबरा ने भी संबोधित किया। समारोह में बुजुर्गों को भी सम्मानित किया गया। समारोह में मुकेश असावा ने स्वागत भाषण दिया। केदार हेड़ा ने समारोह का संचालन किया।

बंधन ग्रुप बना सहयोग का पर्याय

होशंगाबाद. वर्तमान में वाट्सअप पर बना 'बंधन ग्रुप' सहयोग का पर्याय बन गया है। इसकी शुरुआत मनोरमा जी व प्रतिभा जी ने की। प्रतिभाजी को प्रदेश संयोजक बनाया। बस कारवां बनाता चला गया। देखते ही देखते 3000लोग जुड़ चुके हैं। टेलीग्राम पर भी 1300 लोग जुड़ चुके हैं। ग्रुप मात्र 15 महीने में 225 संबंध तय करवा चुका है। रेखा लड्ढा शिवपुरी सहित ग्रुप के सभी एडमिन पूर्ण सक्रियता एवं समर्पित भाव से ग्रुप को संचालित कर रहे हैं। उक्त जानकारी बालकिशन टावरी अध्यक्ष होशंगाबाद-हरदा जिला माहेश्वरी सभा ने दी।

> मंजिल मिले ना मिले
> ये तो मुकदर की बात है!
> हम कोशिश भी ना करे
> ये तो गलत बात है...
> जिन्दगी जख्मो से भरी है,
> वक्त को मरहम बनाना सीख लो,
> हारना तो है एक दिन मौत से,
> फिलहाल
> जिन्दगी जीना सीख लो..!!

राजकुमार काल्या

राष्ट्रीय अध्यक्ष

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी युवा संगठन

Realistic

Life Time Satisfaction

Realistic Projects Pvt. Limited

Realistic Natural Resources Pvt. Limited

• Explosives • Real Estate • Mining • Finance • Agro Farming Media

BASANTI LAL KALYA | RAJKUMAR KALYA | SUMIT KALYA

Station Road, Gulbpura - 311021, Distt. Bhilwara (Raj.) Ph. No. 224203/04, Fax No. 224605 rajkumarkalya@yahoo.com
Bhilwara office : 3, Heera-Panna Market, Pur Road, Bhilwara 311001 (Raj.) Ph. No. 246004

दोहरा मापदंड अपना रही महासभा?

माहेश्वरी मंडल (दिल्ली) ने संस्था के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाने वालों को पद देने पर जताई आपत्ति

दिल्ली. अभा माहेश्वरी महासभा ने संगठन के खिलाफ मुकदमे दायर करने वालों को संगठन से बहिष्कृत करने का नियम बनाया है। इसके पीछे संस्था की छवि व उसका श्रम एवं समय बचाना है। माहेश्वरी मंडल (दिल्ली) ने महासभा के इसी निर्णय पर यह आरोप लगाकर प्रश्नचिह्न लगा दिया है कि महासभा इसमें दोहरे मानदंड अपना रही है। जिन लोगों ने माहेश्वरी मंडल (दिल्ली) के खिलाफ केस दायर किए हैं, उन्हें ही महासभा ने शीर्ष पदों पर बैठा दिया है।

एक स्वतंत्र संस्था के रूप में माहेश्वरी मंडल (दिल्ली) पिछले 32 वर्षों से समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर 1350 सदस्यों के साथ काम कर रही है। संस्था अशोक विहार भवन में स्कूल का संचालन करती है। कल्याण विहार में सामुदायिक भवन का संचालन किया जाता है, जिसमें दिल्ली जैसे शहर में न्यूनतम व्यय में विवाह एवं मांगलिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा सकता है। मंडल द्वारा महासभा की फ्लैगशिप योजना श्री कृष्णदास जाजू ट्रस्ट में लगातार पिछले 4 वर्षों में लगभग 40 लाख रुपए का सहयोग दिया गया है। महासभा की अन्य योजना श्री जयचंदलाल करवा छात्रावास समाज के लिए आईएएस/आईपीएस शीर्ष पदों के लिए तैयारी करवाने के लिए प्रयत्नशील है। इसमें भी अधिक ट्रस्टी व मुख्य ट्रस्टी मंडल के सक्रिय कार्यकर्ता हैं। नेपाल भूकंप में गांव बसाना, गोशाला के लिए प्रतिवर्ष 10-15 लाख रुपए खर्च करने का प्रावधान व अपनी सांस्कृतिक धरोहर को बचाने के लिए संस्था कार्य कर रही है। जनहित में रक्तदान शिविर, नेत्र जांच व ऑपरेशन शिविर, कैंसर जागरूकता शिविर आदि का आयोजन निरंतर होता रहा है।

क्या है मामला

माहेश्वरी मंडल (दिल्ली) के पदाधिकारियों ने बताया कि मंडल द्वारा तीन सदस्यों सुशील तापड़िया, ओमप्रकाश तापिड़या तथा आनंद बियानी को अनुशासहीनता के आरोप में संगठन से बहिष्कृत किया था। इन सदस्यों ने संस्था के विरुद्ध विभिन्न न्यायालयों व विभागों में मुकदमे दर्ज करवाए थे। वैसे इन सभी मामलों में मंडल दोषी भी सिद्ध नहीं हुआ, लेकिन इनमें मंडल को 30-35 लाख रुपए की आर्थिक हानि अवश्य उठानी पड़ी। इन लोगों ने संस्था की छवि को खराब करने का कार्य किया।

प्रदेश व महासभा में दिए शीर्ष पद

पदाधिकारियों ने बताया कि महासभा के वर्तमान विधान के अनुसार यदि कोई समाज संगठन के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाता है, तो उसे संगठन से बहिष्कृत कर दिया जाता है, लेकिन इस मामले में उलटा ही निर्णय हुआ। इन्हें बहिष्कृत करना तो दूर महासभा ने इन्हें शीर्ष पदों पर ही बैठा दिया। वर्तमान में सुशील तापड़िया दिल्ली प्रदेश माहेश्वरी संगठन अध्यक्ष, ओमप्रकाश तापड़िया प्रदेश कोषाध्यक्ष तथा आनंद बियानी अभा माहेश्वरी महासभा के कार्यकारी मंडल सदस्य हैं। यह निर्णय वास्तव में एक ऐसी सामाजिक संस्था का अपमान है, जो स्वतंत्र संस्था होने पर भी हर कदम पर महासभा के साथ समाज हित के लिए खड़ी हुई है। संस्था प्रतिनिधि के रूप में मंडल के 4 सदस्य महासभा के कार्यकारी मंडल में भी शामिल हैं।

उचित कार्यवाही की उठाई मांग

इस मामले में माहेश्वरी मंडल (दिल्ली) ने महासभा सभापति को पत्र प्रेषित कर वैधानिक कार्यवाही की मांग की है। यह मांग करने वालों में मंडल के अध्यक्ष सोहनलाल कासट, मंत्री विक्रम लखोटिया, कोषाध्यक्ष ओमप्रकाश करनानी, उपाध्यक्ष अनंत लोया, उपाध्यक्ष नंदकिशोर करवा, उपाध्यक्ष कैलाशचंद मालानी, उपमंत्री राजेंद्र काबरा, उपाध्यक्ष रामचंद्र राठी, उपमंत्री अरुण सारडा, उपमंत्री अनिल मंत्री, उपकोषाध्यक्ष ब्रजमोहन राठी, पूर्व अध्यक्ष मुरली मनोहर करवा, प्रदीप करनानी सहित समस्त पदाधिकारी व सदस्य शामिल हैं।

मानसिक विकलांगों की सेवा

रायपुर. माहेश्वरी युवा मंडल व महिला समिति द्वारा महेश नवमी के उपलक्ष्य में घरौंदा (मानसिक विकलांग बच्चों की संस्था) में सेवाकार्य के अंतर्गत, वस्त्र वितरण व स्वल्पाहार का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संस्था की 22 छात्राओं के बीच कुर्ती व अंतरवस्त्र का वितरण किया गया। कोपालवाणी संस्था के 21 बच्चों को टीशर्ट व बनियान प्रदान किया गया। पर्यावरण की सुरक्षा व स्वावलंबन हेतु पेपर बैग बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। महिला समिति अध्यक्ष नीलिमा लड्डा, सचिव नीना राठी, ज्योति राठी, सरला चांडक, कंचन होलानी, अर्चना राठी, रेखा हुरकट, नीता बजाज, शीतल डागा, सविता केला, सुमन माहेश्वरी, प्रीति राठी, पूजा बल्दुआ, संगीता राठी, रमा बागड़ी, प्राची मोहता, शीतल मूंधड़ा, निधि सारडा, श्वेता तापड़िया सहित युवा मंडल पदाधिकारियों का सहयोग रहा।

डॉ. सिकची बने रोटरी अध्यक्ष

अमरावती. ख्यात सामाजिक संस्था रोटरी क्लब ऑफ अमरावती मिडटाउन की 2018-19 की कार्यकारिणी घोषित की गई। इसमें अध्यक्ष के तौर पर सर्वसम्मति से शहर के ख्यात रेडियोलॉजिस्ट डॉ. सुशील सिकची का चयन किया गया। सचिव पद पर प्रसाद मोरे व गोपाल झंवर का चयन किया गया।

> 'आज से बेहतर कुछ नहीं
> क्योंकि
> कल कभी आता नहीं और
> आज कभी जाता नहीं।

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

सुरक्षित मातृत्व स्वस्थ मध्यप्रदेश

शिवराज सिंह चौहान, मुख्यमंत्री

साल दर साल बेहतर हुआ हाल

मातृ मृत्यु दर 221 प्रति लाख जीवित जन्म से **घटकर 173 हुई**

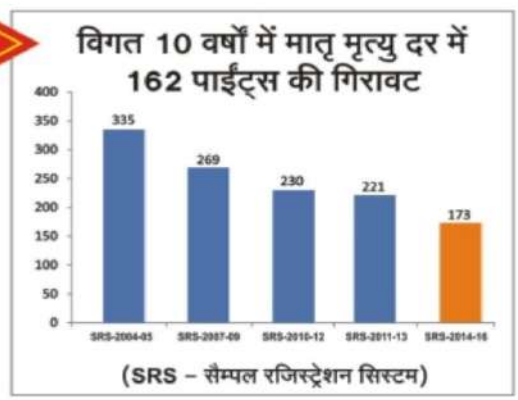

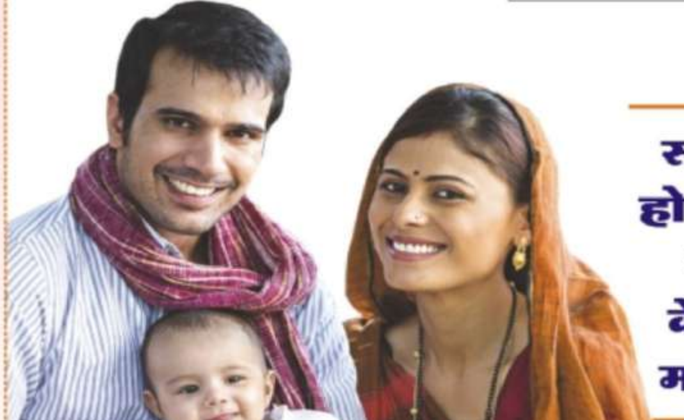

स्वास्थ्य सेवाओं में हो रहा निरंतर सुधार सुरक्षित मातृत्व के लिए संकल्पित मध्यप्रदेश सरकार

D17004

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग मध्यप्रदेश शासन द्वारा जनहित में जारी

पश्चिमी उप्र महिला संगठन की सेवा यात्रा

मेरठ. गत माह में पश्चिमी उप्र महिला संगठन की समिति सुश्रिता मेरठ मंडल द्वारा फ्री कम्प्यूटर क्लास, डिजिटल शिक्षा व प्रोग्रामिंग, फ्री मॉकटेल क्लास, नारी सुरक्षा पर वाद-विवाद प्रतियोगिता, नजीबाबाद में बच्चों का मोबाइल के प्रति बढ़ता आकर्षण पर वाद-विवाद प्रतियोगिता आदि का आयोजन किया गया। सुगंधा मोदीनगर व मीरापुर महिला संगठनों द्वारा गोद लिए गांव में प्याऊ लगवाए गए व गायों के लिए चारे की व्यवस्था की गई। सुकीर्ति द्वारा प्रदेश के 14 शहरों में विभिन्न खेल आदि प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। सुलेखा द्वारा कामकाजी महिलाओं की दोहरी भूमिका नामक राष्ट्रीय प्रतियोगिता में प्रदेश के सहारनपुर की खुशबू माहेश्वरी को राष्ट्रीय स्तर का तृतीय पुरस्कार प्राप्त हुआ। चलो स्कूल अभियान के तहत हाथरस मंडल द्वारा स्टेशनरी सामान का वितरण किया गया। संचारिका द्वारा अखिल भारतीय एवं प्रादेशिक सूचनाओं को संचार माध्यम से सदस्याओं तक पहुंचाया गया। सौष्ठा द्वारा कासगंज में रक्तचाप, ईसीजी आदि की जांच के लिए निःशुल्क शिविर व हाथरस में निर्धन महिलाओं के स्वास्थ्य की जांच, आगरा में हड्डियों की जांच व प्रदेश के 14 शहरों में योग व एक्यूप्रेशर शिविर आयोजित किए गए। सुरभि द्वारा पुरुषोत्तम मास के उपलक्ष्य में विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। सुरम्या मेरठ मंडल की सदस्याओं द्वारा मां गंगा की पूजा अर्चना की गई। संवरना समिति के कार्य को गति देने के उद्देश्य से संयोजिका द्वारा प्रदेश में एक वाट्सएप ग्रुप बनाया गया, जिससे कि त्वरित रूप से बायोडाटा का आदान-प्रदान हो सके। सुषमा समिति द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस पर पौधारोपण कर पर्यावरण दिवस मनाया गया। शुचिता समिति मुजफ्फरनगर मंडल द्वारा एक निर्धन परिवार को राशन व एक निर्धन परिवार को कूलर प्रदान किया गया।

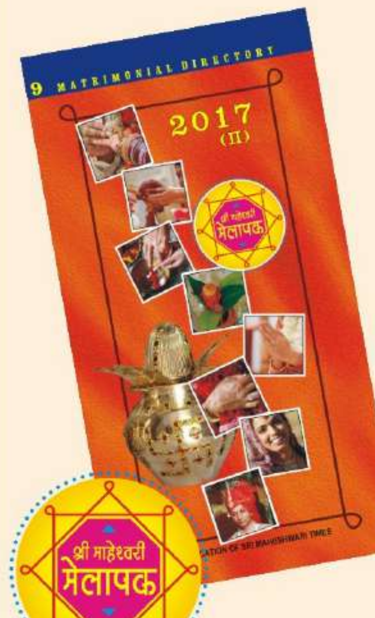

फिर लिखेगी सफलता का नया इतिहास
3000 से अधिक रिश्ते जोड़ने के पश्चात अब

श्री माहेश्वरी मेलापक

(माहेश्वरी समाज की विश्व स्तरीय डायरेक्ट्री)

विवाह योग्य युवक-युवतियों की
विश्वस्तरीय डायरेक्ट्री 2018
प्रकाशन की ओर
जिसमें आपको मिलेंगे आपके अनुरूप रिश्ते
प्रोफेशनल व हाइटेक युवक-युवतियों की
पहली पसन्द

90, विद्या नगर (टेड़ी खजूर दरगाह के पीछे), साँवेर रोड, उज्जैन (म.प्र.)
दूरभाष : 0734-2526561, 2526761, मोबाइल : 094250-91161
E-mail : srimaheshwarimelapak@gmail.com

जय महेश - संस्कृति के साथ

हम सब साथ-साथ-सभी स्वजातीय जनों को

समाज के उत्पत्ति पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं

माहेश्वरी समाज मनासा, जिला - नीमच

महेशजी झंवर	गोपालजी लढ़ा (इलेक्ट्रिक)	संजयजी समदानी	राजेशजी सोडानी
अध्यक्ष	उपाध्यक्ष	सचिव	सहसचिव

मदनलालजी झंवर, प्रहलादजी लोगड़, सुरेशजी लाठी, रमेशजी मूंदड़ा (वकील सा.), हरगोविंदजी बसेर (आला), प्रकाशजी बाहेती, कैलाशजी आगार, गोपाल लढ़ा (होटल), जगदीशजी तोषनीवाल (भोजनालय), रमेशजी मुंगड़, श्यामजी समदानी (वकील सा.), रामपालजी मन्त्री, माधवजी मारु, आशीषजी पलोड़, नारायणजी चिचानी, गोपालजी सारड़ा, रामकुंवरजी दरक

शुभकामनाओं के साथ - राजकुमार मुछाल, अध्यक्ष नीमच जिला माहेश्वरी सभा

जल देवता

वेद-पुराण-कुरान-बायबिल सहित सभी धर्मग्रन्थों ने भी कहा है- 'जल है तो कल है'। इन्हीं सन्दर्भों से सन्दर्भित **डॉ. विवेक चौरसिया** के जल पर केन्द्रित लेखों का संग्रह 'जल देवता'.

जिनमें आप पायेंगे न सिर्फ भारतीय संस्कृति बल्कि सम्पूर्ण विश्व ने स्वीकारी है जल की महत्ता.

Rs. 150/-
डाक खर्च सहित

खूबसूरती से जीएँ 55 के बाद

55 के बाद की जिन्दगी सपनों का अन्त नहीं बल्कि उन्हें साकार करने का स्वर्णिम समय है. बस इसके लिए जरूरी है खूबसूरती से जीना कैसे जीएँ... इसी के सूत्र बताती है

डॉ. एच.एल. माहेश्वरी की पुस्तक ''खूबसूरती से जीएँ 55 के बाद''.

Rs. 120/-
डाक खर्च सहित

ऋषिमुनि प्रकाशन

आपसे कहा जाता है -

- संकट निवारण हेतु पानी में नारियल बहा दें।
- सांप दिखे तो काम टालें।
- नल को पानी टपकता न छोड़ें।

... और भी बहुत कुछ **तो फिर...**

ऐसा क्यों?
a i s a k y o n

जिसमें छुपा है आपके हर क्यों का जवाब

प्रश्न उठना स्वाभाविक है - **''ऐसा क्यों?''** लेकिन इसका उत्तर देगा कौन? **इसका उत्तर देगी गहन अध्ययन से संजोई पुस्तक**

Rs. 100/-
डाक खर्च सहित

90, विद्यानगर, साँवेर रोड, उज्जैन (म.प्र.) फोन - 0734-2526561, 2526761, मो. 094250-91161

माहेश्वरी गौरव पुरस्कार 2018 से प्रतिभाएं सम्मानित

संगमनेर. नगर के युवा महेश तथा माहेश्वरी पंच ट्रस्ट की ओर से माहेश्वरी गौरव पुरस्कार 2018 के वितरण समारोह का आयोजन हुआ। प्रमुख अतिथि आईएएस संतोष अजमेरा उपस्थित थे। समारोह की अध्यक्षता समाज जिलाध्यक्ष विट्ठलदास आसावा ने की। दीपक मणियार व श्रीकांत गग्गड प्रमुख अतिथि थे। इस अवसर पर 15 हजार 700 फीट ट्रेकिंग करने वाली शरयु, हिमालया में जाकर ट्रेकिंग कोर्स करने वाली जाह्नवी, 5 स्वर्ण पदक पाने वाले आरव, कराते में नाम कमाने वाले सिद्धेश, नेशनल स्तर पर रोपस्किपिंग में यश प्राप्त करने वाली खुशी, एक साथ 24 घंटे मलखंभ करने वाले लक्ष, मुंबई विवि टॉप करने वाले शुभम, 2 लाख 80 हजार छात्रों में उत्तीर्ण मैरिट में शामिल साक्षी व नेहा आदि प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। कथा कथनकार रेखा मूंदडा, कचरा निर्मूलन के विशेष कार्य हेतु मंजू नावंदर, किरण झंवर, केमिकल निर्यातक कृष्णा बूब, दीपाली चांडक, ग्राफिक डिजायनर सूरज व रचनात्मक कार्य हेतु शकुंतला सारडा को विशेष पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

माहेश्वरी विद्या प्रचारक मंडल

MVPM CAREER ACCELERATOR
Spaces Networking Mentoring

MVPM Baner Hostel

For Maheshwari, Rajasthani & Jain Boys

ADMISSION OPEN FOR
Graduate / PG / Working Bachelor's / Coaching Class Students for 2018 - 2019
www.mvpm.org

- Management as per Lahoti Hostel.
- Accommodation for 172 Boys
- Location- Near Balewadi High Street Happening & Peaceful area
- Internet Access
- Indoor Games
- In-house Mess
- AC Reading Room

Manish Kasat 94220 15212
Amol Karwa 98608 08888
Amit Rathi 98813 74095
K C Chandak 91582 11122
Dilip Malpani (Rector) 98810 60565

Fees
Rs. 91,500 (10 months Incl Food) For Student
Rs. 10,000 (Per Month Incl Food) For Working Bachelor

OUR OTHER HOSTELS IN PUNE
• RBHR Rathi Hostel - Narayan Peth • HR Rathi Hostel - Model Colony • Laxmi Hostel - Swargate
• VN Lahoti Hostel - Model Colony • MVPM Nirantar Girls Hostel - Kothrud

MVPM Baner Boys Hostel
G S Saikar Path, Lane adjacent to MyWorld,
Balewadi High Street, Baner, Pune, Maharashtra 411045

Head Office: Maheshwari Vidya Pracharak Mandal
1099/A, Model Colony, Pune - 411 016
Contact: (020) 25671090 / 91

भदादा अध्यक्ष, सोमानी कोषाध्यक्ष

उदयपुर. लायंस क्लब नीलांजना के गत दिनों सम्पन्न हुए चुनाव में पूनम भदादा अध्यक्ष एवं राजश्री सोमानी कोषाध्यक्ष चुनी गईं। नवीन कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह गत 3 जुलाई को संपन्न हुआ। उक्त जानकारी मुरलीधर गट्टानी ने दी।

धुप्पड़ अध्यक्ष बाहेती सचिव

उदयपुर. माहेश्वरी पंचायत सेवा समिति धानमंडी के निर्विरोध चुनाव संपन्न हुए। इसमें अर्जुनलाल घुप्पड़ अध्यक्ष, राधेश्याम तोषनीवाल उपाध्यक्ष एवं बीएल बाहेती सचिव चुने गए। उक्त जानकारी मुरलीधर गट्टानी ने दी।

"मंजिलें आसान हो जाती है
जब कोई 'अपना'
अपनेपन से कहता है,
तू चिंता मत कर
सब ठीक हो जाएगा।"

माहेश्वरी वूलेन्स

कारपेट वूलने यार्न व्यवसायी
365-36 रिंग मार्केट, प्रथम तल, रजपुरा,
भदोही – 221401 उ.प्र.

गलीचा हाउस प्रा.लि.

कार्पेट मैन्युफैक्चरर्स एण्ड कार्पेट इम्पोर्टर
खरा नं. 426, प्रथम तल
पिल नं. 133-134, घटोरनी, एम.जी.रोड, नईदिल्ली – 110030

अखिल काबरा

91-7376467309
Web : www.victoriacarpet.in
Email : info@victoriacarpet.in

अजय काबरा

संगठन मंत्री
अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा
09839049109
Email : ajaykabrabhadohi@gmail.com

पौधारोपण कर निकाली साइकिल रैली

संगरिया. माहेश्वरी सभा व युवा संगठन के तत्वावधान में पर्यावरण दिवस पर कैनाल कॉलोनी स्थित अभिनव पार्क में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सभाध्यक्ष सीताराम सोमानी, सचिव लखन करवा, युवा संगठन के अध्यक्ष महेश लखोटिया, उत्तर राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी युवा संगठन के प्रवक्ता कपिल करवा, विजय राठी, विनय पेड़ीवाल, संजय सोमानी, प्रदीप सोमानी, कुणाल लखोटिया, संदेश करवा, रोबिन राठी, आदित्य करवा आदि उपस्थित थे। पौधारोपण कार्यक्रम से पूर्व समाजबंधुओं ने अभिनव संगरिया द्वारा आयोजित साइकिल रैली में भाग लेकर पर्यावरण रक्षा का संदेश दिया।

सम्भव कार्य करने के लिये ताकत चाहिए,
किन्तु
असम्भव कार्य करने के लिए विश्वास चाहिए,

रजत महोत्सव का हुआ आयोजन

बैंगलोर. धार्मिक, मनोरंजक, सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ माहेश्वरी महिला मंडल ने रजत महोत्सव मनाया। संचारिका समिति ने 25वीं वर्षगांठ के अवसर पर रजत महोत्सव का चार दिवसीय आयोजन किया था। अधिक मास के महीने में 'नानीबाई को मायरो' बाल व्यास राधा स्वरूपा जया किशोरी के मुखारविंद से राजस्थानी भाषा में आयोजित हुआ। युवा संघ अध्यक्ष रविकांत राठी, माहेशवरी को-ऑपरेटिव सौद्धय बैंक अध्यक्ष सुरेश लाखोटिया, माहेश्वरी फाउंडेशन के चेयरमैन गौरीशंकर सारडा, माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट अध्यक्ष बद्रीनारयण भंडारी, माहेशवरी महिला मंडल अध्यक्ष सुशीला बागड़ी व माहेश्वरी सभा अध्यक्ष बसंत सारडा ने शुभारंभ किया। चौथे दिन महिला मंडल ने रजत महोत्सव का आयोजन किया। प्रातः 7 बजे लाफ्टर योगा का आयोजन किया गया। इसके साथ और भी कई मनोरंजक कार्यक्रम आयोजित हुए।

With Best Compliments From

Rahul Somany
9849048000

Dharmendra Kalantri
9441330440

Somany Sanitation

Authorised Dealers for
» Somany Aquaware » Somany Sanitaryware » Somany C.P. Fittings
» Somany Vitrified & Ceramic Wall & Floor Tiles
Digital Tiles, Complete Bathroom Fittings & Accessories
» Jaquar CP Fitting & All Product of
Bathroom & Kitchen Accessories

PROUD BNI MEMBER

Sec-Bad Address -
5-4-78/1, Opp. Tvs Sundaram Motors,
M.G. Road, Ranigunj, Sec-Bad -500003
Ph. : 040-27545455, 66383940

Banjara Hills Add :
8-2-684/3/16
"Disha Banjara" Banjara Green Colony,
Road No. 12, Banjara Hills, Hyderabad

Best wishes from :

K. G. BAHETI & FAMILY

K. K. BAHETI & ASSOCIATES
CHARTERED ACCOUNTANTS

Chennai | Mumbai | Pondy | Delhi | Bangalore | Karur

swasan group

SHRI SWASAN CHEMICALS P LTD.
SHUBH SWASAN (INDIA) P LTD.
ROCKFORT & POLYMED P LTD.
ECO-LE-TECH (INDIA) P LTD.
PACKWELL INDIA

www.shubhswasan.com

एलेन के 72 हजार छात्र, शिक्षक व अभिभावकों ने दिया योगोत्सव में योगदान

कोटा. चतुर्थ अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर कोचिंग सिटी कोटा में अद्वितीय, अद्भुत और अविस्मरणीय सामूहिक योगाभ्यास का कार्यक्रम आयोजित हुआ। यहां करीब दो लाख लोगो ने एक साथ एक मुद्रा में योग किया। आरएसी मैदान पर हुए इस सामूहिक योग को गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में शामिल किया गया। योग के इस विश्वस्तरीय विशालतम आयोजन में एलन कॅरियर इंस्टिट्यूट की महत्वपूर्ण भूमिका रही। समारोह में एलन कॅरियर इंस्टिट्यूट के 72 हजार विद्यार्थियों, शिक्षकों व अभिभावकों ने सपरिवार भाग लिया। इस अवसर पर माहेश्वरी समाज ने भी सहयोग किया, समाज द्वारा दो लाख छाछ के पाउच वितरित किए गए। कार्यक्रम में एलन के विद्यार्थी पूरे कोटा शहर के 16 कैंपस से बस, वैन के जरिए व पैदल पहुंचे। इसके लिए दो सौ से अधिक बसों व छोटे वाहनों की व्यवस्था की गई। एलन कॅरियर इंस्टिट्यूट के निदेशक गोविंद माहेश्वरी, राजेश माहेश्वरी, नवीन माहेश्वरी व बृजेश माहेश्वरी की अगुवाई में ये विद्यार्थी अनुशासन से पहुंचे और योग किया। समारोह में मुख्य अतिथि पंतजलि योग संस्थान के संस्थापक स्वामी रामदेव व राजस्थान की मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे रहीं। मंच पर पतंजलि योगपीठ के आचार्य बालकृष्ण भी मौजूद रहे। समारोह में मुख्य आयोजक पतंजलि योग संस्थान व राज्य सरकार की तरफ से एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट को सम्मानित किया गया। विद्यार्थियों के अनुशासन व सर्वाधिक उपस्थिति को स्वामी रामदेव व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने सराहा।

एलन के अनुशासन की सराहना

समारोह में योग की समाप्ति के बाद अचानक धूप निकली तो स्वामी रामदेव बोले अब धूप हो गई है। इस पर एलन स्टूडेंट्स ने छांव के लिए छाते खोले। एक साथ जब 50 हजार से अधिक छाते खुले तो पूरे योग स्थल पर हरियाली सी छा गई। नजारा इतना देखने लायक हो गया कि मंच पर मौजूद स्वामी रामदेव ने छातों से हुई हरियाली को सराहा। मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने एलन स्टूडेंट्स के अनुशासन की तारीफ की।

छात्रावास में प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण

दिल्ली. भारतीय प्रशासनिक सेवाओं में माहेश्वरी समाज की भागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य के प्रथम चरण में अभा माहेश्वरी एजुकेशनल ट्रस्ट (श्री जयचंद लाल करवा माहेश्वरी होस्टल) द्वारा शुरू की गई दूसरी (करोलबाग) छात्रावास इकाई में प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण हो गई है। सभी 28 सीट पर देश के कोने-कोने से (राजस्थान, महाराष्ट्र, गुजरात, मप्र, छग, असम व तमिलनाडु) छात्रों ने प्रवेश लिया है। उक्त जानकारी देते हुए राजेंद्र काबरा ने माहेश्वरी प्रशासनिक बंधुजनों से निवेदन किया है कि आपकी नजर में यदि कोई माहेश्वरी प्रशासनिक बंधुजन हों तो आप विवरण सहित (नाम, टेलीफोन नंबर) जानकारी देने की कृपा करें ताकि हम उनसे संपर्क कर समाज की इस महत्वाकांक्षी योजना में उनका भी सहयोग ले सकें।

मोह-मोह के धागे का आयोजन

हैदराबाद. माहेश्वरी महिला समिति हैदराबाद द्वारा अधिकमास के अवसर पर बहन-बेटियों के लिए विशेष कार्यक्रम मोह-मोह के धागे का आयोजन किया गया। इसमें विभाग की सभी बहन-बेटियों का स्वागत कर सभी को चांदी के सिक्के भेंट किए गए। उनके लिए मनोरंजक गेम्स भी आयोजित किए गए। अध्यक्ष मंजू सारडा व मंत्री रीना लोया ने प्रबंधन में साथ दिया। कार्यक्रम की संयोजिका दीपिका लोया, श्रुति भक्कड़, जया लाहोटी, श्वेता दरक ने अच्छी प्रस्तुति दी।

बुलडाणा अर्बन
को-ऑप. क्रेडिट सोसायटी लि., बुलडाणा
मल्टिस्टेट रजि.नं. २६७
www.buldanaurban.in
भारतातील पहिली ISO-9001 : 2000
व SA 8000-2002 मानांकित
:(07262) 242705, 243705
संस्थेचे कार्यक्षेत्र महाराष्ट्र राजस्थान मध्यप्रदेश छत्तीसगढ गुजरात अंदमान-निकोबार
संस्थेची आर्थिक स्थिती
एकूण ठेवी ५८०० कोटी
एकूण कर्ज ४५०० कोटी
एकूण गोदाम ३२५
एकूण शाखा ४२६
सोने तारण कर्ज वाटप १२२५ कोटी
एकूण सदस्य ७५००००
मुख्य कार्यालय सहकार सेतु, हुतात्मा गोरे पथ, बुलडाणा - ४४३ ००१ (म.रा.)
संस्थेची प्रकल्प
पुणे येथे सभासदांच्या पाल्यांसाठी वस्तीगृह
उच्च शिक्षण घेऊ इच्छिणा-या विद्यार्थ्यासाठी विशेष कर्ज योजना
तिरुपती (आंध्रप्रदेश), माहुर (जि.नांदेड) व शिर्डी येथे भक्तनिवास
बुलडाणा येथे १२५ मुलींकरीता छात्रानिकेतन सुविधा
३२५ वेअर हाऊस (ग्रेन बँक)
बुलडाणा व मोर्शी येथे गोरक्षणधाम
बुलडाणा येथे वेदविद्यालय व जिवनसंध्या स्वर्गाश्रम
बुलडाणा अर्बन चॅरिटेबल द्वारा संचालित
सहकार विद्या मंदिर व कनिष्ठ विज्ञान, वाणिज्य महाविद्यालय
AQSR
मुख्य कार्यालय :- विद्यानगरी, चिखली रोड, बुलडाणा - ४४३ ००१
ISO 9001-2000 Registered
(07262) 244707, 245705
www.sahakarvidyamandir.in
वर्ग १ ली ते १२ (विज्ञान शाखा)
वैशिष्टे
बुलडाणा शहरापासुन ५ कि.मी. अंतरावर प्रदुषण विरहीत वातावरणात ३० एकराच्या विशालकाय परिसरामधील अनोखी शाळा.
अत्याधुनिक उपकरणांनी सुसज्ज विशाल पुस्तकाल, पाठशाळा, विशाल भोजन कक्ष, इंडोअर व आऊटडोअर स्टेडीयम व सुविधायुक्त सहकार विद्या मंदिर.
पौष्टीक भोजन तथा स्वास्थ रक्षा
शैक्षणिक भ्रमण, आश्वारोहण, गिर्यारोहण, नेमबाजी, स्विमींग, स्केटींग, कराटे, संगीत, तलवार बाजी आणि खुप काही.
भारतीय संस्कृतीवर आधारीत परिपूर्ण शिक्षण, ज्याच्यामुळे आपला पाल्य शिक्षण व नैतिक मुल्यांनी आपल्या सर्वांगिण विकासामुळे एक आदर्श नागरीक बनु शकेल.
विद्यार्थी निवास :- विद्यार्थी व विद्यार्थीनींसाठी स्वतंत्र व्यवस्था.
बुलडाणा जिल्ह्यात २० इंग्रजी मिडीयम शाळा ज्यात २५००० विद्यार्थी शिक्षण घेतात.
मोशन क्लासेस कोटा (राजस्थान) चे NEET / AIIMS / JEE / MHTCET / KVPY व Board Exam ची शाखा बुलडाणा मध्ये सुरु आहे.
• विनित •
सौ. कोमल झंवर
अध्यक्षा, बुलडाणा अर्बन
राधेश्याम चांडक
संस्थापक अध्यक्ष, बुलडाणा अर्बन
डॉ. सुकेश झंवर
चिफ मॅनेजिंग डायरेक्टर, बुलडाणा अर्बन
सहकाराची समृध्द परंपरा...... बुलडाणा अर्बन....!
सहकाराची समृध्द परंपरा...... बुलडाणा अर्बन....!

राजस्थान बुक ऑफ रिकॉर्ड्र्स ने मनाया प्रथम वार्षिकोत्सव

जोधपुर. राजस्थान बुक ऑफ रिकॉर्ड संस्था का प्रथम वार्षिकोत्सव माहेश्वरी भवन, कमला नेहरू नगर में संपन्न हुआ। इसमें साहित्य, संगीत एवं कला क्षेत्र की विशिष्ट प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। इसमें एक दिव्यांग हरिमोहन जांगीड की बोतल में कला को देखकर लोग दांतों तले अंगुली दबाने में मजबूर हो गए। महिला सशक्तीकरण के क्षेत्र में सरिता राठौड़ (बॉम्बे), संतोष मूंदड़ा (सूरत), पूनम खंगारोत (जयपुर), डॉक्टर कुसुमलता भंडारी, कला क्षेत्र में चंद्रप्रकाश गुप्ता (जयपुर), हरिमोहन जांगीड़ (जयपुर), सारंगी वादक दिलशाद खान, साहित्य क्षेत्र में हबीब कैफी, सांस्कृतिक कला क्षेत्र में छनवरलाल गहलोत, पर्यावरण क्षेत्र में सुभाष गहलोत तथा मेलावास गांव को आदर्श गांव के रूप में सम्मानित किया गया। धर्मेंद्र कुमार (बाडमेर) को विश्व का सबसे छोटा कोट बनाने पर सम्मानित किया गया। अर्जुन सेन को विश्व का सबसे तेज बाल काटने का रिकॉर्ड बनाने पर सम्मानित किया। सभी सम्मानित प्रतिभागियों को मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि द्वारा मेडल एवं प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि महापौर घनश्याम ओझा व सांसद रामनारायण डूडी थे। विशिष्ट अतिथि भाजपा प्रदेश ग्रंथालय निर्माण प्रकल्प प्रमुख राजेंद्र बोराणा, भारत सेवा संस्थान के प्रभारी नरपतसिंग कछवाह, भाजपा के पूर्व महामंत्री जगतनारायण जोशी थे। कार्यक्रम अध्यक्ष विकास चांडक ने कहा कि इस संस्था के माध्यम से हम हर वर्ग, जाति-समाज की छिपी कई प्रतिभा को मंच देना चाहते हैं। कार्यक्रम का उद्बोधन संस्था की उपाध्यक्ष डॉक्टर नीलम मूंदड़ा ने दिया। संस्था के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए मंच संचालन संस्था के संरक्षक घेवरचंद सारस्वत ने किया। जनफाउंडेशन अध्यक्ष कमलकिशोर चांडक, हरिप्रकाश राठी, राम अकेला, जितेंद्र कुमार, प्रमोद शर्मा, कमल किशोर चांडक, प्रहलाद बजाज, विष्णु सरगरा, गर्वित श्रीवास्तव सहित संस्था पदाधिकारी एवं कई गणमान्य मौजद थे। आभार स्वाति 'सरु' जैसलमेरिया ने व्यक्त किया।

पर्यावरण दिवस पर पौधारोपण

बूंदी. जिला माहेश्वरी युवा संगठन की ओर से जैतसागर रोड स्थित माहेश्वरी भवन में विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर सघन पौधारोपण कार्यक्रम हुआ। मुख्य अतिथि जिला कलेक्टर महेशचंद्र शर्मा थे। अध्यक्षता उपवन संरक्षक कविता सिंह ने की। विशिष्ट अतिथि जिला माहेश्वरी सभा के जिलाध्यक्ष घनश्याम नकलक, पंचायत अध्यक्ष जगदीश जैथलिया, सचिव विजेंद्र माहेश्वरी व पूर्व राष्ट्रीय कार्यकारी मंडल सदस्य संजय लाठी थे। कार्यक्रम का संचालन युवा संगठन के पूर्व अध्यक्ष मनीष मंत्री ने किया।

श्रीमद् भागवत ज्ञानयज्ञ का आयोजन

दिल्ली. गत 26 मई से 20 जून तक माहेश्वरी मंडल (दिल्ली) ने माहेश्वरी सेवा सदन, कल्याण विहार में श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान सत्र का आयोजन किया। व्यासपीठ से विश्वनाथ कश्यप (रज्जू भैया) उज्जैन ने अपनी ओजस्वी वाणी में अमृतमय कथा का रसपान कराया। इस कथा के सफल आयोजन में सोहनलाल कासट, महावीरप्रसाद मंत्री, श्यामसुंदर बिहानी, ओमप्रकाश करनानी, मुरलीमनोहर करवा, विक्रम लखोटिया सहित सभी सदस्यों ने सहयोग दिया। महिला समिति की कौशल्या काबरा, किरण लखोटिया, सोनिया करनानी, जमुना सोमानी, कमला कासट, सीता सारडा आदि ने कलशयात्रा का आयोजन किया। प्रसाद वितरण व भोजन व्यवस्था में विक्रम लखोटिया, रामचंद्र राठी, पुरुषोत्तम पेड़ीवाल, अनिल मंत्री, रतन लखोटिया एवं अन्य सहयोगी सदस्यों का विशेष सहयोग रहा।

"'मौन'
क्रोध की सर्वोत्तम चिकित्सा है
अपने खिलाफ बाते खामोशी से सुन लो
यकीन मानो वक्त,
बेहतरीन जवाब देगा"

With Best Compliments from:

ECOVIS

RKCA ADVISORS LIMITED

(An Affiliation with ECOVIS International having Offices in 60 Countries)

Service Offerings

- Audit, Tax & Advisory
- Accounting & Legal Service
- Risk & Financial Consulting
- Management & Marketing Systems (ISO Certification)

BM Trada RKCA Certifications Pvt. Ltd.
(A Joint Venture with UK)

Gold Berries Consulting Pvt. Ltd.
(A management consulting vertical)

RKCA-XAT Advisors Pvt. Ltd.
(A Joint Venture with Japan)

Fuller-RKCA (Middle East) FZC
(A Joint Venture with Middle East)

515, TULSIANI CHAMBERS
NARIMAN POINT, MUMBAI – 400 021(India).
TEL: +91-22-22044737
E-mail: - enquiry@rkabra.net

विकास परिषद ने मनाया स्थापना दिवस

नागपुर. भारत विकास परिषद (प. बंगाल, सिक्किम व अंडमान निकोबार) द्वारा अपना स्थापना दिवस गत 14 जुलाई को सभी शाखाओं के साथ मिलकर मनाया गया। इसमें प्रथम बार युवा माहेश्वरी युवा शाखा की स्थापना की गई। इसमें 90 प्रतिशत से अधिक अंक अर्जित करने वाले सदस्यों के पुत्रों को सम्मानित भी किया गया।

रिश्तों में वैसा ही संबंध होना चाहिए जैसे हाथ और आँख का होता है। हाथ पर चोट लगती है, तो आँखों से आँसू निकलते हैं और आँसू आने पर हाथ ही उनको साफ करता है!!

वरिष्ठों का किया सम्मान

इंदौर. समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचकर उनकी समस्याओं का निदान करना और जरूरतों की पूर्ति का प्रयास करना ही सही मायनों में उपयोगी समाजसेवा है। उपरोक्त विचार श्री दक्षिण क्षेत्र माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट द्वारा महेश नवमी के अवसर पर आयोजित सर्वधर्म वृद्धजन सेवा सम्मान के अवसर पर अतिथि के रूप में कल्याणमल मंत्री (अध्यक्ष श्री मा.म. इंदौर) ने व्यक्त किए। अतिथि के रूप में उपस्थित बसंत खटोड़े व बसंत भट्टर ने भी अपने विचार व्यक्त किए। अमर सेवा वृद्धाश्रम में निराश्रित 54 वृद्धजनों को बैडशीट एवं आवश्यक सामग्री भेंट कर श्री गोविंददास साबू की स्मृति में सम्मानित किया गया। ट्रस्ट अध्यक्ष कमलकुमार बाहेती ने आगंतुकों का सम्मान करते हुए सेवा गतिविधियों की जानकारी दी। अतिथि स्वागत सुरेश राठी, रामस्वरूप मंत्री, जगदीश जाखेटिया, शैलेष बियानी, नितिन मंडोवरा व गोपालकृष्ण मानधन्या द्वारा किया गया। युवा संगठन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भरत तोतला, प्रदेशाध्यक्ष राहुल मानधन्या, प्रदेश सभा संगठन मंत्री अनिल मंत्री, महासभा के अशोक ईनानी, महेश तोतला, बंशीलाल भूतड़ा, रामस्वरूप धूत, ईश्वर बाहेती आदि कई गणमान्यजन मौजूद थे।

निःशुल्क चिकित्सा शिविर का किया आयोजन

सोडाला (जयपुर). क्षेत्रीय माहेश्वरी सभा सोडाला एवं क्षेत्रीय महिला संगठन जोन-3 के संयुक्त तत्वावधान में निःशुल्क चिकित्सा जांच एवं परामर्श शिविर जीवन रेखा सुपर स्पेशलिटी हास्पिटल जगतपुरा (जयपुर) में आयोजित किया गया। शिविर में विभिन्न जांच भी निःशुल्क की गई। इस शिविर में करीब 150 लोगों ने भाग लिया। लोगों को लाने के लिए निःशुल्क बसों की व्यवस्था की गई। शिविर के समापन पर दुर्गा मूंदड़ा एवं हुक्मीचंद मूंदड़ा द्वारा सभी चिकित्सकों एवं सहयोगियों का स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मान किया गया। पूर्वोत्तर राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष कैलाशचंद्र सोनी, जिला अध्यक्ष रामअवतार आगीवाल, पूर्वोत्तर राजस्थान प्रदेश महिला अध्यक्ष सविता पटवारी, जिला महिला अध्यक्ष उमा परवाल सहित समस्त पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं का सहयोग प्राप्त हुआ।

प्रदेश टॉपर मिनल का सम्मान

अमरावती. विदर्भ प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा मिनल शंकरलाल लाहोटी का 12वीं कॉमर्स की परीक्षा में पूरे महाराष्ट्र की टॉपर होने पर सम्मान किया गया। इस अवसर पर विदर्भ प्रदेशाध्यक्ष उषा करवा ने पिता शंकरलाल एवं माता अर्चना लाहोटी का शॉल श्रीफल एवं मिनल का स्मृति चिह्न भेंटकर सत्कार किया। जिलाध्यक्ष मालती सिकची, सचिव रेणु केला, प्रदेश प्रचार मंत्री शशि मूंदड़ा, शशि मोहता आदि इस अवसर पर विशेष रूप से मौजूद थीं।

समाज के चुनाव संपन्न

हैदराबाद. माहेश्वरी समाज दिलखुशनगर के द्विवार्षिक चुनाव कोत्तापेट स्थित होटल श्री चंदना में चुनाव अधिकारी रामनिवास सोनी एवं पूरणमल बियाणी द्वारा संपन्न करवाए गए। इसमें अध्यक्ष लक्ष्मीकांत चांडक, उपाध्यक्ष जगदीश राठी व महेश सारडा, मंत्री श्यामसुंदर राठी, सहमंत्री सुरेंद्र लड्ढा, कोषाध्यक्ष दिनेश जाजू, प्रचार मंत्री रामकुमार भंसारी निर्विरोध चुने गए।

वरिष्ठ सीए का किया सम्मान

हैदराबाद. देश में जीएसटी लागू होने के बाद आर्थिक सुधार की प्रक्रिया में तेजी आई है। उपरोक्त उद्‌गार कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हैदराबाद स्थित केंद्र सरकार के प्रिंसिपल कमिश्नर जीएसटी अनिलकुमार जैन (आईआरएस) ने राजस्थानी स्नातक भवन, आबिड्स रोड पर आंध्र प्रादेशिक माहेश्वरी सभा द्वारा चार्टर्ड अकाउंटेंट्स दिवस पर आयोजित चार्टर्ड अकाउंटेंट्स के अभिनंदन समारोह में व्यक्त किए। आंध्र प्रादेशिक माहेश्वरी सभा द्वारा 25 वर्षों से अधिक समय से जुड़े माहेश्वरी चार्टर्ड अकाउंटेंट्स का इस अवसर पर सम्मान किया गया। अतिथियों का स्वागत अध्यक्ष रामपाल अट्टल ने किया। अभिनंदन समिति के चेयरमैन रमेशकुमार बंग, मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित इंडियन ऑडिट एवं अकाउंट सर्विसेस के डायरेक्टर जनरल अजेबसिंह, आयकर विभाग के ज्वाइंट कमिनश्रर एम. नवीन आदि ने भी संबोधित किया।

हजार काम कर दो किसी के.
किसी को मालूम नही चलेगा.
पर एक बार मना कर के देख लो.
पूरी दुनिया को पता चल जाएगा!!

राठी समाजसेवा के लिए पुरस्कृत

अमरावती. स्थानीय माहेश्वरी आधार समिति व श्री बुलिदान राठी मूक-बधिर विद्यालय के सचिव एवं अमरावती जिला माहेश्वरी संगठन के उपाध्यक्ष बंकटलाल राठी को समाजसेवा के लिए पुरस्कृत किया गया। इसमें उन्हें विगत 30 वर्षों से अविरत रूप से समाजसेवा तथा 15 वर्षों से दिव्यांग, अंध-मूक-बधिरों की सेवा, अध्ययन, अध्यापन, पुनर्वसन कार्य एवं अपंग-अंधजनों के सामूहिक विवाह आयोजन में सक्रिय योगदान हेतु खासदार एवं पुलिस आयुक्त दत्तात्रय मंडलीक के हाथों स्मृति चिह्न एवं सम्मान पत्र भेंटकर पुरस्कृत किया गया। उल्लेखनीय है कि श्री राठी को इसके पूर्व भी विदर्भ रत्न, आंबेडकर सेवा गौरव, शिक्षा भारती, राष्ट्रीय प्रबोधन, समाज गौरव, वरिष्ठ गौरव, गाडगे बाबा सेवाश्री, मातोश्री सावित्रीबाई, कर्मयोगी गाडगे बाबा आदि कई पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है।

वरुण यज्ञ का हुआ आयोजन

रायपुर. श्री सुरेश्वर महादेव पीठ मंदिर मे प्रदेश की खुशहाली एवं इंद्रदेव को प्रसन्न करने हेतु वरुण यज्ञ का आयोजन हुआ। इसमें सीएसआईडीसी अध्यक्ष छगनलाल मूंदड़ा सम्मिलित हुए। इस अवसर पर मंदिर प्रमुख स्वामी राजेश्वरानंदजी, शंकर नगर पार्षद मनोज प्रजापति सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद थे।

अच्छे के साथ अच्छे बनें,
पर बुरे के साथ बुरे नहीं।
क्योंकि -
हीरे से हीरा तो तराशा जा
सकता है लेकिन कीचड़ से कीचड़
साफ नहीं किया जा सकता।

योग दिवस पर करवाया योगा

मालेगांव. महिला मंडल द्वारा विश्व योगा दिवस किड्सजी स्कूल में नन्हे बच्चों के साथ मनाया गया। शिक्षकों ने बच्चों से भुजंगासन, चक्रासन, धनुरासन, शीर्षासन करवाए। योग वेदांत समिति के ठाकरे सर ने योगा से स्वास्थ्य में आने वाले सुधार तथा जीवन में योगा के महत्व की जानकारी दी। मंडल अध्यक्ष सरिता बाहेती ने सभी बच्चों का अभिनंदन किया तथा शारदा लाहोटी ने सभी का आभार माना। बीना भडांरी, शमा जाजू, किरण जाजू, विजु कलंत्री, सरला प्रेमा सारडा, जयश्री जाजू, प्रेमा जाजू, साधना मंत्री, कल्पना जाजू आदि मौजूद थे।

पुरुषोत्तम मास में धर्मसेवा

दांडेली. पुरुषोत्तम मास के अंतर्गत सभी राजस्थानी महिलाओं द्वारा नव पारायण अखंड रामायण तथा तुलसी व कुमकुम अर्चना की गई। इसमें माहेश्वरी महिला संगठन सहित राजस्थानी समाज की महिलाओं ने भी सहयोग प्रदान किया।

प्रदेशाध्यक्ष का भ्रमण

जोधपुर. पश्चिमी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा अध्यक्ष जेएम बूब एवं जोधपुर जिला सभा अध्यक्ष रतनलाल डागा तथा उनके सहयोगियों द्वारा 10 जून को पीपाड़ का भ्रमण किया गया। 12 जून को शेरगढ़ तहसील के जैठनिया गांव में तहसील स्तरीय माहेश्वरी समाज की बैठक रखी गई। इसमें कार्यकारी सदस्य सत्यनारायण भट्टड़ एवं बलदेव राठी भी मौजूद थे। 16 जून को बाड़मेर जिले में माहेश्वरी पंचायत पुनर्निर्माण के लिए भूमिपूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में श्री बूब तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में मदनलाल चांडक (नेता प्रतिपक्ष नगर परिषद बाड़मेर) उपस्थित थे। अध्यक्षता संतोष काबरा (आयकर अधिकारी बाड़मेर) द्वारा की गई।

पौधारोपण के साथ युवा संगोष्ठी

बूंदी. जिला माहेश्वरी युवा संगठन के तत्वावधान में जैतसागर रोड स्थित माहेश्वरी भवन में एक दिवसीय 'युवा संगोष्ठी व पौधारोपण' कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिला महामंत्री निशांत नुवाल ने बताया कि इसमें वन एवं पर्यावरण की महत्ता व संरक्षित करने को लेकर भवन परिसर में अलग-अलग किस्म के 21 पौधे रोपकर पोषित करने की सामूहिक शपथ ली गई। इस दौरान जिला माहेश्वरी सभाध्यक्ष घनश्याम नकलक, जिला मंत्री चंद्रभानु लाठी, पंचायत अध्यक्ष जगदीश जैथलिया, सचिव विजेंद्र माहेश्वरी, पूर्व राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य संजय लाठी, पूर्व जिलाध्यक्ष रेवतीरमन बिरला, आढ़तिया संघ अध्यक्ष मधुसूदन काबरा, मनोज मंडोवरा, भगवान बिरला, विनोद मंत्री, शिव तोतला, दिनेश लखोटिया, युवा संगठन के राष्ट्रीय कार्यकारी मंडल सदस्य परेश मूंदड़ा, प्रदेश उपाध्यक्ष अमित बिरला, जिला उपाध्यक्ष प्रेम नुवाल, गर्वित समदानी, अंशुल दाखेड़ा आदि उपस्थित थे।

पश्चिमी राजस्थान प्रादेशिक सभा की बैठक संपन्न

जोधपुर. पश्चिमी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के तृतीय कार्यकारी मंडल की बैठक गत 8 जुलाई को होटल चंद्रा इम्पीरियल में आयोजित की गई। बैठक में जोधपुर जिला सभा, बाडमेर जिला सभा, जैसलमेर जिला सभा तथा जालोर सभा के पदाधिकारियों एवं कार्यकारी मंडल सदस्यों ने भाग लिया। सभी जिला सभाओं ने अपना प्रतिवेदन प्रस्तुत किया तथा आर्थिक सर्वेक्षण की कार्यप्रगति प्रस्तुत की। बैठक में मॉडल विधान हेतु कमेटी का गठन किया गया, जो अगली कार्यकारी मंडल बैठक में अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी। महामंत्री संदीप काबरा ने अंतरराष्ट्रीय अधिवेशन की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। बैठक का समापन प्रदेश मंत्री भगवानदास राठी के आभार प्रदर्शन से हुआ।

समर क्लासेस का हुआ आयोजन

बाड़मेर. जिला माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा 1 से 15 जून तक समर क्लासेस का आयोजन किया गया। इसमें ब्यूटी पार्लर, डांस, आर्ट एंड क्रॉफ्ट, एंकरिंग, हेयर आर्ट, ड्राइंग आदि की क्लासेस का आयोजन किया गया। बाड़मेर जिला माहेश्वरी महिला मंडल की अध्यक्ष वीणा पनपालिया ने प्रशिक्षुओं का उत्साहवर्धन किया।

बडी अजीब सी मुलाकात होती थी हमारी.
वो मतलब से मिलते थे हमें मिलने से मतलब था.

शपथ ग्रहण में शामिल हुए मूंदड़ा

रायपुर. प्रेस क्लब के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित हुआ। इसमें सीएसआईडीसी अध्यक्ष छगनलाल मूंदड़ा अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि छग विधानसभा अध्यक्ष गौरीशंकर अग्रवाल थे। अध्यक्षता कैबिनेट मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने की। विशेष अतिथि जिले के महापौर प्रमोद दुबे, आरडीए अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव, हरिभूमि संपादक हिमांशु द्विवेदी, प्रेस क्लब के पूर्व अध्यक्ष केके शर्मा आदि थे।

युवाओं को करवाया शैक्षणिक भ्रमण

गुलबर्गा. माहेश्वरी युवा मंच की ओर से शिक्षित युवाओं के समूह को कंपनियों का शैक्षणिक प्रवास कराया गया। इसमें वासवदत्ता सीमेंट और जकोटिया पोलीफाइबर कंपनियों के भ्रमण से बहुत सीखने को मिला, जो उनके जीवन में मील का पत्थर साबित होगा।

पालक नीति पर व्याख्यान आयोजित

संगमनेर. युवा महेश, सीनिअर व जूनियर महिला मंडल की ओर से नेहा लद्दड़, पुणे का इक्कीसवी सदी की पालक नीति पर व्याख्यान आयोजित किया गया। मंच पर युवा महेश के आशीष जाजू, विक्रम पडतानी, आनंद मणियार, राजेश लाहोटी, सीनियर महिला मंडल की शैला भंडारी, संगीता राठी, जूनियर महिला मंडल की वंदना भंडारी, माधुरी मणियार आदि मौजूद थीं। स्वागत भाषण अध्यक्ष आशीष जाजू ने दिया। अतिथियों का परिचय आनंद मणियार ने करवाया। आभार राजेश लाहोटी ने माना।

कांता गगरानी का सम्मान

बरेली. सुदर्शन ब्रज मंडल यात्रा में प्रत्यक्ष अथवा परोक्ष रूप से सहयोग देने वाली सदस्याओं एवं पूर्व में आयोजित सभी प्रतियोगिताओं के विजेताओं व प्रतिभागियों को प्रदेश द्वारा उपहार देकर सम्मानित किया गया। इसी के अंतर्गत सुदर्शन ब्रज मंडल यात्रा आयोजित करने के लिए प्रदेश द्वारा कांता गगरानी को भी सम्मानित किया गया। कासगंज की प्रतिभा रेंदर को अभा माहेश्वरी महिला ट्रस्ट की ट्रस्टी बनने पर सम्मानित किया गया। सचिव मंजू हरकुट ने बताया कि उत्तरांचल उपाध्यक्ष कांता गगरानी, अध्यक्ष विनीता राठी, कोषाध्यक्ष मंजू चांडक, बरेली संरक्षिका सुशीला साबू एवं कुमकुम काबरा आदि उपस्थित थे।

प्रतिभावान विद्यार्थियों का सम्मान

कोलकाता. पश्चिम बंगाल प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन व ताजा टीवी ने साथ मिलकर 540 विद्यार्थियों जिनके अंक 98 प्रतिशत से अधिक थे, उन्हें 1 जुलाई को प्रमाण-पत्र, स्मृति चिह्न व गिफ्ट वाउचर देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ कैबिनेट मंत्री साधन पांडेय व सम्मानीय अतिथि हरिमोहन बांगड़ मैनेजिंग डायरेक्टर श्री सीमेंट लिमिटेड थे। कार्यक्रम का संचालन विशंबर नेवर ताजा टीवी ने किया। अध्यक्षता प. बंगाल प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष जगदीशचंद्र एन. मूंदड़ा ने की। इसी प्रकार मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा गत 2 जुलाई को आयोजित ज्ञान मंच में रवींद्रनाथ ठाकुर टैगोर की कविताओं की ठेठ मारवाड़ी में प्रस्तुति भी दी गई।

'खुशी' थोड़े समय के लिए सब्र देती है,
लेकिन
'सब्र' हमेशा के लिए खुशी देता है !!

महेश सेवा संघ की नवीन कार्यकारिणी गठित

पुणे. महेश सेवा संघ की आमसभा एवं नूतन कार्यकारिणी की सभा गत दिनों हुई। इसमें सर्वसम्मति से हरिकिशन मूंदड़ा व्यवस्थापकीय विश्वस्त चुने गए। कार्यकारिणी में अध्यक्ष श्यामसुंदर कन्हैयालाल मूंदड़ा, सचिव ओमप्रकाश बालकिशन गट्टाणी, उपाध्यक्ष सचिन अशोक नावंदर व श्यामलाल लक्ष्मीनारायण बूब, कोषाध्यक्ष रामगोपाल पांडुरंग चांडक तथा सहसचिव राजेंद्र बंकटलाल राठी चुने गए।

माहेश्वरी वंशोत्पत्ति का मंचन

अहमदाबाद. माहेश्वरी सखी संगठन द्वारा गत 24 जून को 'सुचिता समिति' के अंतर्गत 'माहेश्वरी वंशोत्पत्ति' नृत्य नाटिका का मंचन किया गया। इसमें माहेश्वरी प्रगति मंडल एवं माहेश्वरी युवा संगठन का सहयोग रहा। इसमें 60 युवा, सखियों एवं बच्चों ने भाग लिया। गुजरात प्रांतीय माहेश्वरी महिला संगठन की अध्यक्षा उमा जाजू, सचिव उमा काबरा एवं सभी पदाधिकारी उपस्थित थे। आभार अध्यक्ष मीना मूंदड़ा व सचिव अनुराधा अजमेरा ने माना।

मूंदड़ा को राष्ट्र निर्माता सेवा सम्मान

नागपुर. भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के शताब्दी यात्रा उत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत राष्ट्र निर्माता सेवा सम्मान समारोह का आयोजन महाजाति सदन प्रेक्षागृह में किया गया। इस कार्यक्रम में सेवा के प्रति समर्पित चार विशिष्टजनों को राष्ट्र निर्माता सेवा सम्मान से सम्मानित किया गया। इनमें ख्यात समाजसेवी जगदीशचंद एन. मूंदड़ा, केंद्रीय जल संसाधन व संसदीय मंत्री अर्जुनलाल मोहनलाल के हाथों इस सम्मान से सम्मानित हुए। इस अवसर पर कई गणमान्यजन मौजूद थे।

उप्र महिला संगठन की बैठक संपन्न

बरेली. पश्चिमी उत्तरप्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन की द्वितीय कार्यसमिति की बैठक बरेली में आयोजित हुई, जिसमें 14 शहरों ने भाग लिया। सभी पदाधिकारी ने मार्गदर्शन दिया। सर्वप्रथम सचिव मंजू हरकुट द्वारा मीरापुर में आयोजित बैठक आकर्ष की रिपोर्ट पढ़कर सुनाई गई। उत्तरांचल उपाध्यक्ष कांता गगरानी द्वारा आगामी खेल उत्सव उर्जिता के विषय में पूछे गए सभी प्रश्नों का उत्तर दिया गया। अध्यक्ष विनीता राठी द्वारा ब्रज सुदर्शन यात्रा में सहयोग देने वाली सभी सदस्याओं को धन्यवाद दिया गया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण था। सभी प्रादेशिक समिति सहसंयोजिकाओं द्वारा स्वयं अपनी समिति में होने वाले व हो चुके कार्यों का विवरण देना। जिलाध्यक्ष मंजू बियानी अध्यक्ष प्रभा मूना, नगर सचिव शशि साबू, ललिता प्रवाल, रत्ना अंजलि, संगीताजी आदि के प्रयास से बैठक का सफल आयोजन हुआ।

डॉ. चांडक को चिकित्सा सम्मान

नागपुर. प्रतिवर्ष सेवाभावी महिला चिकित्सक को प्रदान किए जाने वाला ब्र. माता स्वामी रेवानंद गिरी चिकित्सा सम्मान नगर की प्रसिद्ध होम्योपैथी चिकित्सक डॉ. कविता चांडक को समारोहपूर्वक प्रदान किया गया। डॉ. चांडक के सत्कार से पूर्व उनके पिता नंदलाल राठी को राष्ट्र को होनहार बेटी देने पर स्वामी श्री निर्मलानंदजी महाराज के हाथों सम्मानित किया गया। इसके अंतर्गत उन्हें शॉल-श्रीफल, प्रतीक चिह्न, पगड़ी व नकद 31 हजार रुपए प्रदान किए गए। उन्होंने संपूर्ण राशि स्वामी निर्मलानंद जी को भेंट कर दी। कार्यक्रम का संचालन उमाशंकर अग्रवाल ने किया। आभार प्रदर्शन समाजसेवी अनिता सोनी ने किया। अतिथि सत्कार ऋषभ चांडक ने किया।

चलकर देखा है अक्सर,
मैंने अपनी चाल से तेज.!!
पर वक्त और तकदीर से आगे,
कभी निकल न सका....

महिला प्रशिक्षण शिविर संपन्न

जयपुर. क्षेत्रीय माहेश्वरी महिला संगठन, झोटवाड़ा द्वारा सात दिवसीय महिला प्रशिक्षण शिविर 14 से 20 जून तक आयोजित किया गया। क्षेत्रीय संगठन मंत्री मीना बिन्नानी ने बताया कि शिविर में प्रो. अंकिता न्याती ने व्यक्तित्व विकास, प्रियंका यादव ने सौंदर्य प्रसाधन व चंदा सेठी एवं रजनीश सेठी ने कुकिंग एवं प्रिजर्वेशन विषयों पर प्रशिक्षण दिया। कार्यक्रम संयोजक राजोल तापड़िया ने बताया कि शिविर में 70 माहेश्वरी महिलाओं ने भाग लिया। अध्यक्ष उमा परवाल ने बताया कि सभी प्रशिक्षणार्थियों को समापन के दिन प्रमाण-पत्र वितरित किए गए।

वृक्ष संवर्धन कार्यक्रम संपन्न

मालेगांव. बीते गर्मी के दिनों में हुई बारिश की फुहार चलो हम चलें वृक्ष संर्वधन की ओर करें धरती हरी भरी, जो छांव दे हर घड़ी' प्रकल्प आयोजित किया गया। इस संकल्प को साकार करने के लिए सिड बॉल्स बनाकर खेतों में डाला गया। सीड बाल्स बनाने के इस कार्य में मंडल अध्यक्ष सरिता बाहेती, शमा जाजू, वंदना जाजू, शारदा लाहोटी, किरण बडाले, सोनल काला, किरण जाजू, विजया कलंत्री आदि सदस्याओं का सहयोग रहा।

पर्वतारोही कुमुद का किया सम्मान

अमरावती. विदर्भ प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन अमरावती की ओर से 50 वर्षीय पर्वतारोही कुमुद महेंद्र का शॉल श्रीफल देकर विदर्भ अध्यक्ष उषा करवा द्वारा विशेष सत्कार किया गया। श्रीमती कुमुद ने जबर्दस्त जोश एवं उत्साह का प्रदर्शन करते हुए एवरेस्ट बेस कैंप 5343 मीटर ऊंचाई तक ट्रेकिंग कर समस्त माहेश्वरी महिलाओं को गौरवान्वित किया है। वे पिछले 10 सालों से ट्रैकिंग कर रही हैं और अभी तक करीब 7 नेशनल ट्रैक किए हैं। विदर्भ प्रदेश की संध्या बेला, शशि मूंदड़ा, शशि मोहता एवं अमरावती जिला संगठन से अध्यक्ष मालती सिकची, सचिव रेणु केला आदि विशेष रूप से उपस्थित थीं।

मधुर को 93 प्रतिशत अंक

अकोला. समाज के वरिष्ठ सदस्य हनुमानदास सारडा के पौत्र और प्रकाश सारडा के सुपुत्र मधुर सारडा ने महाराष्ट्र राज्य बोर्ड की एसएससी परीक्षा 93.80 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। इसमें उन्होंने सर्वाधिक 96 अंक संस्कृत में प्राप्त किए।

चिराग का जेईई एडवांस में चयन

मांडल. नगर निवासी चिराग माहेश्वरी का जेईई एडवांस में चयन हुआ। उन्होंने 177 अंक प्राप्त किए हैं और उनकी ऑल इंडिया रैंक 3035 रही। उनकी इस सफलता पर परिजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

संकेत को 94 प्रतिशत अंक

जलगांव. समाज सदस्य जयंतीलाल झंवर के सुपौत्र व गणेश-कीर्ति झंवर के सुपुत्र संकेत ने महाराष्ट्र बोर्ड की दसवीं कक्षा की परीक्षा 94.8 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण की। इसमें उन्होंने गणित में शत-प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं।

ईशा बाहेती बनीं सीए

कोटा. समाज प्रतिभा ईशा बाहेती ने सी.ए. की परीक्षा (मई 2018) प्रथम प्रयास में ही उत्तीर्ण कर ली। ईशा व्यवसायी और समाजसेवी ललित बाहेती तथा माता मधु ललित बाहेती (राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य-अभा माहेश्वरी महिला संगठन व अध्यक्ष-इनरव्हील क्लब कोटा नार्थ) की सुपुत्री हैं।

विचारों को पढ़कर बदलाव नही आता है, विचारों पर चलकर ही बदलाव आता है..

डॉ. वत्सल को एमडी उपाधि

उज्जैन. वरिष्ठ समाजसेवी एवं शुजालपुर / शाजापुर के वरिष्ठ अभिभाषक स्व. श्री शांतिलाल कयाल माहेश्वरी के सुपौत्र, डॉ. प्रदीप कयाल (सर्जन) अशोकनगर गुना के भतीजे एवं अरुण कुमार कयाल के सुपुत्र डॉ. वत्सल कयाल (माहेश्वरी) ने डॉक्टर ऑफ मेडिसन (एमडी) की उपाधि गत जून माह में एमजीएम मेडिकल कॉलेज इंदौर से प्रथम रैंक के साथ प्राप्त की। इसमें उन्होंने पूरे मप्र के सभी मेडिकल कॉलेजों में द्वितीय रैंक प्राप्त की। समस्त स्नेहीजनों ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया।

सचिन बने सीए

रतलाम. समाज सदस्य नरेंद्र व दुर्गा गिलड़ा के सुपुत्र सचिन ने सीए फाइनल की परीक्षा रतलाम केंद्र से 428 अंक प्राप्त कर उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया है।

मुकुल भूतड़ा का हुआ सम्मान

इंदौर. समाज के युवा मुकुल भूतड़ा को इंटर्नशिप पूर्ण करने पर दिल्ली में सम्मानित किया गया। युवाओं में भारतीय राजनीति व सरकारी नीतियों के प्रति सकारात्मक सोच के साथ सार्वजनिक क्षेत्रों व राजनीति में आगे बढ़ने के उद्देश्य से भारतीय जनता युवा मोर्चा ने स्टडी सर्किल के माध्यम से राष्ट्रीय स्तर पर पहली बार 1 मई से 20 जुलाई तक दो महीने की समर इंटर्नशिप आयोजित की गई। प्रथम चरण में देशभर से चयनित 150 मेधावी युवाओं को सफलतापूर्वक इंटर्नशिप पूर्ण करने पर दिल्ली के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया में समापन समारोह आयोजित हुआ। आमंत्रित अतिथियों व विशेष रूप से भारतीय जनता युवा मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं सांसद पूनम महाजन ने मुकुल भूतड़ा की कार्यशैली व प्रतिभा एवं लगन की विशेष रूप से सराहना की तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

प्रांजल को 94 प्रतिशत

धामणगांव रेलवे (अमरावती). वरिष्ठ समाजसेवी प्रेमचंद मूंदड़ा तथा पुष्पा ताई मूंदड़ा की पौत्री व किराना व्यापारी दिलीप मूंदड़ा और भावना मूंदड़ा की सुपुत्री प्रांजल ने कक्षा 10वीं की परीक्षा 94 अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया।

सोनिका को 89% अंक

राजोद. प्रतिभावान छात्रा सोनिका पिता मनीष बाहेती ने सीबीएसई गणित संकाय की कक्षा 12वीं की परीक्षा 89 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। इस उपलब्धि पर समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

प्रतीक को सीए में 46वीं रैंक

भीलवाड़ा. समाज सदस्य रामचंद्र मूंदड़ा के बेटे प्रतीक मूंदड़ा ने सीए फाइनल में ऑल इंडिया में 46वीं रैंक प्राप्त की है। वे अभी मुंबई से आर्टिकलशिप कर रहे हैं। प्रतीक की पूर्व में सीपीटी में दसवीं तथा आईपीसी में 30वीं रैंक थी। प्रतीक 12वीं में स्कूल टॉपर थे। उन्होंने दसवीं में 10 सीजीपीए प्राप्त किए थे।

सीए में वैष्णवी को छठवीं रैंक

अमरावती. हाल में ही घोषित सीए फाइनल में वैष्णवी दिनेश हरकुट ने मात्र 21 वर्ष की उम्र में ऑल इंडिया मेरिट लिस्ट में छठवां स्थान प्राप्त किया। वैष्णवी हरकुट को पहले ही प्रयास में एसएफएम-94 अंक मिले हैं।

माहेश्वरी सेवा भावना से सराबोर हुआ पूरा देश

माहेश्वरी समाज के उत्पत्ति पर्व पर समाज के विभिन्न संगठनों ने भव्य शोभायात्रा निकालकर समाज की एकता को तो प्रदर्शित किया ही, इस अवसर पर आयोजित रक्तदान आदि प्रकल्पों द्वारा पूरा देश माहेश्वरी सेवा भावना का गवाह बना। अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन ने तो पूरे देश में गुलाब का शरबत पिलाकर सेवा का विश्व रिकार्ड ही बना डाला।

■ **कोलकाता.** ट्रांसगोमती माहेश्वरी समाज द्वारा महेश नवमी पर्व माहेश्वरी सत्संग भवन में मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रभातकुमार राठी, हरिकृष्ण राठी, परमानंद माहेश्वरी, गिरधारीलाल सोमानी, अजय माहेश्वरी आदि ने किया। वयोवृद्ध सम्मान सरला राठी एवं ओमप्रकाश लखोटिया को प्रदान किया गया। मेधावी विद्यार्थियों तथा विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

■ **संगरिया.** माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा माहेश्वरी समाज के उत्पत्ति दिवस महेश नवमी पर राठी चौक पर ढाई हजार गिलास शरबत वितरण किया गया। इस अवसर पर महिला मंडल उपाध्यक्ष विमला पेड़ीवाल, सचिव बिंदु सोमानी, सहसचिव डिंपल गट्टानी, सांस्कृति मंत्री नीरू सोमानी, पार्षद अनिता करवा, राजकुमारी करवा, कांता लखोटिया, सरोज सोमानी, शारदा पेड़ीवाल, किरण सोमानी आदि उपस्थित थीं। माहेश्वरी सभा की ओर से कृष्णभगवान बिहाणी, प्रदीप सोमानी, युवा संगठन के कोषाध्यक्ष नवीन पेड़ीवाल, उत्तर राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी युवा संगठन के प्रवक्ता कपिल करवा, जिला प्रतिनिधि गौरव सोमानी, रोहित लखोटिया आदि ने सहयोग किया।

■ **संगरिया.** माहेश्वरी सभा, युवा संगठन व महिला मंडल द्वारा माहेश्वरी समाज के उत्पत्ति दिवस महेश नवमी पर गोपाल सेवा सदन में रुद्राभिषेक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित महिला मंडल सदस्यों ने शिव चालीसा पाठ किया। माहेश्वरी सभा के कृष्ण भगवान बिहाणी, ओमप्रकाश करवा, प्रदीप सोमानी, युवा संगठन के अध्यक्ष महेश लखोटिया व सचिव अनिल गट्टानी ने पूजन में भाग लिया। कार्यक्रम को उत्तर राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी युवा संगठन के प्रवक्ता कपिल करवा ने संबोधित किया। इस अवसर पर डॉ. जयंत माहेश्वरी, नवनीत पेड़ीवाल, सुनील लखोटिया, गौरव सोमानी, दीपक पेड़ीवाल, रोहित लखोटिया, सुमित गट्टानी सहित महिला मंडल व युवा संगठन के सदस्य मौजूद थे।

■ **पूर्वोत्तर.** महेश नवमी के पावन पर्व पर सभी शाखाओं द्वारा सुबह प्रभातफेरी निकाली गई। इसमें समाज के सभी लोगों ने भाग लिया। सभी शाखाओं द्वारा भगवान महेश का पूजन व अभिषेक किया गया। लगभग एक-दो शाखाओं को छोड़कर सभी ने सांस्कृतिक व क्रीड़ा प्रतियोगिता का आयोजन किया। इसमें समाज के सभी बच्चों ने भाग लिया। 12 में से 5 शाखाओं ने रक्तदान किया। सभी शाखाओं ने बड़ी संख्या में पौधारोपण किया व सांस्कृतिक कार्यक्रम में विशिष्टजनों का सम्मान किया। सभी शाखाओं ने मेधावियों का सम्मान किया तथा रोगियों के बीच फल, राशन व कंबल वितरण कुछ शाखाओं द्वारा किया गया। 2 शाखा द्वारा बच्चों के बीच चित्रांकन प्रतियोगिता आयोजित की गई। रक्त वर्गीकरण एवं रक्तदाता जागरूकता शिविर गुवाहाटी, गोलाघाट, जोरहाट शाखा द्वारा आयोजित किया गया। 22 से 25 जून तक 'माँ कामाख्या' की नगरी गुवाहाटी में अम्बूवासी मेला संपन्न हुआ। माहेश्वरी युवा संगठन गुवाहाटी ने 11000 भक्तों से भी ज्यादा को हमारी परंपरानुसार बैठाकर भोजन करवाया।

■ **नागपुर.** श्री बड़ी मारवाड़ी माहेश्वरी पंचायत हिवरीनगर नागपुर में माहेश्वरी समाज का वंशोत्पत्ति दिवस भगवान महेश्वर के पूजन आरती से प्रारंभ हुआ। नगर सभा व संस्था के अध्यक्ष पुरुषोत्तम मालू तथा भवन ट्रस्ट के अध्यक्ष राधेश्याम सारडा के नेतृत्व में पौधारोपण किया गया। इसी दिन नगर माहेश्वरी सभा के सान्निध्य में बड़ी मारवाड़ समिति ने गुलाब के शर्बत का वितरण किया। द्वितीय दिवस को श्री बड़ी मारवाड़ माहेश्वरी पंचायत भवन हिवरीनगर नागपुर ने भव्य शोभायात्रा निकाली। इस पर्व को सफल बनाने में नगर माहेश्वरी सभा, श्री बड़ी मारवाड़ माहेश्वरी पंचायत, भवन ट्रस्ट, माहेश्वरी युवक संघ, अट्ठल माहेश्वरी परिवार, महिला समितियों की कार्यकारिणी व समाजजनों ने अथक प्रयास किए। संस्था के सचिव रामअवतार तोतला ने आभार व्यक्त किया।

जिंदगी एक आईने की तरह है
ये तभी मुस्कुरायेंगी जब आप मुस्कुराओगे

■ **रायपुर.** माहेश्वरी युवा मंडल व महिला समिति ने महेश नवमी के शुभ अवसर पर सुबह 10.30 बजे से पचपेड़ी नाका, ओवरब्रिज के नीचे, पुलिस चौकी के सामने स्थित दक्षिण मुखी हनुमान मंदिर के पास गुलाब के शरबत का वितरण किया। इस अवसर पर महिला समिति अध्यक्ष नीलिमा लड्ढा और सचिव नीना राठी सहित ज्योति राठी, उषा मोहता, सरला चांडक, ममता तापड़िया, सुनीता बागड़ी, विनीता माहेश्वरी, रेखा हुरकट, शीलू राठी, भावना मर्दा आदि सदस्याओं का सहयोग रहा।

■ **विदर्भ.** अभा माहेश्वरी महिला संगठन ने इस बार महेश नवमी के शुभ अवसर पर सिद्धि एक प्रसिद्ध प्रकल्प का भव्य आयोजन कर संपूर्ण भारत वर्ष में 29 लाख 91 हजार 655 गिलास शरबत का वितरित कर विश्व रिकॉर्ड बनाया। इसमें विदर्भ प्रदेश ने 3 लाख 7240 गिलास शरबत का वितरण कर संपूर्ण भारतवर्ष में सर्वोच्च स्थान बनाया। इसमें नागपुर जिले ने 1 लाख 50 हजार, अमरावती जिले ने 40 हजार, वाशिम जिले ने 40 हजार, अकोला जिले ने 25 हजार 240, बुलढाणा जिले ने 20 हजार, भंडारा जिले ने 1500, वर्धा जिले ने 10 हजार, गोंदिया जिले ने 2500, चंद्रपुर जिले ने 7 हजार, यवतमाल जिले ने 6 हजार व गढ़चिरोली जिले ने 4 हजार गिलास शरबत का वितरण किया। उक्त जानकारी अध्यक्ष उषा काबरा व सचिव भारती राठी ने दी।

■ **बुरहानुपर.** स्थानीय माहेश्वरी समाज के महेश नवमी पर्व अंतर्गत गत 17 जून को युवा संगठन द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शाम को खेलकूद का कार्यक्रम रखा गया। 21 से 24 जून को सुबह योग शिविर आयोजित किया गया। सुबह 7 बजे भगवान महेश का अभिषेक सोमानी परिवार द्वारा किया गया व शहर के भ्रमण के बाद शोभायात्रा माहेश्वरी भवन कसेरा बाजार पहुंची। जिला महिला मंडल द्वारा शरबत वितरण किया गया और पर्सनालिटी डेवलपमेंट विषय पर 'आओ संभालें मंच की डोर' कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य वक्ता शीलादेवी टावरी कोषाध्यक्ष विदर्भ माहेश्वरी महिला सभा मल्कापुर थीं। जिलाध्यक्ष सुरेशचंद्र बिरला, सचिव पंकज मानधनिया, महिला मंडल अध्यक्ष लीना मानुधने, कैलाश पलौड़, भगवती लखोटिया, सुरेश लखोटिया, गोपाल दरगड़, निरंजन चांडक आदि का सहयोग रहा।

■ **मालेगांव.** श्री माहेश्वरी प्रगति मंडल द्वारा महेश-नवमी पर्व अध्यक्ष आशीष झंवर की अध्यक्षता में मनाया गया। महेश नवमी के दिन भगवान श्री महेश की पालकी संग शोभायात्रा निकाली गई। श्री माहेश्वरी युवा मंच, माहेश्वरी महिला मंडल, महालक्ष्मी माहेश्वरी महिला मंडल एवं माहेश्वरी बहू मंडल को वर्षभर उनके सामाजिक कार्यक्रमों के लिए सम्मानित किया गया। समाज की विभिन्न उपलब्धि प्राप्त करने वाले विशिष्ट समाजजनों को भी सम्मानित किया गया। रचना मनीष मालपाणी मुख्य वक्ता एवं मालेगांव मनपा आयुक्त संगीता धायगुडे मुख्य अतिथि थीं। उन्मेष मूंधड़ा, रामनिवास बूब, श्यामसुंदर लखोटिया, आशीष झंवर, मधु काबरा, मोहनलाल झंवर, रमेशचंद्र झंवर, श्रीनिवास कलंत्री, गोकुल तापड़िया, ओमप्रकाश सारडा आदि विशिष्टजन मंच की शोभा बढ़ा रहे थे। इस अवसर पर कवयित्री सुमिता राजकुमार मूंधड़ा के पहले काव्य-संग्रह का विमोचन भी हुआ व माहेश्वरी परिवारों को इनका निःशुल्क वितरण किया गया। सूत्र संचालन सुमिता राजकुमार मूंधड़ा एवं कल्पेश हेड़ा ने संभाला। सचिव मधुसूदन काबरा ने सबका आभार माना।

■ **रांची.** प्रतिवर्षानुसार महेश नवमी महोत्सव पांच दिवसीय कार्यक्रमों के साथ मनाया गया। संयोजक सरिता चितलांगिया, लक्ष्मी चितलांगिया, सौरभ डागा एवं अंकित काबरा थे। पहले दिन 17 जून को रक्तदान शिविर लगाया गया। दूसरे दिन 18 जून को कला स्पर्धा व विचार गोष्ठी का आयोजन हुआ। 20 जून को कैरम, छोटे बच्चों के लिए स्पून बैलेंस रेस एवं सेक रेस प्रतियोगिता, महिलाओं के लिए किचन क्विज एवं शाम को अंताक्षरी प्रतियोगिता हुई। 21 जून को प्रातः 6.30 बजे प्रभातफेरी निकाली गई। अभा माहेश्वरी महिला संगठन के प्रकल्प शरबत पिलाओ के तत्वावधान में माहेश्वरी महिला समिति ने चार जगह कैंप लगाकर 6 हजार गिलास शर्बत वितरित किया। शाम को समापन समारोह में समाज के वरिष्ठ तथा प्रतिभावान विद्यार्थियों का सम्मान किया गया।

समस्याएं इतनी ताक़तवर नहीं हो सकती जितना हम इन्हें मान लेते हैं! ऐसा कभी नहीं हुआ कि अंधेरों ने सुबह ही ना होने दी हो!चाहे कितनी भी गहरी काली रात हो उसके बाद सुबह होनी ही है!

■ नागदा जं. माहेश्वरी समाज द्वारा अपने आराध्य देव भगवान भोलेनाथ का दो दिवसीय महेश नवमी पर्व धूमधाम से मनाया गया। 20 जून शाम 5 बजे महिलाओं व बच्चों की खेलकूद प्रतियोगिता आयोजित हुई। 21 जून सुबह 7.30 बजे आराध्यदेव भगवान महेश का अभिषेक किया गया। दोपहर 4 बजे समाजजनों ने शिव मंदिर रेलवे कॉलोनी से शोभायात्रा निकाली जो विभिन्न मार्गों से होती हुई शाम 5.30 बजे माहेश्वरी भवन पहुंची। शाम 6 बजे समाज की साधारण सभा का आयोजन किया गया। इसमें आगामी वर्ष के कार्यक्रमों की रूपरेखा बनाई गई। महिला मंडल द्वारा मेधावियों व समर्पित समाजसेवियों का सम्मान किया गया। समाजसेवियों में बंशीलाल गट्टानी, घनश्याम राठी, रमेश मोहता, विपिन मोहता, जमना मालपानी शामिल थे। ताराचंद मालपानी व गोरधनलाल सर्राफ मुख्य अतिथि थे।

■ फरीदाबाद. माहेश्वरी मंडल द्वारा महेश नवमी पर्व मनाया गया। इसमें सर्वप्रथम माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट के अंतर्गत रक्तदान शिविर का आयोजन हुआ। इसमें 119 यूनिट रक्त संग्रह हुआ। इस आयोजन के देवचंद बिहानी परिवार प्रायोजक थे। युवा संगठन ने आईपीएल की तर्ज पर हरियाणा पंजाब प्रदेश स्तर की डे नाइट क्रिकेट स्पर्धा का आयोजन किया। महिला संगठन ने सिद्धि-एक प्रसिद्ध कार्यक्रम के अंतर्गत 4 घंटों में 15 हजार गिलास शर्बत का वितरण किया। पर्व के दिन प्रभातफेरी, संगीतमय सुंदरकांड व पूरे समाज का रात्रि भोज आयोजित किया गया। निर्जला एकादशी के पर्व पर विशाल भंडारा व दुग्धयुक्त शर्बत का वितरण किया गया।

■ नागदा. श्री माहेश्वरी समाज एवं माहेश्वरी महिला मंडल नागदा के तत्वावधान में महेश नवमी हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इसमें समाज, माहेश्वरी महिला मंडल, सोशल ग्रुप, कपल ग्रुप एवं युवा संगठन के आयोजन हुए। समाज के वरिष्ठ ताराचंद मालपानी, गोवर्धनलाल सर्राफ एवं नरेंद्र राठी अतिथि के रूप में मौजूद थे। महिला मंडल ने योग शिविर भी आयोजित किया। साथ ही निजी स्कूल में गुलाबी शरबत का वितरण किया गया। शाम 4 बजे रेलवे कॉलोनी स्थित महादेव मंदिर से समाज का चल समारोह निकाला गया। कार्यक्रम में समाज के 15 मेधावियों का सम्मान किया गया। साथ ही समाज के 11 सक्रिय सदस्यों को भी सेवा सम्मान से सम्मानित किया गया। समाज अध्यक्ष सतीश बजाज, सचिव अशोक बिसानी, महिला मंडल अध्यक्ष सीमा मालपानी, युवा संगठन अध्यक्ष वीरेंद्र मालपानी, नरेंद्र राठी, समाज के वरिष्ठ ताराचंद मालपानी व गोवर्धनलाल सर्राफ मंचासीन थे।

■ जैसलमेर. जिलेभर में महेश नवमी पर्व उत्साह व उल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का आगाज गड़ीसर स्थित महादेव मंदिर से शोभायात्रा से हुआ। इसमें पारंपरिक वेशभूषा में सभी माहेश्वरी पुरुषों व महिलाओं ने भाग लिया। पुष्करणा समाज, भाटिया समाज, हजूरी समाज सहित विधायक छोटूसिंह भाटी, कविता खत्री, कमल ओझा, कवराजसिंह चौहान, जिला प्रमुख अंजना मेघवाल आदि लोगों ने स्वागत किया। शोभायात्रा के बाद सेवा सदन में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। इसमें स्पर्धाओं के विजेताओं व शिक्षा में विशेष अंक लाने वालों को पुरस्कृत किया गया। समाज अध्यक्ष अमृतलाल डांगरा, मंत्री माणकलाल गोलकिया, सेवा सदन अध्यक्ष रावतमल सांवल, मंत्री लक्ष्मीनारायण झंवर ने सभी का आभार प्रकट किया।

■ बैंगलोर. माहेश्वरी महिला मंडल ने शहर के दस स्थानों पर लाल गुलाब शरबत राहगीरों को बांटा। यशवंतपुर मार्केट में 2154, विजयनगर में 1800, बीटीएम लेआउट में 200, चामराजपेट में 500, बनशंकरी में 750, माहेश्वरी भवन में 1500, शांतिनगर 250, शेषाद्रीपुरम में 250, मैसूर बैंक में 750 इस प्रकार 8000 गिलास रोज का लाल शर्बत बांटा गया। भावना चांडक, सुमित्रा मालानी, श्वेता माहेशवरी, सुमन राठी, पुष्पा सारडा, पूजा मालानी, सरला अटल, छाया हेड़ा, भारती सारडा, सुनीता झंवर, अंजू कोठारी, पुष्पा बागड़ी, किरण लड्ढा, कलावती राठी, रीतू बागड़ी, भगवती साबू आदि का सहयोग रहा।

■ **ग्वालियर**. माहेश्वरी समाज, बिरलानगर द्वारा महेश नवमी 21 से 26 जून तक मनाई गई। 21 जून को लोहा मंडी स्थित काशीराम की धर्मशाला से शोभायात्रा निकाली गई। इस अवसर पर माहेश्वरी समाज बिरला नगर के अध्यक्ष आरपी माहेश्वरी ने अपने उद्‌बोधन में शहर को साफ रखने का संकल्प लिया तथा सचिव मधुसूदन माहेश्वरी ने पॉलीथिन मुक्त ग्वालियर बनाने में सहयोग की अपील की। 23 जून को माहेश्वरी प्रीमियर लीग क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया। 24 जून को मोहश्वरी समाज के युवा मंडल द्वारा रक्तदान एवं मेडिकल कैंप का आयोजन किया गया। अपराह्न 3 बजे इंडोर गेम्स श्याम वाटिका के हॉल में संपन्न हुए। 25 जून को फायरलेस कुकिंग प्रतियोगिता का आयोजन बिरला नगर महिला मंडल द्वारा किया गया। इसमें कुल 62 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। 26 जून को समापन समारोह में मेधावियों का सम्मान किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्याम जाजू वरिष्ठ उपाध्यक्ष भाजपा, विशेष अतिथि महेंद्र लड्ढा अध्यक्ष गणेश सेवा ट्रस्ट दिल्ली थे।

■ **दुर्ग.** माहेश्वरी पंचायत, महिला मंडल व युवा संगठन द्वारा समाज के वंशोत्पत्ति दिवस महेश नवमी पर विभिन्न आयोजन किए गए। मुख्य वक्ता उपसभापति अभा माहेश्वरी महासभा दक्षिणांचल अशोक बंग नासिक थे। कार्यक्रम के अंर्तगत रिश्तों की महक, पारिवारिक समरसता तथा खुश रहो खुश रखो विषय पर टॉक शो हुए। महेश नवमी महोत्सव कार्यक्रम के प्रभारी नरेंद्र राठी थे। प्रथम सत्र में सुबह 7.30 बजे भगवान महेश की शोभायात्रा श्री बाबा रामदेव मंदिर से निकाली गई। सुबह 9 बजे अभिषेक पूजा, आरती एवं ब्लड ग्रुप, प्रेशर एवं डायबिटीज टेस्ट बाबा रामदेव मंदिर में हुआ। 100 से अधिक लोगों ने इसका लाभ लिया। सुबह 10 बजे शास. चिकित्सालय दुर्ग में फल एवं बिस्कुट वितरण किया गया। दोपहर 12 बजे से महेश चौक गंजपारा में शर्बत वितरण किया गया। समाज के प्रतिभावान विद्यार्थियों का पारितोषिक व प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मान किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उपसभापति अभा माहेश्वरी महासभा दक्षिणांचल अशोक बंग नासिक थे। संगठन प्रभारी प्रदेश सभा प्रदेश मंत्री छग प्रादेशिक माहेश्वरी सभा नारायण राठी एवं युवा संगठन प्रदेश महामंत्री स्वराज लड्ढा उपस्थित थे।

बड़ी नदियों का बहाव बन जाता है वैसे ही हमारे छोटे-छोटे प्रयास भी, जिंदगी में बड़ा परिवर्तन ला सकते हैं

■ **दुर्ग**. संपूर्ण छग प्रदेश में इस वर्ष महेश नवमी का पर्व अत्यंत धूमधाम से मनाया गया। प्रदेश के सभी 37 संगठनों में प्रदेश सभा, युवा संगठन व महिला संगठन के 77 प्रभारी सदस्यों ने ऐतिहासिक रूप से अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। सभी संगठनों में महेश नवमी का पर्व एक तिथि, एक रीति की तर्ज पर मनाया गया। प्रदेश सभा के निर्देशानुसार सभी संगठनों ने अपने यहां होने वाले कार्यक्रम की रूपरेखा का निर्धारण कर प्रदेश सभा व युवा संगठन द्वारा नियुक्त किए गए महेश नवमी प्रभारी सुशील लाहोटी व प्रशांत गांधी को भेजा गया। इसमें प्रमुख रूप से शोभायात्रा, भगवान महेश की पूजा अर्चना, बुजुर्गों का सम्मान व प्रतिभा सम्मान, चिकित्सालयों में फल वितरण, सार्वजनिक स्थानों पर शर्बत वितरण, पौधारोपण कार्यक्रम, सामाजिक परिचर्चा व टॉक शो, रक्तदान, खेलकूद व बौद्धिक आयोजन एवं दो से अधिक बेटियों के अभिभावकों का सम्मान प्रमुख रहा। इस सुअवसर पर माहेश्वरी पंचायत दुर्ग में दक्षिणांचल के उपसभापति अशोक बंग, नासिक विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। दुर्ग माहेश्वरी पंचायत द्वारा उनका टॉक शो आयोजित किया गया।

■ **कोलकाता**. माहेश्वरी सभा द्वारा महेश नवमी महोत्सव 21 जून को मनाया गया। इस अवसर पर पूरे भवन को दूधिया रोशनी से सजाया गया। कार्यक्रम संयोजक सुशील कोठारी ने सपत्नीक भगवान महेश का रुद्राभिषेक किया। सायंकाल 6.30 बजे से सम्मान समारोह, सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं सहभोज का आयोजन किया गया। समारोह की अध्यक्षता विश्वनाथ चांडक ने की। प्रधान अतिथि मोहनलाल पचीसिया एवं विशिष्ट अतिथि दिनेशकुमार कालानी थे। माहेश्वरी संगीतालय एवं महिला समिति द्वारा मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किया गया। सभापति पुरुषोत्तमदास मिमाणी ने आभार व्यक्त किया।

■ **बहराईच.** स्थानीय समाज द्वारा भगवान भोलेनाथ की पूजा कर प्रसाद वितरण किया गया। इस अवसर पर बहराईज व प्रागपुर के कई समाजजन उपस्थित थे। अध्यक्ष विकास मालानी ने समाज के विभिन्न ट्रस्टों की योजनाओं की जानकारी दी और इसमें सहयोगी बनने की अपील की।

■ ग्वालियर. महेश नवमी के उपलक्ष्य में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन 12 दिनों तक चलता रहा। इसके समापन कार्यक्रम में ग्वालियर जिला माहेश्वरी सभा के आमंत्रण पर रामगोपाल मूंदड़ा, सूरत निवर्तमान उपसभापति अभा माहेश्वरी महासभा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। जिला सभा के अध्यक्ष मोहन माहेश्वरी, पूर्वी मप्र के निवर्तमान अध्यक्ष चंद्रमोहन नागोरी, कार्यसमिति सदस्य आशुतोष माहेश्वरी, कार्यकारी मंडल सदस्य बाबूलाल गोदानी, डॉ. जाजू, महिला मंडल की अध्यक्ष आदि के प्रयासों से कार्यक्रम बहुत सफल रहा। श्री मूंदड़ा ने अपने उद्बोधन में माहेश्वरी समाज की घटती हुई जनसंख्या पर चिंता जताई और युवाओं से इसके प्रति जागरूक होने के लिए आह्वान किया।

■ मथुरा. जिला माहेश्वरी के सभा के आमंत्रण पर रामगोपाल मूंदड़ा, सूरत (निर्वतमान उपसभापति अभा माहेश्वरी महासभा) महेश नवमी महोत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस कार्यक्रम के स्वागताध्यक्ष सुशील दीवान (समाजसेवी एवं पूर्व जिलाध्यक्ष मथुरा) थे। अध्यक्ष अजय माहेश्वरी, सचिव प्रशांत माहेश्वरी, कोषाध्यक्ष निखिल गांधी, माहेश्वरी महिला मंडल की अध्यक्ष कविता माहेश्री, सचिव प्रियांश माहेश्वरी, कोषाध्यक्ष रीनू राठी सहित पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं समाज के गणमान्यजन मौजूद थे। श्री मूंदड़ा ने अपने उद्बोधन में माहेश्वरी समाज की घटती हुई जनसंख्या पर चिंता जताई और युवाओं से इसके प्रति जागरूक होने के लिए आह्वान किया। सांस्कृतिक-पारिवारिक कार्यक्रमों में बहू, बेटी एवं बच्चों ने भाग लिया। बच्चों के प्रोत्साहन हेतु बच्चों को पुरस्कार प्रदान किए गए।

■ अहमदाबाद. जिला माहेश्वरी सभा द्वारा महेश नवमी के उपलक्ष्य में पिछले दिनों भवंस कॉलेज ऑडिटोरियम में एक निबंध प्रतियोगिता व हिंदी हास्य नाटक का कार्यक्रम रखा गया। जिला मंत्री राजेंद्र पेड़ीवाल ने बताया कि इस कार्यक्रम को करवाने का विशेष उद्देश्य अहमदाबाद जिले की जितनी भी माहेश्वरी संस्थाएं व समाज हैं, सबको एक छत के नीचे एक साथ लाना था। अतः मारवाड़, मेवाड़, थरि(थाट), कच्छी, नागोरी, जैसलमेरी, मालवी, प्रगति मंडल, माहेश्वरी सेवा समिति, सभी महिला, युवा संगठन, अन्य क्षेत्र आदि के अध्यक्ष व मंत्री को मंच पर बुलाकर दीप ज्योति प्रज्ज्वलनकर महेश वंदना की गई। मुख्य अतिथि जिला परिवार न्यायालय की जज डॉ. वंदना माहेश्वरी अहमदाबाद ने अपने उद्बोधन में अरेंज विवाह व संयुक्त परिवार के महत्व पर बल दिया। मुख्य प्रायोजक हरिनारायण सोनी के साथ सहप्रयोजक अंबेश्वर लाल, जुगल कासट व द्वितीय सहप्रायोजक राजकुमार एवं विनोद चौधरी पोरवाल थे।

■ गंगटोक. सिक्किम माहेश्वरी सभा द्वारा गत 21 जून को विभिन्न सांस्कृतिक तथा मनोरंजक कार्यक्रमों के साथ महेश नवमी पर्व मनाया गया। देवरोली शिव मंदिर के सभागृह में प्रमुख कार्यक्रम आयोजित हुआ। इसके लिए मुख्यमंत्री पवन चामलिंग ने शुभकामनाएं प्रेषित की। स्वागत भाषण महिला मंडल अध्यक्ष पुष्पा लखोटिया ने दिया। अध्यक्षीय उद्बोधन सिक्किम माहेश्वरी सभा अध्यक्ष रमेश पेड़ीवाल ने दिया। इस अवसर पर अग्रवाल, जैन व विप्र समाज के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे। विभिन्न प्रतियोगिताएं के विजेताओं को पुरस्कार वितरण के साथ समाज के वरिष्ठों का सम्मान किया गया। जानकारी सचिव राजकुमार थिरानी ने दी।

■ अमरावती. श्री माहेश्वरी पंचायत के संयुक्त तत्वावधान में 19 से 21 जून तक 3 दिवसीय महेश नवमी महोत्सव अमरावती जिला माहेश्वरी संगठन, श्री माहेश्वरी वरिष्ठ नागरिक सभा, श्री माहेश्वरी महिला मंडल, श्री माहेश्वरी नवयुवक मंडल सहित विभिन्न माहेश्वरी संगठन के सहयोग से आयोजित हुआ। उद्घाटन समारोह विजयकुमार करवा (सरपंच माहेश्वरी पंचायत) की अध्यक्षता, विट्ठलदास मोहता (अध्यक्ष माहेश्वरी शिक्षा सहयोग समिति) के मुख्य आतिथ्य एवं डॉ. गोविंद लाहोटी व कुमुद महेंद्र के विशेष आतिथ्य में आयोजित हुआ। समारोह का संचालन राजेश चांडक ने किया और आभार प्रदर्शन सुरेश साबू ने किया। 3 दिवसीय समारोह में वैद्यकीय उपचार के साथ विविध सांस्कृतिक, खेलकूद एवं स्पर्धात्मक, धार्मिक, सामाजिक कार्यक्रमों के साथ व्यापार को बढ़ावा देने हेतु मार्गदर्शन भी रखा गया। प्रावीण्य प्राप्त विद्यार्थी एवं दानदाताओं का सत्कार और पुरस्कार वितरण श्रीमती प्रभादेवी एवं स्व श्री मोहनलाल डागा की स्मृति में किया गया। धार्मिक आयोजन में कन्या पूजन व महाभिषेक तथा शोभायात्रा का आयोजन हुआ।

■ **मोर्शी.** तालुका माहेश्वरी संगठन द्वारा दो दिवसीय महेश नवमी उत्सव का आयोजन किया गया। इसमें 21 जून को उमा महेश जी का अभिषेक विजयकुमार लड्डा (खेड़वाले) और शरद भैया (मोर्शी) द्वारा संपन्न हुआ। सुबह 8 से 10 बजे तक शोभायात्रा निकली। सुबह 10.30 बजे से स्व. श्री हीरालाल लोहिया (अंबाडा) की स्मृति में श्री माहेश्वरी संघठन मोर्शी द्वारा गणपति मंदिर के सामने गुलाब शरबत वितरण का कार्यक्रम संपन्न हुआ। इसमें 1800 गिलास गुलाब शरबत वितरित किया गया। सुबह 11 बजे राधेश्याम राठी अध्यक्ष गोपीकिसन बियाणी माजी अध्यक्ष डॉ. श्याम राठी, डॉ. संतोष राठी और राधाकिशन मंत्री द्वारा गायों की विधि पूर्वक पूजा करके ढेप और चारे का वितरण किया गया। युवा और महिलाओं ने इसमें सक्रिय सहयोग दिया था। पौधारोपण कार्यक्रम में प्रति व्यक्ति 11 पौधे रोपकर ट्री गार्ड लगवाए गए। राधाकिशन मंत्री, गोपीकिशन बियाणी, राधेश्याम राठी, विजयकुमार लड्डा, मोहनभाऊ चांडक, घनश्याम गट्टाणी आदि उपस्थित थे। विभिन्न सांस्कृतिक तथा खेल प्रतियोगिताओं के आयोजन के पश्चात अगले दिन कार्यक्रम का समापन हुआ।

■ **तिवसा (अमरावती).** अमरावती जिले की तिवसा तहसील में दो दिवसीय महेश नवमी महोत्सव तहसील माहेश्वरी संगठन, तहसील माहेश्वरी महिला संगठन व नवयुवक मंडल ने संयुक्त रूप से आयोजित किया। इसमें विभिन्न स्पर्धाओं का आयोजन हुआ। महेश नवमी की पूर्व संध्या पर ओम व स्वस्तिक की रंगोली सजाकर उस पर दीपमाला व दीपोत्सव पर्व मानते हुए सामूहिक 151 दीप लगाए गए। 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में योग प्रशिक्षक श्री देवतारे के मार्गदर्शन में करीब 50 महिला-पुरुषों ने योग व प्राणायाम किया। प्रातः 8-10 बजे श्री रामदेव बाबा मंदिर में भगवान का पूजन-जलाभिषेक व दुग्धाभिषेक हुआ। शाम 5 बजे शोभायात्रा निकाली गई।

समय गूंगा नहीं बस मौन है,
वक्त पर बताता है किसका कौन है!

■ **बरेली.** अभा माहेश्वरी महिला संगठन के आह्वान पर उत्तरांचल अंतर्गत माहेश्वरी महिला समिति बरेली द्वारा 11 हजार गिलास अर्थात 2200 लीटर गुलाब के शरबत का वितरण किया गया। सचिव शशि साबू ने बताया कि इसके अंतर्गत शहर के गंगापुर चौराहा, श्याम मंदिर के बाहर मूर्ति नर्सिंग होम तथा गरीब बस्ती में सदस्याओं ने शरबत वितरित किया।

■ **वर्धा.** जिला माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा वर्धा जिला की सभी तहसील में कुल 10 हजार गिलास शरबत का वितरण किया गया। इसमें वर्धा में अनाथालय, वृद्धाश्रम तथा माहेश्वरी भवन के सामने स्टॉल लगाकर चिलचिलाती धूप में राहगीरों को शरबत वितरित किया गया। हिंगणघाट में गुलाब शरबत रेलवे स्टेशन पर तीन ट्रेनों में वितरित किया गया। पुलगांव एवं आर्वी में सरकारी अस्पताल में शरबत का वितरण किया गया। वायगांव एवं आंजी में बस स्थानक तथा ऑटो स्टैंड पर शरबत का वितरण किया गया। इसी दिनांक को वर्धा तथा हिंगणघाट में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इसमें वर्धा में 25 यूनिट रक्तदान हुआ। इसी दिन विश्व योग दिवस के उपलक्ष्य में हर तहसील में योगासन का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इनके साथ ही विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया गया। जिलाध्यक्ष मंगला राठी, सचिव शोभा मूंदड़ा, शोभा गांधी, शकुन मोकाती, संध्या हुरकट, अर्चना सादाणी आदि का योगदान रहा।

स्वीकार करने की हिम्मत और
सुधार करने की नीयत हो तो
इंसान बहुत कुछ सीख सकता है।
हमको कितने लोग पहचानते है ?
उसका महत्व नहीं है,
लेकिन क्यों पहचानते है..?
इसका महत्व है. . .

■ सूरत. जिला माहेश्वरी सभा द्वारा सूरत में महेश नवमी के भव्य आयोजन किए गए। इसमें अंतर्गत सिटीलाईट तथा पर्वत पाटिया क्षेत्रों में पृथक-पृथक आयोजन हुए लेकिन दोनों ही माहेश्वरी गरिमा के अनुरूप एक से बढ़कर एक।

सिटीलाईट क्षेत्र

गत 21 जून को सुबह 8 बजे माहेश्वरी भवन सिटीलाईट से सुंदर झांकियों के साथ भव्य शोभायात्रा की शुरुआत हुई, जिसमें सिटीलाईट घोड़दौड़ सभा, वेसु भरथाना सभा, अडाजन सभा, उधना पांडेसरा सभा आदि की विभिन्न झांकियों भी शामिल थीं। दिल्ली से बुलाए गए विशेष कलाकारों द्वारा शोभायात्रा के दरमियान भव्य प्रस्तुति दी गई। सिटीलाईट क्षेत्र में भ्रमण करते हुए शोभायात्रा प्रातः 10 बजे माहेश्वरी भवन पहुंची। शोभायात्रा में लगभग 1 हजार माहेश्वरी बंधु, महिला एवं बच्चे शामिल हुए। भटार अलथान माहेश्वरी सभा द्वारा विभिन्न झांकियों के साथ आशीर्वाद एवेन्यु से वाहन रैली निकाली गई, जिसमें करीबन 200 वाहन, 2 व्हीलर और 4 व्हीलर के साथ विभिन्न क्षेत्र से निकलते हुए माहेश्वरी भवन सिटीलाईट पहुंची। शोभायात्रा के दरमियान जगह-जगह शोभायात्रा का स्वागत अलग-अलग सोसायटियों द्वारा किया गया। शोभायात्रा में महासभा के उपाध्यक्ष मोहनलाल राठी, संयुक्त मंत्री शरद गट्टानी, श्यामसुंदर राठी (आणंद), अनिल सोमानी व रंगनाथ मूंदड़ा (अहमदाबाद) भी उपस्थित थे।

रंगारंग कार्यक्रमों में सेवा के रंग

हर वर्ष की तरह महेश मित्र मंडल द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इसमें 281 यूनिट रक्त संग्रह हुआ। माहेश्वरी नवयुवक मंडल द्वारा महारुद्राभिषेक का आयोजन किया गया। इसमें समाज के 21 दंपतियों ने भाग लिया। शाम 7 बजे से रंगारंग कार्यक्रम की शुरुआत हुई। इसमें विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करने वाले समाज के वरिष्ठ समाजसेवी स्व. श्री घनश्याम सारडा तथा गिरधरगोपाल मूंदड़ा को महेश रत्न की गौरवशाली उपाधि प्रदान की गई तथा गणेशलाल चांडक एवं प्रेमप्रकाश मोदानी को महेश भूषण से सम्मानित दिया गया। माहेश्वरी भवन समिति द्वारा मृत्युपरांत चक्षुदाता के तीन परिवारों को भी विशेष सम्मान किया गया। माहेश्वरी महिला मंडल (मेन), मुस्कान माहेश्वरी महिला मंडल एवं माहेश्वरी महिला मंडल (वेस्ट) द्वारा नृत्य नाटिका की प्रस्तुति दी गई। सूरत जिलाध्यक्ष अविनाश चांडक ने स्वागत उद्‌बोधन दिया। सचिव संदीप धूत द्वारा आभार प्रकट किया गया। आयोजन के मुख्य अतिथि नारायण बजाज एवं दुर्गाप्रसाद भट्टड़ थे। महाप्रसादी का आयोजन माहेश्वरी भवन समिति ने किया।

परवत पाटिया क्षेत्र

21 जून को सुबह 7.30 बजे माहेश्वरी सेवा सदन, परवत पाटिया, सूरत से सुंदर झांकियों के साथ शोभायात्रा की शुरुआत हुई। इसमें जीवंत झांकियों, बैंडबाजे, घोड़े, खुली जीप के साथ लगभग दो हजार समाजजन शामिल थे। पुष्पवृष्टि एवं अल्पाहार के साथ सभी जगह शोभायात्रा का स्वागत किया गया। शोभायात्रा में महासभा के उपाध्यक्ष मोहनलाल राठी, संयुक्त मंत्री शरद गट्टानी, श्यामसुंदर राठी (आणंद), अनिल सोमानी व रंगनाथ मूंदड़ा (अहमदाबाद) शामिल हुए। इसी क्रम में पूना कुंभारिया सभा की शोभायात्रा सुंदर झांकियों के साथ शुभम हाईट से प्रारंभ होकर माहेश्वरी सेवा सदन पहुंची। इसमें भी लगभग दो हजार समाज बंधु शामिल थे। त्रिक्रमनगर सभा की शोभायात्रा सुंदर झांकियों के साथ कष्टभंजन हनुमान मंदिर से प्रारंभ होकर माहेश्वरी सेवा सदन पहुंची। ओल्ड सिटी सभा की शोभायात्रा सुंदर झांकियों के साथ अलकापुरी से प्रारंभ होकर नारायण मंदिर पर पहुंची। इसमें करीब 500 समाजजन जिसमें महिलाएं एवं बच्चे भी शामिल हुए। तत्पश्चात महाप्रसादी का आयोजन किया गया।

सेवा गतिविधि के साथ प्रतिभा सम्मान

माहेश्वरी सेवा सदन, पर्वत पाटिया विस्तार में समाज के 21 दंपतियों ने शिव का महारुद्राभिषेक किया। इसकी व्यवस्था नवयुवक मंडल द्वारा संभाली गई। प्रोफेशनल बच्चों का समाज द्वारा स्मृति चिह्न से सम्मान किया गया एवं सूरत जिला माहेश्वरी सभा के तत्वावधान में माहेश्वरी सेवा सदन, परवत पाटिया विस्तार में महाप्रसादी का आयोजन किया गया। इसमें तकरीबन 4 से साढ़े चार हजार समाजजनों ने प्रसाद ग्रहण किया। जिला सभा द्वारा जिन परिवारों में तीनकन्या का जन्म हुआ उन परिवारों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

■ **दिल्ली.** दिल्ली प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन दक्षिण जोन द्वारा 26 अप्रैल को मोहिनी एकादशी के पावन अवसर पर छतरपुर गांव में 3000 लोगों को 700 लीटर शर्बत पिलाया गया। गर्मी से झुलसते लोगों ने इसे पीकर अपनी प्यास शांत की। लोगों के खुशी से भरे चेहरे देखकर सबको बहुत आनंद हुआ।

माहेश्वरी महिला संगठन, दक्षिणी क्षेत्र की अध्यक्ष वीणा जाजू तथा सचिव बेला शारदा ने बताया कि संगठन की ओर से अधिक मास के उपलक्ष्य में 25 मई कमला एकादशी के पवित्र दिवस पर छतरपुर में राह चलते करीब 4500 यात्रियों को 1250 लीटर गुलाब का शर्बत पिलाया गया। इस झुलसाने वाली गर्मी में ठंडे-ठंडे शर्बत पिलाने में सदस्याओं के साथ बच्चे भी उत्साह से 11.30 से दोपहर 3 बजे तक सेवा कार्य में लगे रहे। सभी सदस्याओं ने तन-मन-धन से इस कार्य के लिए सहयोग दिया और 21 सदस्याओं ने उपस्थिति दर्ज कराई। इस विशाल आयोजन में सदस्याएं बच्चों को यह भी दिखाने लेकर आई कि केवल पूजा-पाठ ही नहीं दूसरों की सेवा और मदद भी किस तरह की जाती है। इसमें वीणा जाजू, बेला शारदा, कृष्णा काबरा, सरिता पेड़ीवाल, मधु मूंधड़ा, वीना काबरा, उमा लखोटिया, सुनीता पेड़ीवाल, खुशबू पेड़ीवाल, रीता काबरा, किरण पेड़ीवाल, मधु माहेश्वरी, कुसुम माहेश्वरी, खुशबू जाजू, गरिमा काबरा, अनुशा काबरा, सारंग काबरा, सुरुचि नत्थानी, किरण राठी, सुषमा राठी, शुभ्रा माहेश्वरी आदि ने सहयोग दिया। संगठन ने इससे उत्साहित होकर भविष्य में आने वाले अधिक मास में भी शर्बत वितरण का निर्णय ले लिया है।

अधिक मास में सेवा-अधिक मास के इस पावन महीने में माहेश्वरी महिला संगठन, दक्षिण दिल्ली द्वारा गत 17 मई को 160 महिलाओं को साड़ियां व सलवार कुर्ते वितरित किए गए।

■ **हावड़ा.** माहेश्वरी सभा, महिला संगठन एवं युवा मंच द्वारा महेश नवमी के उपलक्ष्य में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन हावड़ा मिल्स क्लब हाउस में किया गया। इसमें गायिका विजयलक्ष्मी डागा ने अपनी सुमधुर आवाज में प्रस्तुति दी। सदस्यों ने नृत्य नाटिका शिव तांडव पेश की। समाज में फैली कुरीतियों के निदान करने के प्रयास में एक नाट्य भोले भटके तेरे चेले का मंचन हुआ। निर्देशक सीमा भट्टड़ एवं लेखक नवीन मिश्रा थे। पुरुषोत्तमदास मिमानी, भंवरलाल राठी, नंदकुमार लढा, नंदकिशोर लाखोटिया, विजेंद्र झंवर, बृजमोहन मूंधड़ा, संजय लाखोटिया, विनोद जाजू, रामकुमार बागड़ी, गोपाल दम्मानी, निर्मला मल्ल, पंकज राठी, हरीश बल्देवा, श्रीलाल राठी, राकेश मोहता, अशोक बाहेती सहित कई गणमान्यजन मौजूद थे।

■ **हैदराबाद.** माहेश्वरी मंडल हैदराबाद (उत्तर) माहेश्वरी युवा समिति, माहेश्वरी महिला समिति के संयुक्त तत्वावधान में महेश नवमी महोत्सव के उपलक्ष्य में 21 जून को प्रातः 7 बजे प्रशांति नगर साईंबाबा मंदिर से भव्य शोभा कलशयात्रा व बाइक रैली निकाली गई। रुद्राभिषेक के मुख्य यजमान विजय राठी थे। 23 जून को कुकटपल्ली स्थित नयना गार्डन में सबेरे से विभिन्न सांस्कृतिक व मनोरंजक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। तंबोला का संचालन रोमित रांदड़, प्रतिभा पुरस्कार का संयोजन प्रमिल माहेश्वरी, पंकज दरक ने किया। शैक्षणिक पुरस्कार के प्रायोजक लोकनाथ मारू थे। भोजन व्यवस्था का दायित्व राधेश्याम मूंदड़ा, लक्ष्मीकांत झंवर ने बखूबी निभाया। मंडल मंत्री श्यामसुंदर तोषनीवाल ने सभी कार्यकर्ता, विशेष सहयोगी, विज्ञापनदाता, प्रायोजकों और उपस्थित सभी का आभार व्यक्त किया।

■ **नागपुर.** श्री बड़ी मारवाड़ माहेश्वरी पंचायत हिवरीनगर में माहेश्वरी समाज वंशोत्पत्ति दिवस भगवान महेश्वर के पूजन से प्रारंभ हुआ। नगर सभा व संस्था अध्यक्ष पुरुषोत्तम मालू व भवन ट्रस्ट अध्यक्ष राधेश्याम सारडा ने पूजा अर्चना के बाद भवन के लॉन में पौधारोपण किया। इसी दिन नगर माहेश्वरी सभा के सान्निध्य में बड़ी मारवाड़ महिला समिति के सदस्यों ने जयश्री बियाणी व लता मणियार के नेतृत्व में गुलाब शरबत का वितरण का कार्य भी किया। द्वितीय दिवस को श्री बड़ी मारवाड़ माहेश्वरी पंचायत भवन हिवरीनगर नागपुर में भव्य शोभायात्रा निकली। रथ का पूजन अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा के सभापति श्याम सोनी, नाग विदर्भ चैंबर ऑफ कॉमर्स अध्यक्ष हेमंत गांधी, नगर सभा सचिव राजेश काबरा, महेश नवमी सहसंयोजक कमल तापड़िया व संस्था सचिव रामअवतार तोतला ने किया।

'जो लोग आपके पद, प्रतिष्ठा और पैसे से जुड़े हैं,
वो लोग केवल 'सुख' में आपके 'साथ' खड़े रहेंगे
और
जो लोग आपकी वाणी, विचार और व्यवहार से जुड़े हैं,
वो लोग 'संकट' में भी आपके 'लिये' खड़े रहेंगे?'

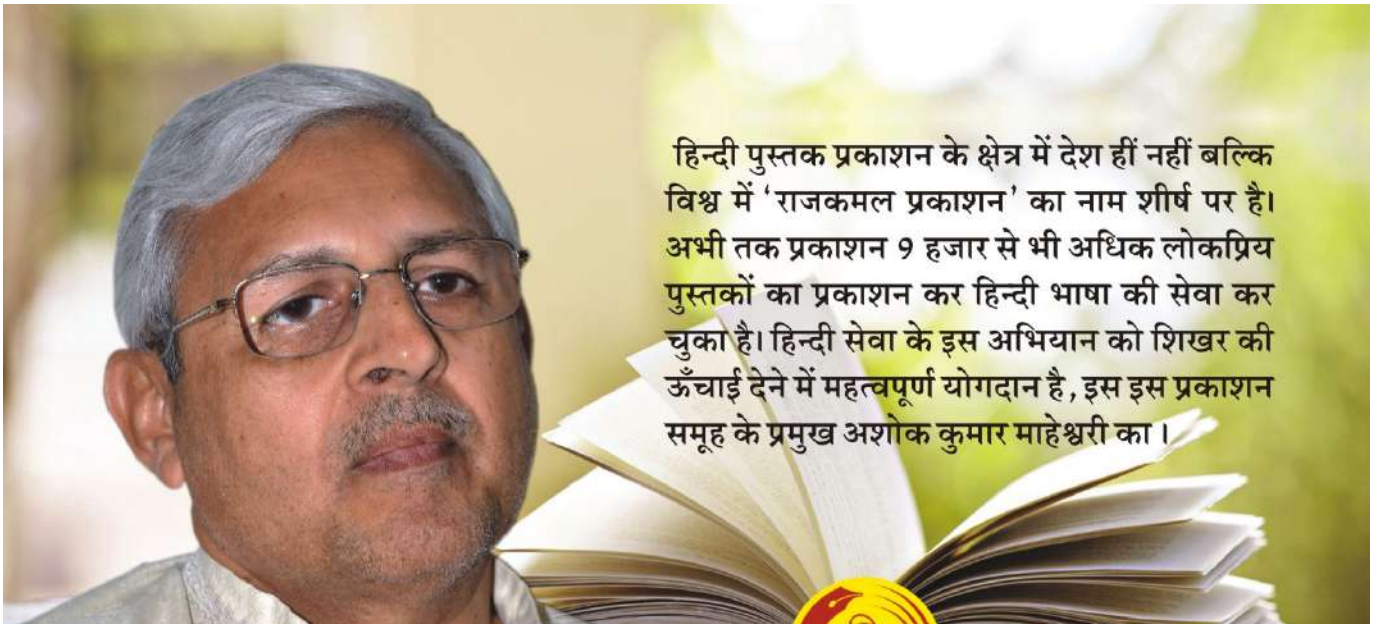

हिन्दी पुस्तक प्रकाशन के क्षेत्र में देश हीं नहीं बल्कि विश्व में 'राजकमल प्रकाशन' का नाम शीर्ष पर है। अभी तक प्रकाशन 9 हजार से भी अधिक लोकप्रिय पुस्तकों का प्रकाशन कर हिन्दी भाषा की सेवा कर चुका है। हिन्दी सेवा के इस अभियान को शिखर की ऊँचाई देने में महत्वपूर्ण योगदान है, इस इस प्रकाशन समूह के प्रमुख अशोक कुमार माहेश्वरी का।

हिन्दी साहित्य के 'राजकमल' अशोक कुमार माहेश्वरी

देश सेवा का जज्बा माहेश्वरी खून में किस तरह रचा बसा है, इससे हिन्दी भाषा की सेवा के क्षेत्र में माहेश्वरी समाजजनों द्वारा दिया गया योगदान स्वयं गवाह है। सेठ श्री गोविन्ददास मालपानी ने हिन्दी को राष्ट्र भाषा बनाने के लिये अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया। इसके लिये वे सशक्त रूप से अपनी ही पार्टी के विरोध में आ खड़े हुए थे। उन्होंने हिन्दी साहित्य सृजन में अपना जो योगदान दिया वह इतिहास के स्वर्णिम पृष्ठों में अंकित है। ठीक ऐसी ही हिन्दी भाषा की सेवा के क्षेत्र में माहेश्वरी समाज द्वारा दी गई अनुपम सौगात है, वर्तमान में यह मात्र एक प्रकाशन ही नहीं बल्कि प्रकाशन समूह बन चुका है। शायद ही कोई हिन्दी साहित्य प्रेमी हो जो 'राजकमल प्रकाशन' से अनजान हो, क्योंकि हिन्दी साहित्य की जितनी भी अनमोल पुस्तकें प्रकाशित हुई हैं इनमें से अधिकांशतः इसी प्रकाशन समूह द्वारा प्रकाशित हैं। यही कारण है कि राजकमल प्रकाशन अपने नाम के अनुरूप सभी प्रकाशनों में राजकमल की तरह ही सुशोभित है और इसे वर्तमान में नेतृत्व प्रदान कर रहे हैं, अशोक कुमार माहेश्वरी

कई प्रतिष्ठित प्रकाशनों का साथ

राजकमल प्रकाशन समूह में वर्तमान में राजकमल प्रकाशन, राधाकृष्ण प्रकाशन नईदिल्ली व लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद जैसे प्रतिष्ठित प्रकाशन श्री माहेश्वरी के नेतृत्व में हिन्दी भाषा और साहित्य के क्षेत्र में अपना योगदान दे रहे हैं। समूह अभी तक श्री नरेश मेहता, भैरव प्रसाद गुप्त, यशपाल, मैथिलीशरण गुप्त, महाश्वेता देवी, गिरिश कर्नाड, मन्नु भंडारी, राजेन्द्र यादव आदि सहित देश के लगभग सभी प्रख्यात लेखकों की पुस्तकों का प्रकाशन कर चुका है। चन्द्रशेखर, के.के. बिड़ला, सुशील कुमार शिंदे, वी.पी. सिंह, अमर्त्य सेन, कुलदीप नैय्यर, सिद्धार्थ, वीरप्पा मोईली, एच.एस. रजा, परमजीतसिंह, हकूशाह, गुलजार, जावेद अख्तर, कैफी आजमी, कृष्णा सोबती, डॉ. नामवरसिंह आदि कई प्रसिद्ध विभूतियों की प्रसिद्ध पुस्तकों को प्रकाशन के गौरव भी समूह प्राप्त कर चुका है। विश्व के क्लासिकल साहित्य की कई विश्व विख्यात पुस्तकों का प्रकाशन भी उनके प्रकाशन से ही हुआ है।

कैसे हुई थी प्रकाशन की शुरुआत

प्रकाशन समूह के प्रमुख अशोक कुमार माहेश्वरी का जन्म हापुड़ (उ.प्र.) में स्व. श्री प्रेमचन्द्र 'महेश' व श्रीमती शिरोमणी देवी के यहां हुआ था। पिताजी श्री महेश शिक्षक तो थे ही, साथ ही एक समर्पित हिन्दी सेवी व साहित्यकार भी थे। उन्होंने भी हिन्दी साहित्य की विभिन्न विधाओं में अपना योगदान दिया है। इसी हिन्दी सेवा भावना के कारण उन्होंने वर्ष 1965 में कमलानगर, नईदिल्ली से लघु रूप में वाणी प्रकाशन की शुरूआत की थी। उनके समर्पित प्रयासों से यह प्रकाशन देश के प्रतिष्ठित लेखकों के बीच लोकप्रियता प्राप्त करता चला गया। इसे श्री अशोक जी के पिताजी के साथ ही माता श्रीमती शिरोमणी देवी भी सम्भाली थी। उनका लक्ष्य प्रारंभ से ही हिन्दी सेवा था। अतः उन्होंने सिर्फ हिन्दी पुस्तकों का प्रकाशन ही अपना प्रमुख लक्ष्य बनाकर रखा। श्री 'महेश' का हिन्दी प्रेम इतना अधिक था कि वे अपने दो माह के ग्रीष्मावकाश को दक्षिण भारत में बिताकर वहां हिन्दी भाषा का प्रचार प्रसार करते थे। बस बचपन से ही देखी माता-पिता की हिन्दी सेवा भावना श्री माहेश्वरी के अन्तर्मन मे बस गई।

असमय ही सम्भालनी पड़ी जिम्मेदारी

जब अशोक कुमार माहेश्वरी मात्र 20 वर्ष के थे और स्नातक स्तर की पढ़ाई कर रहे थे। ऐसे समय वर्ष 1978 में पिताजी श्री महेश का

> श्री अशोक माहेश्वरी, माहेश्वरी समाज के ही नहीं अपितु देश के रत्न है। इस मायने में कि वे राष्ट्रभाषा हिन्दी में आला दर्जे की किताबों का प्रकाशन कर चार दशकों से हिन्दी की सेवा कर रहे हैं। हिन्दी का एक-एक पाठक 'राजकमल प्रकाशन समूह' की गरिमा से अवगत है। उसे विश्वास है कि राजकमल ने जो भी प्रकाशित किया है इसका मतलब वह उच्चतम कोटी का है। यह श्री माहेश्वरी को मिले पैतृक संस्कार और खुद उनकी हिन्दी के प्रति वचनबद्धता और साहित्य के प्रति निष्ठा का नतीजा है।

देहावसान हो गया। जो 20 वर्ष की उम्र मौजमस्ती की होती है ऐसी उम्र मे सम्पूर्ण परिवार की जिम्मेदारी उनपर आ गई। घर चलाना भी एक चुनौती थ। बस पिताजी के प्रकाशन द्वारा छापी गई पुस्तकें बेचकर घर चलाना प्रारंभ कर दिया। फिर इनके अन्दर पिताजी की सोच व हिन्दी सेवा भावना को पंख लगाने की इच्छा उत्पन्न हो गई और चल पड़ा कारवां शिखर की ओर। लघु वाणी प्रकाशन वृहद स्वरूप लेता चला गया। स्वयं ने भी हिन्दी सेवा के लिये हिन्दी विषय से एम.ए. की परीक्षा उत्तीर्ण की। पिताजी के जो आदर्श थे, वे वैसे ही बने रहे। भाषा की शुद्धता व स्तर से कोई समझौता नहीं। उन्होंने भी आर्थिक लाभ का मोह पाले बिना सिर्फ हिन्दी पुस्तकों का प्रकाशन ही किया।

ऐसे लिया प्रकाशन समूह का स्वरूप

श्री माहेश्वरी ने वर्ष 1988 में प्रतिष्ठित प्रकाशन ''राधाकृष्ण प्रकाशन-दिल्ली'' का कार्यभार संभाला। यह ऐसा प्रकाशन था, जो लम्बे समय से हिन्दी साहित्य की अविस्मरणीय सेवा कर रहा था। वर्ष 1991 में भाईयों के बीच व्यावसायिक बटवारा हुआ, जिसमें श्री माहेश्वरी ने 'वाणी प्रकाशन' की बागडोर अपने भाई अरूण माहेश्वरी को सौंप दी और स्वयं के पास 'राधाकृष्ण प्रकाशन' रह गया। फिर वर्ष 1994 में ख्यात प्रकाशन 'राजकमल' को अधिग्रहित कर लिया। राजकमल प्रकाशन वह प्रतिष्ठित प्रकाशन है, जिसे ओमप्रकाश अग्रवाल जैसी हस्तियों ने पोषित कर विशाल स्वरूप तक पहुंचाया था। श्री माहेश्वरी का सफलता का कारवां यहीं नहीं थमा वर्ष 2005 में उन्होंने इलाहाबाद के प्रतिष्ठित 'लोकभारती प्रकाशन' को भी अधिग्रहित कर लिया।

कई शहरों में शाखाऐं

वर्तमान में में अपने तीनों प्रकाशनों के साथ श्री माहेश्वरी अपने कुशल नेतृत्व में राजकमल प्रकाशन को एक समूह का स्वरूप दे चुके है। समूह दिल्ली के साथ ही इलाहाबाद, पटना, कोलकाता व मुम्बई स्थित अपने कार्यालयों के माध्यम से भी काम कर रहा है। श्री माहेश्वरी राजकमल प्रकाशन प्रा.लि. नई दिल्ली के चेयरमेन व मेनेजिंग डायरेक्टर हैं। आज स्थिति यह है कि राजकमल प्रकाशन समूह से पुस्तक का प्रकाशन साहित्य सृजन के क्षेत्र में अत्यंत गौरव की बात मानी जा रही है। वर्तमान में भी लगभग 90 प्रतिशत उत्कृष्ट साहित्यकारों की रचनाएं इसी के द्वारा प्रकाशित हो रही हैं।

हिन्दी सेवा के प्रति समर्पित

श्री माहेश्वरी ने न केवल उत्कृष्ट हिन्दी पुस्तकों का प्रकाशन किया, बल्कि स्वयं भी साहित्य सृजन में योगदान दे रहे हैं। आपने साहित्यिक पत्रिका 'समीक्षा संदर्भ' (1978-91) का सम्पादन किया और

"आप श्री अशोक माहेश्वरी से मिलकर सुखद आश्चर्य में पड़ सकते है। देश के इतने बड़े प्रकाशन समूह के मालिक होकर भी उनकी सहजता और हर किसी के साथ मिलनसारिता सीखने की बात है। वे जितना प्रकाशन के बाजार में जितनी अच्छी तरह अवगत है उतना ही बदलते जमाने के पाठकों की रूचि को लेकर चौकस हैं। यहीं वजह है कि पिछले एक दशक के दौरान राजकमल प्रकाशन ने हिन्दी साहित्य में विविध विधाओं में किताबों के प्रकाशन से नई पीढ़ी के पाठकों का दिल जीत लिया हैं। वे खुद गर्व के साथ कहते है हिन्दी हमारी रोजी-रोटी है और हिन्दी ही हमारा अभिमान। हिन्दी में काम करते हुए जीवन यहां तक आया है, आगे भी ऐसा ही करते रहेंगे।"

राजकमल समूह की पत्रिका 'प्रकाशन समाचार' के प्रकाशक हैं। ख्यात पत्रिका 'आलोचना' के वर्ष 2000 से प्रबंध सम्पादक के रूप काम कर रहे हैं। श्री माहेश्वरी ने 'गोनु झा की अनोखी दुनिया', मुल्ला नसीरूद्दीन की अनोखी दुनिया, गोपाल भांड की अनोखी दुनिया, शेखचिल्ली की अनोखी दुनिया, तेनालीराम की अनोखी दुनिया, अकबर बीरबल की अनोखी दुनिया, अकबर बीरबल की नोकझोक, मुल्ला नसीरुद्दीन की कहानियाँ, गोपाल भांड की कहानियाँ, तेनालीराम की कहानियाँ, गोनु झा की कहानियाँ, बीरबल की कहानियां, शेख चिल्ली की कहानियाँ आदि लोककथा संग्रह के साथ ही ख्यात पुस्तक 'नोबेल पुरस्कार विजेता कोश' का लेखन भी किया है। प्रकाशन समूह द्वारा गत 10 वर्षों से हिन्दी भाषा के उत्थान के लिये अहिन्दी भाषी क्षेत्रों में छात्रवृत्ति भी प्रदान की जाती रही है। वर्तमान में वे तेलगु, तमिल, कन्नड़, मराठी, बंगाली, मलयालम, गुजराती, असमी, उड़िया व मैथिली आदि के साहित्य का हिन्दी में प्रकाशन भी कर रहे हैं।

सेवा ने दिलाया सम्मान

श्री माहेश्वरी प्रकाशन व हिन्दी भाषा की सेवा के लिये सुभाषचन्द्र जैन स्मृति न्यास सम्मान-नजीबाबाद, ज्ञान प्रकाश अवार्ड-दिल्ली, उत्कर्ष सम्मान-कानपुर, विद्याभारती सम्मान-दिल्ली तथा सर्वभारतीय भाषा सम्मेलन सम्मान-नागपुर सहित कई प्रतिष्ठित सम्मानों से अलंकृत हुए हैं। इतना ही नहीं प्रकाशन क्षेत्र के प्रतिष्ठित सम्मान 'फेडरेशन ऑफ इंडियन पब्लिशर अवार्ड' से तो वर्ष 2002 से प्रतिवर्ष सतत रूप से इनकी पुस्तके सम्मानित होती चली आ रही हैं। बेटे अमोद व अलिंद भी हिन्दी सेवा के इस अभियान से व्यावसाय में सहयोगी के रूप में जुड़ चुके हैं और तीसरे सुपुत्र अनन्य अभी अध्ययनरत हैं।

हिन्दी साहित्य का रूझान कायम

श्री माहेश्वरी का कहना है, यह भ्रम है कि हिन्दी किताबों की ओर पाठकों का रूझान घटा है। कुछ क्षेत्र विशेष की पुस्तकों को छोड़ दिया जाए, तो हिन्दी पुस्तकों की लोकप्रियता इतनी अधिक है कि अंग्रेजी भाषा की पुस्तकों के प्रकाशक उनका अंग्रेजी अनुवाद करवाते हैं। बेस्ट सेलर बुक के मापदंड के सवाल पर श्री माहेश्वरी का कहना है कि वैसे अभी इसका कोई सर्वमान्य पैमाना नहीं है। हम एक वर्ष में 10 हजार प्रति की

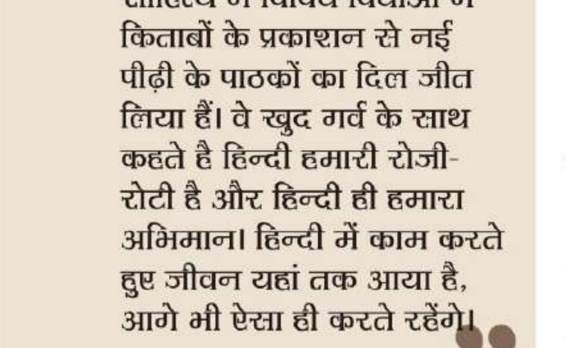

बिक्री पर पुस्तक को बेस्ट सेलर मानते हैं। वैसे जागरण नेल्सन मार्केटिंग एजेंसी सर्वे के आधार पर बेस्ट सेलर अवार्ड दे रहा है, उससे स्थिति स्पष्ट हो रही है। इलेक्ट्रानिक माध्यमों के मामले में श्री माहेश्वरी का कहना है कि इनसे प्रिन्टेड पुस्तकों के प्रकाशन में कमी नहीं बल्कि वृद्धि ही होगी। राजकमल प्रकाशन की बहुत सी पुस्तकें ई-बुक व ऑडियों बुक्स के रूप में भी उपलब्ध हैं। युवा वर्ग के लिये श्री माहेश्वरी संदेश देते हैं कि यदि वे सफल होना चाहते हैं तो जो भी करें मन से करें और अपना शतप्रतिशत योगदान दें। श्री माहेश्वरी का कथन है कि भारत का प्रकाशन व्यवसाय सतत उन्नति की ओर ही है। यह वर्तमान में विश्व में तीसरे स्थान पर है।

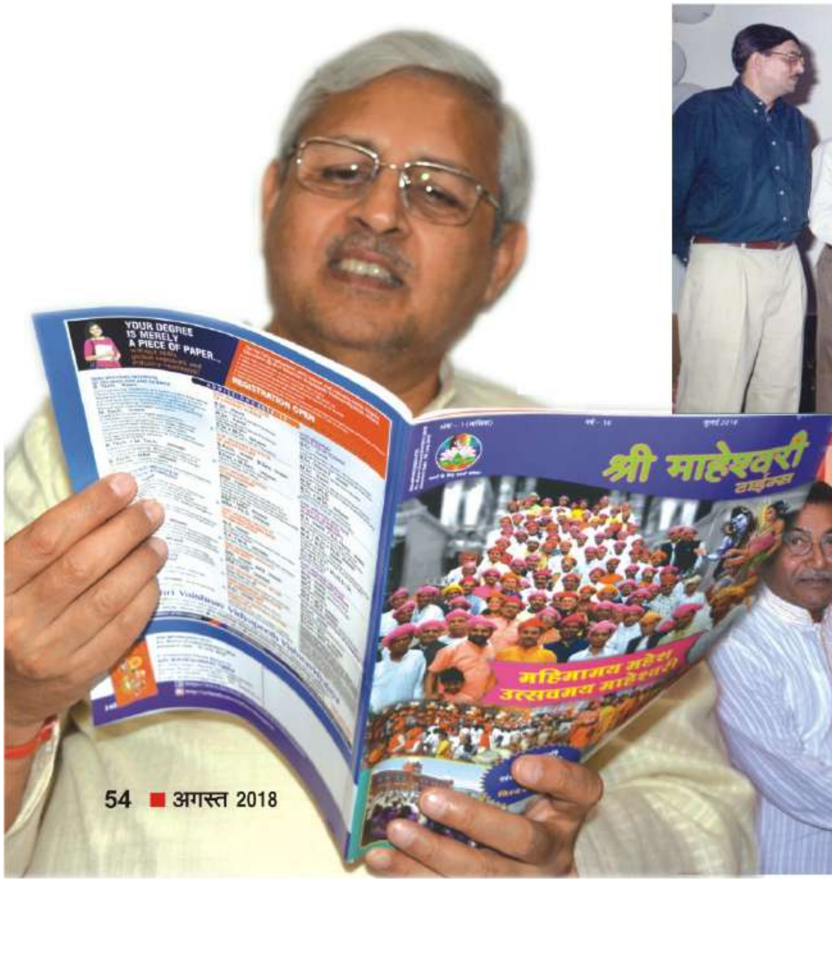

माहेश्वरी समाज के अद्भुत इतिहासकार
जागा परिवार

▸▸ टीम SMT

जागा शब्द आते ही लगभग अधिकांश माहेश्वरी समाजजनों की आंखों के सामने एक व्यक्तित्व उभर आता है, सिर पर लहरिया की राजस्थानी पगड़ी और धोती-कुर्ता धारण किए ऐसे व्यक्ति का, जो हमारे परिवार की कई पीढ़ियों की जानकारी सहेजे हैं। यही इनकी आजीविका है और पैतृक कर्तव्य भी जिसे वे कई पीढ़ियों से सतत निभाते आ रहे हैं। आईए जानें इनकी कहानी नंदकिशोर जागा चित्तौड़गढ़, बलराम जागा जावद व शिवराज डागा जावद की जुबानी।

चाहे गांव हों या शहर माहेश्वरी समाज के लिए जागा शब्द सिर्फ जाना-पहचाना ही नहीं बल्कि अत्यंत अपना सा नाम है। धोती-कुर्ता तथा सिर पर लहरिया की राजस्थानी पगड़ी पहने जब भी कोई सज्जन समाजजनों के द्वार पर पहुँचते हैं, तो पहचानने में समय ही नहीं लगता कि ये उस खांप के जागा हैं। धोती-कुर्ता और लहरिया की पगड़ी एक तरह से जागाओं का ड्रेस कोड है, जिससे उन्हें आसानी से पहचाना जा सकता है। अमूमन इनका आगमन 3 वर्ष में एक बार होता है और जब आगमन होता है तो वे हमारे कुलवंश के इतिहास के सदियों पुराने पन्ने खोलकर आश्चर्यचकित कर देने और वर्तमान की पारिवारिक जानकारी अपनी पौथी (वह बही जिसमें में रिकॉर्ड रखते हैं) में दर्ज करने में देर नहीं लगाते। आम तौर पर हम अपने परिवार की ही 6-7 पीढ़ियों को याद रख लें तो बहुत बड़ी बात है लेकिन ये कई परिवारों की हजारों पीढ़ियों का रिकॉर्ड सहेज चुके हैं।

माहेश्वरी उत्पत्ति कथा में जागा

माहेश्वरी समाज की उत्पत्ति की कहानी में जागाओं की उत्पत्ति की कहानी भी शामिल है। इसके अनुसार ऋषि श्राप से राजा सुजानकुंवर अपने 72 उमरावों के साथ पाषण हो गए थे। राजा व उमरावों की पत्नियों की 12 वर्षों की कठोर तपस्या के बाद प्रसन्न होकर इन्हें भगवान महेश ने श्राप मुक्त किया था। इन 72 उमरावों को भगवान महेश ने वैश्य कर्म प्रदान किया। वहीं राजा सुजानकुंवर को दंड स्वरूप जागा कर्म सौंपा, जिसमें उन्हें सभी की वंशावली संग्रहित करनी थी और भिक्षा मांगकर जीवन यापन करना था। लगभग 5 हजार वर्ष पूर्व की इस घटना के बाद से राजा सुजानकुंवर के सभी वंशज यही जागा कर्म कर रहे हैं। आज भी लगभग जागा परिवार संपूर्ण माहेश्वरी समाज की जानकारियों को संग्रहित करने में जुटे हुए हैं। लगभग 3 वर्ष में एक बार हर माहेश्वरी परिवार तक पहुंचकर उनकी जानकारी एकत्र करना उनकी आजीविका है।

पौथी का स्वरूप बदला पर महत्व नहीं

जागाओं के मतानुसार माहेश्वरी समाज की उत्पत्ति की कहानी लगभग 5 हजार वर्ष पूर्व की महाभारतकालीन है। उस समय से ही जागा माहेश्वरी समाज की वंशावली सहेजे हुए हैं। वे जिसमें ये जानकारी संग्रहित करते हैं, उन बहियों को वे पौथी कहते हैं। प्रारंभ में ये पौथी भोजपत्र पर तत्कालीन भाषा में लिखी जाती थी, जो आज भी संग्रहित हैं। लगभग 2 हजार वर्ष से कागज के आविष्कार के साथ पौथी का लेखन कागज पर हो रहा है। वर्तमान में तो इनका कम्प्यूटरीकरण नहीं हुआ है लेकिन संभव है कि

समाज में सेवारत जागा

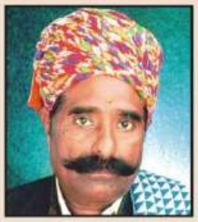
दुर्गालाल जागा
भीलवाड़ा

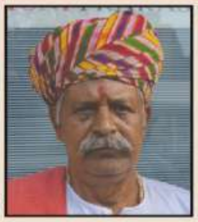
नंदकिशोर जागा
चित्तौड़गढ़

रमेश जागा
शाहपुरा

भगवान जागा
कपासन

बलराम जागा
चित्तौड़गढ़

शिवराज जागा
जावद

जगदीश जागा
भीलवाड़ा

शिवलाल जागा
रायला

गोविन्द जागा
डिडवाना/इंदौर

लाभचन्द जागा
कपासन

रामस्वरूप जागा
भीलवाड़ा

देवीलाल-ओमप्रकाश जागा
बूंदी

भविष्य में नई पीढ़ी यह परिवर्तन भी कर दे। वक्त के साथ इन पौथियों का स्वरूप सतत रूप से बदला है लेकिन महत्व वही है। समाजजनों के लिए ये उनके कुल वंश की जानकारी तो है ही, साथ ही ये कानूनी मान्यता भी रखती हैं। राजशाही से लेकर वर्तमान तक जब भी किसी संपत्ति की वसीयत को लेकर कोई विवाद खड़ा हुआ तो वहां प्रमाण के रूप में जागाओं की पौथी प्रस्तुत की जाती रही हैं। वर्तमान में भी इन पौथियों की अपनी विशेषता है। ये एक ऐसी कूट भाषा में लिखी होती हैं, जिन्हें सिर्फ जागा ही समझ सकते हैं। अभा माहेश्वरी महासभा भी इनकी सेवाओं का सदैव सम्मान करती रही है।

श्राप मुक्ति की घटना सत्तु तीज की

जागा अपने रिकॉर्ड के अनुसार माहेश्वरी समाज की उत्पत्ति 5 हजार वर्ष से भी पूर्व महाभारतकालीन मानते हैं, लेकिन उनका मत है कि 72 उमराव व सुजानकुंवर की श्राप मुक्ति की घटना महेश नवमी नहीं बल्कि सत्तु तीज को हुई थी। वे इसके समर्थन में उत्पत्ति से जुड़ी पंक्ति सुनाते हैं- 'प्रथम सन् 9 का समय शुभ मोहरत तिथि तीज भादवे जन्म्यो माहेश्वरी बादा खंडेली बीज।' उनके मतानुसार 12 वर्षों से पाषाण बने 72 उमराव व राजा सुजानकुंवर को भगवान महेश ने सत्तु तीज के दिन श्राप मुक्त कर उनकी भूख की व्याकुलता शांत करने के लिए उन्हें सत्तु भोजन के रूप में प्रदान किया था। इसके बाद वे महेश नवमी के दिन डिडवाना जाकर बसे और उन्होंने वहां से अपने वैश्य धर्म की शुरुआत की थी।

मामा फेरे की कहानी

माहेश्वरी समाज में कुछ ऐसी परंपराएं हैं, जो उनकी उत्पत्ति की कहानी के कारण अन्य राजस्थानी समाजजनों से भिन्न हैं। इनमें से ही एक है, विवाह के समय मामा फेरा। जागाओं के मतानुसार मामा फेरा का प्रचलन सिर्फ माहेश्वरी समाज में है। उत्पत्ति की कथानुसार 12 वर्षों तक उमरावों व राजा सुजानकुंवर के पाषाण बने रहने से उनका वैवाहिक जीवन तो लगभग नष्ट ही हो चुका था। अतः श्राप से मुक्ति प्रदान करने के बाद भगवान महेश ने इन सभी को वैवाहिक जीवन में प्रवेश दिलाने के लिए इनके इनकी पत्नियों से पुनः फेरे दिलवाए। ये फेरे ही परंपराओं में आज मामा फेरे के रूप में प्रचलन में हैं। कारण यही है कि भगवान महेश ने इनके माध्यम से माहेश्वरी समाज के लिए मामा की जिम्मेदारी का निर्वाह किया था।

बाहेती खांप में सगोत्र विवाह

जागाओं के अनुसार बाहेती खांप की उत्पत्ति 72 उमरावों में से एक बेहड़सिंह से हुई है। जब 72 उमराव श्राप से मुक्त हुए तो भगवान महेश व माता पार्वती को न पहचानते हुए वे अपने साथियों को पीछे छोड़ आगे बढ़े। अतः माता पार्वती ने उन्हें वंशद्रोही का श्राप दिया। इस श्राप के कारण ही संपूर्ण माहेश्वरी समाज में केवल बाहेती खांप में सगोत्र विवाह का प्रचलन है। अन्य किसी खांप में ऐसा नहीं है। वैसे वर्तमान में सगौत्र का अर्थ बाहेती खांप की उपखांपों के मध्य विवाह ने ले लिया है।

जागाओं के अनुसार माहेश्वरी

जागाओं के अनुसार माहेश्वरी शब्द का शाब्दिक अर्थ अधिक वृहद होकर शिव व पार्वती दोनों से जुड़ा है। उनके अनुसार माहेश्वरी शब्द महेश अर्थात भगवान महादेव तथा श्री अर्थात माता पार्वती दोनों से मिलकर बना है। कारण है माहेश्वरी समाज की उत्पत्ति में भगवान महेश व माता पार्वती दोनों का योगदान रहा है। दोनों की कृपा से ही 72 उमराव व राजा सुजानकुंवर श्राप मुक्त होकर सामान्य रूप में आए थे। प्रारंभ में साढ़े 72 खांप माहेश्वरी मानी जाती थी। अब इसमें कुल 76 खांप शामिल हैं।

खतरे में है जागा संस्कृति

भीलवाड़ा के जगदीश जागा का कहना है कि वर्तमान में जागा संस्कृति खतरे में है। इसका कारण माहेश्वरी समाज संगठनों द्वारा जागाओं की उपेक्षा करना। यहा तक कि महासभा ने भी जागाओं के लिये आज तक कोई योजना नहीं बनाई हैं। समाज में भी जागाओं का मान-सम्मान पूर्व की तरह नहीं रहा। यहीं कारण है कि जागा परिवारों की युवा पीढ़ी इस परम्परा और संस्कृति से दूर होती जा रही है। वे जागा कर्म करने के स्थान पर अन्य व्यवसायों में सक्रिय होने लगी है। यदि यहीं स्थिति रही तो ''जागा'' शब्द अतीत की बात बनकर रह जाएगा।

माहेश्वरी समाज का प्रमुख त्योहार
सत्तु तीज

वैसे तो माहेश्वरी समाज की मूल संस्कृति मारवाड़ी है। अतः समाजजन मारवाड़ के लगभग सभी व्रत त्योहार मनाते हैं। इसके बावजूद सत्तू तीज अर्थात् सातुड़ी तीज एक ऐसा पर्व है, जो माहेश्वरी समाज ही विशेष रूप से मनाता है। आईये देखें क्यों है यह हमारे लिए खास?

▸▸ आशा मंत्री, उज्जैन

अलिखित रूप में इतिहास को जीवित रखने का और किसी भी घटना को मानस पटल से विस्मृत न होने देने का सरलतम रूप है "पर्व एवं त्यौहार"। माहेश्वरी समाज द्वारा मनाएं जाने वाले विभिन्न तीज-त्यौहार सामान्यतया सभी समाजों में मनाएं जाते है, लेकिन सिर्फ भादवा बदी तीज जिसे हम सातुड़ी तीज के रूप में मनाते है, एक ऐसा त्यौहार है जो सिर्फ माहेश्वरी समाज द्वारा ही पूर्ण निष्ठा एवं उत्साह के साथ मनाया जाता है। अपवाद स्वरूप माहेश्वरी समाज के वंशोत्पत्ति के चित्र में दिखाये गये बहत्तर उमरावों के पुनर्जीवित होने के साक्षी छह ऋषियों के वंशज ब्राह्मण समाज द्वारा भी सातूड़ी तीज का त्यौहार उसी उत्साह एवं उमंग से मनाया जाता है।

उत्पत्ति से जुड़ा सत्तू

प्राचीन मान्यताओं के माध्यम से प्रतिपादित किया गया है कि श्रापवश 72 उमराव पत्थर की प्रतिमा में परिवर्तित हो गए थे। तब उनकी पत्नियों ने अपनी तपस्या से भगवान शिव व माता पार्वती को प्रसन्न किया और तब भगवान शिव ने उन उमरावों को पुनः जीवन प्रदान किया। इन उमरावों ने पुनः जीवन पाकर तत्काल तलवार आदि शस्त्रों का त्याग कर तराजु को ग्रहण किया एवं माहेश्वरी समाज की स्थापना की। जिस समय भगवान शिव ने उमरावों को पुनः जीवन दिया, उस वक्त उन्हें भूख लगी एवं भोजन के लिए अन्य वस्तु वहां उपलब्ध न होने से प्रभु के आदेश पर वहाँ पर उपलब्ध बालूरेती के पिंड बनाये गए एवं भगवान शिव ने मंत्र द्वारा उन रेत के पिंडों को "सत्तु" के पिंडों में परिवर्तित कर दिया। ये सत्तु पिंड खाकर हमारे पूर्वजों ने अपने पेट की ज्वाला शांत की एवं क्षत्रिय वर्ण से वणिक वर्ण की ओर नई जीवन यात्रा माहेश्वरी के रूप में प्रारंभ की। उपरोक्त विश्लेषण से स्पष्ट है कि माहेश्वरी समाज अपने जन्म दिवस भादवा बदी तीज को विशिष्ट पर्व सातुड़ी तीज के रूप में अनादि काल से मनाता रहा है। जिस तरह तलवार एवं कृपाण से पिंडों को बड़े कर हमारे पूर्वजों द्वारा खाया गया था उसी तरह आज भी चाकू से पिंडों को बड़े (काटना) करने की परम्परा चली आ रही है।

सौभाग्य का पर्व है सत्तू तीज

हिंदू धर्म में महिलाओं के लिए सुहाग ही सर्वोपरि होता है। जिस तरह 72 उमरावों के भगवान शिव एवं माता पार्वती के आशीर्वाद से पुनः जीवित होने पर उनकी पत्नियों में हुई असीम खुशी ने एक महोत्सव का रूप धारण कर लिया एवं अनेक दिनों से तपस्या में लीन महिलाओं ने अपना उपवास जंगल में उपलब्ध कच्चे दूध, ककड़ी, नीम्बू एवं प्रभु द्वारा प्रदत्त सत्तु को ग्रहण करके तोड़ा। ठीक उसी प्रकार आज भी माहेश्वरी महिलाएं तीज के दिन उपवास रखकर शाम को नीमड़ी की पूजा करके, चंद्र दर्शन कर अर्घ्य देती हैं, एवं अपना उपवास कच्चे दूध, सत्तु, ककड़ी व नीबू पास कर तोड़ती हैं। घर का जो भी सदस्य घर से दूर रहता है, वो अवश्य ही तीज के दिन घर पहुँचने का प्रयास करता है। विवाहोपरांत प्रथम तीज मनाने के लिए परिवार वाले दामाद को आमंत्रित भी करते हैं। परिवार में जितने सदस्य हैं, उतने ही सत्तू के पिंडे बनाये जाते हैं जो गेहूं, चना, चावल व मगज के बनते हैं।

इस तरह मनाते हैं सत्तु तीज

दो बहनों के रूप में याद किये जाना वाला यह त्यौहार छोटी तीज बनकर सावन मास के तृतीया (शुक्ल पक्ष) को आता है। इसकी पूर्व संध्या पर सिंजारा होता है। इस अनूठे पर्व पर व्यंजनों की भरमार होती है। खूब मान-मनवार कर एक-दूजे को खिलाया जाता है। छोटी तीज पर युवतियां एवं सुहागिन महिलाऐं हाथों में मेहंदी लगाती हैं और गीत गाये जाते हैं.....

"मेहंदी मांडी राचणी, आयों तीजोंरो त्यौहार
रिमझिम बरसै बादली, ठण्डी पड़ै फुहार........।"

छोटी तीज के पंद्रह दिन पश्चात अर्थात भादवा के कृष्ण पक्ष की तृतीया को बड़ी तीज आती है। इसके पहले दिन द्वितीया को सिंजारा आता है। इस दिन भी हाथों पर मेहंदी रचायी जाती है। नाना प्रकार की मिठाइयां बनायी एवं खिलाई जाती है। दूसरे दिन बड़ी तीज आ पहुँचती है। पूरे दिन उपवास कर संध्या समय युवतियां एवं सुहागन महिलाऐं सोलह श्रृंगार कर मिट्टी का एक पाल बनाकर उसमें नीम की डाली व बोट्टी लगाकर उसमें जल एवं कच्चे दूध से भर कर उसे पूजती हैं। इसके पीछे भी वृक्षारोपण का ही महत्व है। पूजा के समय पाल में संचित दूध और पानी में दीपक, सत्तु, चुंदड़ी, रूपा, नथ, नींबू एवं ककड़ी आदि महिलाएं एक दूसरों को बता कर पूछती है, 'लिंबेडी म चूंदडी दिखी '। दूसरी कहती है, 'दिखी जीसी लुटी', इसके पीछे का तात्पर्य है कि जिस तरह दीपक स्वयं जलकर दूसरे को उजियारा देता है वैसे ही हम स्वयं निज सुख को जलाकर अपने परिवार के काम आऐं। सत्तु, नींबू, ककडी यह स्वास्थ्यवर्धक व चूंदडी, रूपा, नथ ये अखण्ड सुहाग की मनोकॉमना की ओर इशारा करते हैं। चंद्रदर्शन पश्चात पति-पत्नी एक साथ पिण्डा पासाते हैं। आंकड़े के पान से सात बार दूध पिया (पासा) जाता है। उसी समय पूछा जाता है, 'दूध से धापी कि सुवाग नू धापी'। जवाब मिलता है ,'दूध नू धापी सवाग नू कोनी धापी।'

लड़के-लड़कियों के रिश्ते ढूँढना हुआ बेहद आसान
हमारी वेबसाइट है
इसका सही समाधान

High Status,
Middle Status,
NRI, Manglik, Non Manglik,
Biodata MBA, MCA, Doctor,
Engg. Biodata, CA, CS,
ICWA Biodata

Graduate,
Post Graduate Biodata
Professional Biodata
Businessman Biodata
Service Class Biodata

माहेश्वरी समाज के लिए
60 हजार से अधिक

जैन समाज के लिए
70 हजार से अधिक

अग्रवाल समाज के लिए
1 लाख से अधिक

Website
www.maheshwari.org
www.jain2jain.org
www.agrawal2agrawal.org

Registration Free

Registration Free

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें-

39/1, Old Rajendra Nagar, New Delhi-110060
Phones :011-25746867, M. : 093129 46867

समाज में बढ़ते विवाह–विच्छेद जिम्मेदार कौन?

समाज एक अत्यंत विकट स्थिति से गुजर रहा हैं सात जन्मों के लिये जोड़े गये रिश्ते दाम्पत्य के मधुर शिते 7 माह भी नहीं टिक पाते। एक समय था जब माहेश्वरी वसमाज में विवाह-विच्छेद के मामलों की संख्या लगभग नगण्य ही थी, लेकिन आज रिश्ता टिक जाऐ तो अहो भाग्य माना जा रहा है। आखिर विगत कुछ दशकों में ऐसा क्या हुआ? कौन सी स्थिति और कौन है, इनके लिये जिम्मेदार? क्या समाज संगठन ने इन्हें रोकरने का कोई ठोस प्रयास किया? समाज की इस ज्वलंततम समस्या पर समाज के प्रबद्ध पाठकों से उनके बेबाक विचार आमंत्रित है। इस समस्या के समाधान के लिये क्या किया जाऐ, इसे भी अवश्य चिन्हित करें। आपके विचार समाज के लिये पथ प्रदर्शक सिद्ध होंगे।

परस्पर निर्भरता का समाप्त होना

विवाह विच्छेद के लिए जिम्मेदार मूल तत्व है, परस्पर निर्भरता का समाप्त होना। आर्थिक व पारिवारिक रूप से पति-पत्नी दोनों परस्पर एक-दूसरे पर निर्भर रहकर एक परिवार का निर्माण करते हैं। वर्तमान में सभी के आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर होने से परस्पर निर्भरता समाप्त होती जा रही है। वर्तमान शिक्षा पद्धति में नैतिकता का मूल्य शून्य है और भौतिकता को ही विकास, संपन्नता, सामाजिकता व खानदान का प्रतीक माने जाने लगा, जिसकी वजह से परस्पर तनाव बढ़े। एक-दूसरे पर निर्भरता नहीं होने से अहंकार बढ़ा और अहंकार की वजह से तलाक बढ़े। समाज को सभी की शिक्षा पर ध्यान देना चाहिए पर साक्षरता व डिग्री केंद्रित शिक्षा केवल रोजगार का साधन उपलब्ध कराती है। वह हमें नैतिक सामाजिक चारित्रिक मूल्यों से दूर रखती है। परस्पर परिवारों की पारस्परिक निर्भरता समाज व समाजों की परस्पर निर्भरता राष्ट्र का निर्माण करती है। वर्तमान राष्ट्रीय परिदृश्य में प्रथम से लेकर अंतिम कड़ी तक टूटी नजर आती है, जो हर दृष्टि से हानिकारक है। समाज को अपना उत्तरदायित्व निर्वहन करते हुए परिवार में परस्पर निर्भरता कैसे बढ़े इस पर चिंतन करना चाहिए, जिससे इस समस्या से मुक्ति मिल सके।

कैलाशचंद्र सोमानी, भीलवाड़ा

तलाक' होने का मुख्य कारण पुरुष मानसिकता

तलाक होने का मुख्य कारण पुरुष मानसिकता का आज भी 18वीं शताब्दी का ही होना है। महिलाएं कुछ काम करें, कमाएं लेकिन फिर भी घर के सारे काम आज्ञाकारी बनकर करें। शिक्षित एवं आर्थिक रूप से सशक्त हो चुकी महिलाओं को यह स्थिति नागवार होती है। वह काम और सम्मान दोनों में समानता चाहती हैं। दूसरा कारण लड़कियों का लालन पालन भी पूर्ण रूपेण लड़कों की तरह होने लगा है, सुबह देर से उठना, घर के कार्यों से दूर रहना एवं माता-पिता व पीहर पक्ष का अत्यधिक हस्तक्षेप? हम दो की मानसिकता आदि-आदि तलाक से बचना है तो समाज नारी को नारी ही रहने दे और परिवार परंपरा को आगे बढ़ाएं। प्रकृति भी परम पुरुष के बिना सक्षम नहीं है, वह भी उसके संरक्षण में है, वैसे ही नारी भी मानव धर्म, राष्ट्र धर्म एवं सदाचरण के द्वारा सशक्त एवं सबल है। पति-पत्नी दोनों ही एक-दूसरे के प्रति तथा एक-दूसरे के परिवार के प्रति उदार भाव बनाए रखें तभी वैवाहिक संबंधों में स्थायित्व आए एवं सौहार्द्रता बनी रहेगी।

डॉ.वासुदेव काबरा,
जिला अध्यक्ष उज्जैन जिला माहेश्वरी सभा

ईगो व पाश्चात्य संस्कृति प्रमुख कारण

वास्तव में समाज में संबंध विच्छेद की घटनाएं अत्यधिक बढ़गई हैं। मेरे विचार में इनका मुख्य कारण संयुक्त परिवारों का टूटना, एक-दूसरे का ईगो होना, पाश्चात्य संस्कृति को अपनाना, संस्कारों की कमी, माता-पिता द्वारा बच्चों के निर्णयों को मानना, इंटरनेट का ज्यादा यूज होना, बड़ों का सम्मान नहीं होना, आपसी संबंधों की कमी आदि प्रमुख कारण हैं।

समाज संगठन को रिश्तों को टूटने से बचाने के लिए हर जगह पर पारिवारिक समन्वय समिति का गठन करना चाहिए। कोर्ट की तरह समाज की भी अदालतें हों, जिसमें समाज के वरिष्ठ लोगों का सहयोग लें। समाज संगठन अभी तक इस समस्या पर अधिक गंभीर नहीं हुआ है। यदि यही स्थिति रही तो समाज के अस्तित्व के लिए घटती जनसंख्या से बड़ा खतरा यही सिद्ध होगा।

ओमप्रकाश गट्टानी,
भीलवाड़ा

विवाह विच्छेद क्यों ये मतभेद

संबंध विच्छेद सिर्फ कम समय के अंतराल में ही नहीं हो रहे हैं बल्कि 17/20 वर्ष विवाह के बाद भी तलाक हो रहे हैं। हमने ऐसी बहुत सी समस्याओं का समाधान निकालने की कोशिश की है, जहां कहीं सफल भी हुए है तो असफल भी। आज के जमाने में शिक्षित बच्चे अपने अभिभावक से दो कदम आगे चलते हैं। हमें यदि उनके साथ चलना है तो उनकी सोच, इच्छाएं और उद्देश्यों को जानना होगा और मान्यता देनी भी होगी क्योंकि ये सब उनके दिल और दिमाग में गहरी पैठ बना चुकी हैं। यह इसीलिए कि वो अपनी परिपक्तव उम्र की दहलीज पर कदम रख चुके हैं। ऐसी स्थिति में विवाह बाद उनकी इच्छाएं, उद्देश्य, भावनाओं के प्रति कमी आने से वो सहज एक-दूसरे की कमियां खोजते हैं। उनके इस सहनशीलता अभाव वाले स्वभाव के लिए हम खुद जिम्मेदार हैं। पैतृक संपत्ति की लड़ाई, संयुक्त परिवार का विघटन, एक-दूसरे से परिवार में ही प्रतिस्पर्धा आदि बहुत कुछ उन्हें समय से पहले ही परिपक्व बना कर थोड़ा सा आत्मकेंद्रित बना देती है।

- शोभा सदानी,

पूर्व राष्ट्रीय अभा माहेश्वरी महिला संगठन

उच्च महत्वाकांक्षा प्रमुख कारण

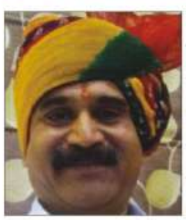

समाज में बढ़ते विवाह विच्छेह के लिए जिम्मेदार लड़के एवं लड़कियों एव उनके माता-पिता की उच्च महत्वाकांक्षा है। पति-पत्नी में आपसी सामंजस्य, समन्वय व वैचारिक समानता का अभाव भी प्रमुख कारण है। परंपराएं व रूढ़ियां भी समस्याओं के निर्माण के लिए करणीभूत हैं। दहेज की विकराल समस्या है नहीं मिलने या पूरा नहीं होने पर छला जाना, पाश्चात्य जीवन शैली, क्लब संस्कृति, लड़की का परिवार की तरफ बिल्कुल ध्यान न देना, होने वाले बच्चे-बच्चियों की परवरिश में नितांत कमी भी इसके कारणों में शामिल है। प्रेम विवाह-विवाह के पश्चात दोनों को एक-दूसरे में गुण कम और दोष ज्यादा दिखते हैं। यहीं से झगड़ों की शुरुआत हो जाती है। अनमेल विवाह अर्थात कम उम्र की लड़की ज्यादा उम्र का लड़का होने पर भी अधिकांश संबंध ज्यादा नहीं चल पाते।

- गोपाल जागेटिया

परिस्थिति व हम सभी जिम्मेदार

इसके लिये हम किसी एक को जिम्मेदार नहीं मान सकते। कंही ना कही इसके पीछे कुछ हद तक हम सब, परिस्थिति व वातावरण जिम्मेदार है। अपने गांव, अपने शहर में उच्च शिक्षा/नौकरी नहीं होने से बच्चों को दूसरे शहर भेजना भी जरूरी है। पहले संयुक्त परिवार था। बच्चों को सबका प्यार, सीख संस्कार मिलते थे। वह त्याग, केयरिंग, शेयरिंग, समर्पण, प्रेम, प्यार आदि घर-परिवार में अपने पारिवारिक सदस्यों में देखता था। आज परिवार सुकड़ता जा रहा है। संयुक्त परिवार प्रथा टूट गई है। बच्चा बचपन से जिद्दी, स्वार्थी हो जाता है। उसे 'नहीं' शब्द सुनने की आदत नहीं। सालों की आजादी स्वछंदता के बाद उन्हें घर, परिवार, माता-पिता, भाई-बहन, सास-ससुर की रोकटोक, पारिवारिक वातावरण बंदिश लगने लगती हैं। शादी एक जीवन का पड़ाव, सच्चाई है व एक आकर्षण है। शुरू में सब कुछ नया-नया होने से अच्छा लगता है परंतु पती-पत्नी के बीच धीरे धीरे ईगो, अहम, स्वछंदता, आजादी बीच में आने लगती है। इसमें अगर लड़का-लड़की के माता-पिता घर वाले दोनों समधी समझदारी दिखाएं, गलत को गलत कहने की हिम्मत कर संतान बेटा/बेटी को सही राह आईना दिखाने का हौसला करें तो कुछ घर उजड़ने से बच सकते हैं।

शरद गोपीदास बागड़ी, नागपुर

एकल परिवार भी एक कारण

विवाह संबंध विच्छेद एक गंभीर विषय है। भारत में तलाक का अनुपात हर राज्य में भिन्न-भिन्न है। बच्चों में कमी निकालने का अर्थ है माता-पिता की परवरिश पर भी अंगुली उठाना। पढ़ी-लिखी लड़कियां विवाह के प्रति अपेक्षा अधिक रखती हैं। अधिकांश लड़कियां विवाह के बाद संयुक्त परिवार में नहीं रहना चाहिए। अगर लड़का व लड़की दोनों जॉब करते हैं, तो यह समस्या अधिक होती है। संयुक्त परिवार में रहें तो बड़े-बुजुर्ग अपने अनुभवों से उनको समझाकर, उनकी आपस की समस्याओं को सुलझा सकते हैं पर एकल परिवार में संबंध विच्छेद की नौबत आ ही जाती है। लड़का हो या लड़की अगर छोटे गांव में रहते हैं तो उन्हें बड़े शहरों में रहना पसंद होता है। आधुनिकता के पीछे भागते हैं और फिल्म देखकर उसके अनुसार अपनी जिंदगी जीना चाहते हैं। इन्हें सबकुछ रेडीमेड चाहिए। सुबह की सब्जी, शाम को खाना पसंद नहीं करते। हां, लड़के तो थोड़ा समझौता करते हैं, पर लड़कियां उतना नहीं कर पातीं। पीहर में ससुराल की शिकायत चलती रहती है। समाधान के लिए युवाओं को मूवी के स्थान पर मेडीटेशन करना चाहिए। इससे खुदबखुद तलाक जैसी समस्या का समाधान होगा। उच्च शिक्षा भी तलाक का कारण है। शिक्षा के लिए कॅरियर के लिए शादी की उम्र निकलती जाती है। शादी के लिए चार्म नहीं रहता है। आपसी लगाव भी नहीं रहता है। विदेश जाने के लिए लालायित रहते हैं। वहां जाकर पैसे तो कमा लेते हैं, पर परिवार-संबंधों में कच्चे रह जाते हैं।

प्रमोद माहेश्वरी, भटिंडा, पंजाब

विवाह से पूर्व मेल-मिलाप

सबसे बड़ा कारण जो मैं समझती हूं वह है शादी से पहले बहुत ज्यादा मिलना जुलना तथा दूसरा ज्यादा उम्र में शादी होना। इससे दोनों की महत्वाकांक्षाओं का टकराव होता है। ज्यादा उम्र होने पर दोनों को एक-दूसरे के अनुसार ढलने में परेशानी होती है। तीसरा कारण होता है अहं क्योंकि आजकल लड़कियों को यह समझाया जाता है कि उन्हें किसी से कोई बात नहीं सुननी है। चौथा कारण लड़कियों के परिवार का लड़के की परिवार में दखलंदाजी। पांचवां कारण टेक्नोलॉजी का अत्यधिक उपयोग जिससे आपस में बोलचाल कम हो गई है और मनमुटाव ज्यादा होता है, और अंत में है धैर्य की कमी। इसका निवारण यही है कि बच्चों को शुरू से ही धैर्यवान बनाएं और रिश्तों की कदर करना सिखाए। लड़के-लड़कियों की इज्जत करना सिखाए और पारिवारिक मूल्यों पर ज्यादा ध्यान दें।

दीपिका भंडारी, राजसंमद

पर्यावरण संरक्षण

आज हम पर्यावरण की चिंता नहीं करते क्योंकि काफी हद तक सबकुछ संतुलित है। लेकिन प्रकृति के साथ-साथ खिलवाड़ इसी तरह चलता रहा तो हमारा आने वाला कल कितना भयानक होगा शायद कल्पना भी नहीं की जा सकती। अभी नहीं जागे तो हमारे हाथ से शायद सबकुछ निकल जाएगा। तो आईये इस स्वतंत्रता दिवस के पूर्व दिवस 14 अगस्त पर एक पौधा रोपकर भविष्य संवारने की एक पहल करें।

▸▸ टीम SMT

कल का सबसे बड़ा खतरा बिगड़ता पर्यावरण

स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर लगाएं एक सुरक्षित पौधा राष्ट्र के नाम श्री माहेश्वरी टाईम्स की अपील

प्रकृति एक महाशक्ति है, जिसका लक्ष्य सृष्टि का पालन है और यदि हम अपने स्वार्थ के लिए प्रकृति से अपने खिलवाड़ को नहीं रोकेंगे, तो नष्ट हो जाएंगे। जो प्रकृति आज हमारा पालन कर रही है, वही विनाश के कारण पर्यावरण ह्रास हमने इतनी तेजी से किया, जितना सामान्य चाल से लाखों वर्षों में होता है। यही कारण है कि विनाश के मुहाने पर भी हम वर्षों पूर्व पहुंच चुके हैं। यह सिर्फ काल्पनिक तथ्य नहीं है, बल्कि हमें इसे पहचानना होगा। यदि गत कुछ वर्षों से आई प्राकृति विपदाओं को देखें तो ये इसी प्रलयंकारी स्थिति के पूर्व संकेत हैं, जिन्हें हमें पहचानना होगा। कुछ वर्ष पूर्व केदारनाथ में बादल फटने से हुई भारी वर्षा के बाद हुए प्रलयंकारी भूस्लखन का दर्द हम आज भी नहीं भूल पाए हैं। भवन निर्माण व रेल तथा सड़क मार्ग के निर्माण के लिए पर्यावरणविदों की चेतावनी को अनदेखा कर जिस तरह वन विनाश किया, उसी ने इस विपदा को आमंत्रण दिया। इसमें कई जिंदगियां और भवन ताश के पत्तों की तरह नष्ट होकर रह गए। यदि कुछ वर्ष पूर्व के आंकड़ों को देखें तो भूकंप की रफ्तार इतनी कम होती थी कि इन्हें कम से कम हमारे देश में तो प्राकृतिक विपदा के रूप में देखा ही नहीं गया, लेकिन लातूर से हुई इनकी विनाशकारी शुरुआत के बाद देश का अधिकांश क्षेत्र भूकंप से प्रभावित हो रहा है।

पर्यावरण संरक्षण हमारी परंपरा

पर्यावरण संरक्षण हमारी समृद्ध परंपरा, आस्था और श्रद्धा पर आधारित है। हम पेड़, नदी, तालाब, पृथ्वी को आदिकाल से पूजते आये हैं। मानव की लालची वृत्ति से हमारी पुरातन तहजीब पर प्रदूषण हावी हो गया है। अब हम हर बात को धन से तोलने लगे हैं। हम प्रकृति से जितना लेते हैं, उतना वापस करने का कर्तव्य बनता है लेकिन करते नहीं। हमारी सोच स्वार्थ और सिर्फ पाने की होती जा रही है। शायद संसाधनों के पूरी तरह प्रदूषित अथवा समाप्त होने पर ही यह रुक पाएगी। एक पुरानी कहावत भी सही है कि प्रकृति जरूरत तो सभी की पूरी कर सकती है, लालच किसी एक का भी नहीं। हमने पिछले वर्षों में गांव से लेकर देश की राजधानी तक पर्यावरण के स्वरूप को बिगाड़ने का जो हम सबने किया है, इसकी जानकारी सभी को है। हवा-पानी और धरती, आकाश सभी कुछ प्रदूषण की चपेट में हैं, जिसे हम आसानी से समझ भी रहे हैं, देख भी रहे हैं। उसके बाद भी हम सब अनजान बने हैं।

हम जागेंगे तो कल बचेगा

भारत सरकार की 1988 में की गई घोषणा जिसमें भारत की भूमि में 33 प्रतिशत भूमि को वनों से आच्छादित करने की बात की गई थी, यह वोटों की राजनीति के चलते आज तक पूरी नहीं हो पाई। हम अपनी जिम्मेदारी भी ठीक से निभा लें तो पर्यावरण को संरक्षित रखा जा सकता है और इससे होने वाले खतरों से मानव जाति को बचाया जा सकता है। ऐसे में बिगड़ते पर्यावरण के हालातों के चलते भारत के माहेश्वरी समाज के प्रत्येक पुरुष-महिला-नौजवान युवक-युवतियों द्वारा पौधे लगाकर पेड़ बचाए जाएं। पुराने पेड़ों को बचाने, अपने घर-आंगन एवं समाज के भवनों में, धार्मिक, सार्वजनिक स्थलों, विद्यालयों व कृषि भूमि में अधिक से अधिक पौधे लगाकर इस राष्ट्रीय पुनीत कार्य में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करते हुए प्रकृति संरक्षण में योगदान दें।

स्वतंत्रता दिवस पर दें एक सौगात

श्री माहेश्वरी टाईम्स समस्त माहेश्वरी समाजजनों से अपील करती है कि स्वतंत्रता दिवस के पूर्व दिवस 14 अगस्त को एक पौधा अवश्य लगाएं। राष्ट्र की स्वतंत्रता और समृद्धि के नाम और संवारें अपनी भावी पीढ़ी का कल। समाज का प्रत्येक परिवार अपने आवासगृह के बाहर वास्तु की दृष्टि से सर्वश्रेष्ठ मोलश्री व अशोक के पौधे रोपित करें व क्यारियों में चंपा, हार शृंगार, मधुकामिनी, चांदनी, गुड़हल, गुलाब, मोगरा, रातरानी, दिन का राजा, चम्पा, तुलसी, बिल्व-पत्र, मीठे नीम, नींबू व अमरूद के पौधे लगाएं। इनकी जड़ें आवासगृह को नुकसान नहीं पहुंचाती हैं। इनको लगाने के लिए कम से कम 2 गुणा 2 गुणा 2 का गड्ढा खोदकर खाद डालकर पौधे की थैली को हटाकर पिंड को न बिखरने दें। जिन आवासगृहों में कच्ची जगह न हो व आवासगृह छोटे हो, तो अपने घर को हरा-भरा व सुंदर बनाने के लिए गमलें में एस्केरिया, फाइकस, साइकस, मनी प्लांट, टोपी कृष्णा, फोनिक्सपाम, एरिकापाम, क्वालिस, पीकॉक, ड्रेसिना, एकलिफा, सिंगोनिया, कोलियस व कई तरह की क्रॉटन्स के पौधे लगाएं। चोड़े मार्गों व स्कूल मैदानों, श्मशान गृहों, धार्मिक स्थलों पर लंबी उम्र व अधिक छाया देने वाले नीम, कदम, शीशम, करंज, कचनार, अर्जुन, पीपल, बरगद, अमलतास के पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण में योगदान दें।

हर शुभ अवसर की बनाएं चिरस्मृति

हम अपने जीवन के हर खुबसूरत पल को पौधारोपण कर सहेज सकते हैं, चाहे वह जन्मदिवस हो या विवाह की वर्षगाँठ अथवा ऐसा ही कोई सुखद पल। जब भी आप अपने लगाये पेड़ को देखेंगे, वह आपकी स्मृति को तरोताजा करता रहेगा। इसके साथ वह पर्यावरण की दृष्टि से जो लाभ देगा वह तो इससे भी कई गुना होगा। ठीक इसी तरह अपने परिवार में किसी के दिवंगत होने पर मृत्यु भोज आदि पर खर्च करने से अच्छा है, उनकी स्मृति में पौधारोपण कर उसे सहेजना। इस पौधारोपण का पुण्य उस दिवंगत आत्म को सदैव मिलता रहेगा और हमें स्वच्छ पर्यावरण।

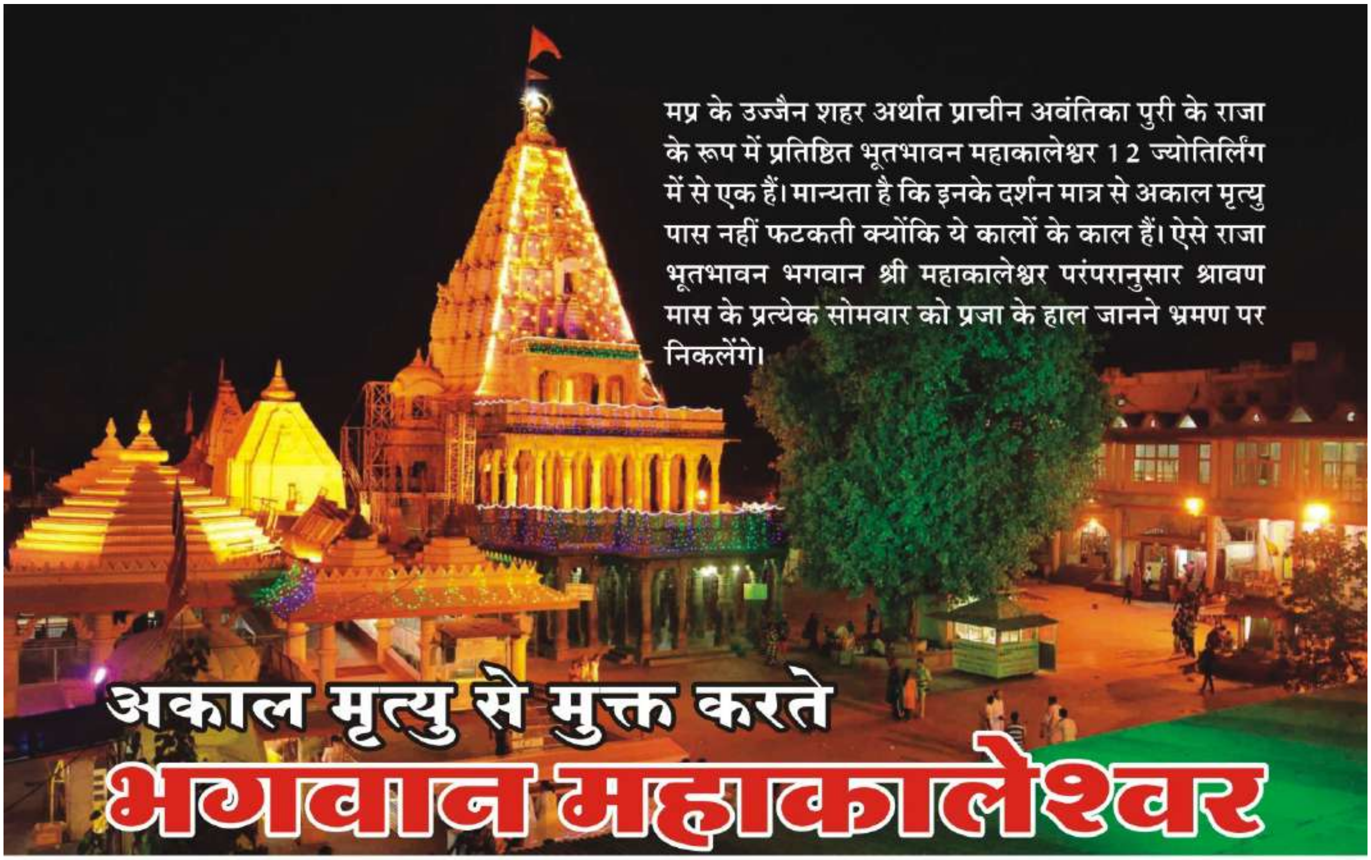

मप्र के उज्जैन शहर अर्थात प्राचीन अवंतिका पुरी के राजा के रूप में प्रतिष्ठित भूतभावन महाकालेश्वर 12 ज्योतिर्लिंग में से एक हैं। मान्यता है कि इनके दर्शन मात्र से अकाल मृत्यु पास नहीं फटकती क्योंकि ये कालों के काल हैं। ऐसे राजा भूतभावन भगवान श्री महाकालेश्वर परंपरानुसार श्रावण मास के प्रत्येक सोमवार को प्रजा के हाल जानने भ्रमण पर निकलेंगे।

अकाल मृत्यु से मुक्त करते भगवान महाकालेश्वर

उज्जयिनी का महाकालेश्वर मन्दिर सर्वप्रथम कब निर्मित हुआ था, यह कहना कठिन है। निश्चित ही यह धर्मस्थल प्रागैतिहासिक देन है। पुराणों में संदर्भ आये हैं कि इसकी स्थापना प्रजापति ब्रह्माजी द्वारा की गई थी। हमें संदर्भ प्राप्त होते हैं कि छठी सदी में उज्जैन के एक वीर शासक चंडप्रद्योत ने महाकालेश्वर परिसर की व्यवस्था के लिए अपने पुत्र कुमार सेन को नियुक्त किया था। उज्जयिनी के चौथी-तीसरी सदी ई.पू. के कतिपय प्राप्त सिक्कों पर महाकाल की प्रतिमा का अंकन हुआ है। अनेक प्राचीन काव्य ग्रंथों में महाकालेश्वर मंदिर का उल्लेख आया है। चाहे बाण हो या पद्मगुप्त, राजशेखर हो अथवा श्री हर्ष अथवा तुलसीदास सभी ने इनका वर्णन किया। बाणभट्ट के प्रमाण से ज्ञात होता है कि महात्मा बुद्ध के समकालीन उज्जैन के राजा प्रद्योत के समय महाकाल का मंदिर विद्यमान था। कालिदास द्वारा भी अपने ग्रंथ में मंदिर का उल्लेख किया गया। पंचतंत्र, कथासरित्सागर आदि से भी इस मंदिर की पुष्टि होती है। समय-समय पर इसका जीर्णोद्धार होता रहा होगा, क्योंकि इस परिसर से ईसवी पूर्व द्वितीय शताब्दी के भी अवशेष प्राप्त होते हैं।

बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक

भारत के बारह ज्योतिर्लिंगों में महाकाल की प्रमुख रूप से प्रतिष्ठा है। सौराष्ट्र में सोमनाथ, श्रीशैल पर मल्लिकार्जुन, उज्जैन में महाकाल, डाकिनी में भीमशंकर, परली में वैद्यनाथ, ओंकार में ममलेश्वर, सेतुबन्ध पर रामेश्वर,

दारूकावन में नागेश, वाराणसी में विश्वनाथ, गोमती के तट पर त्रयम्बक, हिमालय पर केदार और शिवालय में घृष्णेश्वर। भगवान महाकालेश्वर को अपमृत्यु जैसे दुर्योगों का नाशक माना जाता है। आम मान्यता है-

अकाल मृत्यु वो मरे, जो काम करे चांडाल का।
काल उसका क्या करे, जो भक्त हो महाकाल का।

मुगलकाल में भी रहा विशिष्ट सम्मान

गुप्त काल में तो इसका उल्लेख है ही, इस के उपरांत अनेक राजवंशों ने उज्जयिनी की धरती का स्पर्श किया। इन राजनीतिक शक्तियों में उत्तर गुप्त, कलचुरी, पुष्यभूति, गुर्जर-प्रतिहार, राष्ट्रकूट आदि के नाम उल्लेखनीय हैं। सबने भगवान महाकाल के सम्मुख अपना शीश झुकाया और यहाँ प्रभूत दान-दक्षिणा प्रदान की। दसवीं शती के राजशेखर, ग्यारहवीं शती के राजा भोज आदि ने न केवल महाकाल का सादर स्मरण किया, अपितु भोजदेव ने तो महाकाल मन्दिर को पंचदेवाय्रान से सम्पन्न भी कर दिया था। उनके वंशज नर वर्मा ने महाकाल की प्रशस्त प्रशस्ति वहीं शिला पर उत्कीर्ण करवाई थी। परमार राजवंश की कालावधि में 1235 ई. में इल्तुतमिश ने महाकाल के दर्शन किये थे। 18 वीं सदी के पूर्वार्द्ध में राणोजी सिंधिया के मंत्री रामचन्द्रराव शेणवे ने महाकाल का भव्य मंदिर पुननिर्मित करवाया, जो वर्तमान में भी मौजूद है। कहा जाता है कि मुगल काल में भी अकबर ही नहीं बल्कि लगभग हर मुगल बादशाह ने भगवान महाकालेश्वर के मंदिर के विकास में सहयोग देकर अपनी श्रद्धा प्रकट की थी।

वर्तमान में अत्यंत भव्य स्वरूप

महाकालेश्वर का विश्व-विख्यात मंदिर पुराण-प्रसिद्ध नगरों के सप्तसागरों में से एक रुद्रसागर के पश्चिम में प्राचीन महाकाल वन में स्थित है। महाशक्ति हरसिद्धि माता का मंदिर इस सागर के पूर्व में स्थित रहा है और आज भी है। महाकालेश्वर के परिसर में अवस्थित है, कोटि तीर्थ। सदियों से पुण्य-सलिला शिप्रा, पवित्र रुद्रसागर एवं पावन कोटि तीर्थ के जल से भूतभावन भगवान महाकालेश्वर के विशाल ज्योतिर्लिंग का अभिषेक होता रहा है। पौराणिक मान्यता है कि अवंतिका में महाकाल रूप में विचरण करते समय यह तीर्थ भगवान की कोटि व पाँव के अंगूठे से असंख्य मंदिरों के साथ उत्पन्न हुआ। वर्तमान में विशाल क्षेत्र में निर्मित भव्य मंदिर स्वर्ण जड़ित शिखर से युक्त है। आम दिनों में भी प्रतिदिन लाखों श्रद्धालु दर्शन करने देश-विदेश से आते हैं। यहां विशेष दर्शन पास तथा महाकाल प्रसादी की व्यवस्था मंदिर समिति की ओर से है। भस्मारती में शामिल होने के लिये मंदिर की वेबसाइट पर ऑनलाइन पंजीयन करवाया जा सकता है। मंदिर समिति द्वारा संचालित धर्मशालाऐं भी हैं, जिनमें ठहरने के लिये ऑनलाइन कमरे बुक करवाये जा सकते हैं। अपनी इच्छानुसार मंदिर में विद्वान पंडितों से अभिषेक भी करवाया जा सकता है।

30 जुलाई से नगर भ्रमण पर निकलेंगे भूतभावन महाकाल

प्रतिवर्ष भव्य श्रावण सवारी के रूप में भूतभावन भगवान महाकालेश्वर हर सोमवार शाम को भ्रमण पर निकलते हैं। इसी के अंतर्गत जुलाई माह में 30 तथा अगस्त में 6, 13, 20 और 27 को नगर भ्रमण करेंगे। 3 सितंबर को करीब 11 किमी लंबी अंतिम व भव्य शाही सवारी निकलेगी। इस शाही सवारी में देश के कोने-कोने के साथ विदेशों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होते हैं। शाही सवारी का सवारी मार्ग अन्य सभी सवारियों की तुलना में अधिक लंबा व आकर्षक होता है। अतः इसे देखने के लिए देश के कोने-कोने से ही नहीं बल्कि विदेशों से भी श्रद्धालु आते हैं। श्रद्धालुओं के इस उत्साह को देखते हुए इसके लिए सुरक्षा की विशेष व्यवस्था की जाती है। इस दिन यातायात व्यवस्था भी परिवर्तित रहती है।

वास्तु से जाने क्यों रहता है मन अशांत

वर्तमान दौर की सबसे परेशानी मन की अशांति है। यही अशांति मानसिक रोग तथा अप्रत्याशित घटनाओं के रूप में सामने आती है। वास्तव में देखा जाए तो वास्तु दोष इसका भी कारण हैं। तो आईये देखें आपके यहां तो नहीं है, कोई दोष?

▸▸ वास्तुविद कुलदीप सलुजा, उज्जैन

▸▸ जिस घर का आगे का भाग टूटा हुआ, प्लास्टर उखड़ा हुआ या सामने की दीवार में दरार, टूट-फूट या किसी प्रकार से भी खराब हो उस घर की मालकिन का स्वास्थ्य खराब रहता है। उसे मानसिक अशांति रहती है और हमेशा अप्रसन्न व उदास रहती है।

▸▸ जिन घरों में रसोईघर और बाथरूम एक लाइन में बने होते हैं उस परिवार के मुखिया के भाई की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं होती एवं उनकी कन्या संतानें अशांत और अप्रसन्न रहती हैं।

▸▸ घर का आग्नेय कोण नीचा हो तो वहां रहने वाले अग्नि भय शत्रु-भय एवं घर के स्वामी द्वारा अनैतिक कार्य करने से मानसिक परेशानियों से ग्रस्त रहते हैं।

▸▸ घर का वायव्य कोण निचला होने पर शत्रुओं की संख्या बढ़ती है। जिससे गृह स्वामी को मानसिक तनाव रहता है।

▸▸ घर का पूर्व एवं आग्नेय निचले हों और वायव्य तथा पश्चिम ऊँचे हों तो प्लॉट का स्वामी लड़ाई-झगड़े, विवाद के कारण मानसिक यातना सहता है।

▸▸ अगर किसी घर का दक्षिण और आग्नेय निचला हो, वायव्य और उत्तर ऊँचे हों तो, घर का मालिक कर्ज और बीमारी के कारण मानसिक तनाव में रहता है।

▸▸ जिस घर का नैऋत्य और दक्षिण नीचा होता है तथा उत्तर और ईशान ऊंचा होता है तो घर मालिक को अपवित्र कार्य करने और व्यसनों का दास बनने से मानसिक अशांति रहती है और परिवार के लोग भी तनाव में रहते हैं।

▸▸ घर के उत्तर, ईशान और पूर्व से नैऋत्य और पश्चिम निचले हो तथा आग्नेय, दक्षिण और वायव्य ऊंचे हों तो भयंकर आर्थिक संकट के कारण पूरे परिवार में तनाव बना रहता है।

▸▸ यदि घर का उत्तर, ईशान और पूर्व से पश्चिम और वायव्य अगर निचला हो, आग्नेय दक्षिण, नैऋत्य और पश्चिम ऊंचा हो तो उस परिवार की कन्या संतान को कष्ट होने से से पूरा परिवार तनाव में रहता है।

▸▸ किसी घर का प्लॉट पूर्व की ओर नीचा हो या ऊंचा हो, अगर पूर्व दिशा दीवार पर शेड या कमरे इत्यादि से ढंक जाए तो परिवार की संतान पर गंभीर विपदा के कारण पूरा परिवार मानसिक तनाव में रहता है और परिवार को कई बार अपमान का सामना करना पड़ता है।

▸▸ जिस घर की दक्षिण दिशा या नैऋत्य कोण या पश्चिम दिशा का एक भाग या सभी नीचे हों और वहां निर्माण कार्य भी हों उस घर में आमदनी तो अच्छी होती है, परंतु व्यर्थ खर्चे ज्यादा होने के कारण कर्ज बना रहता है जो मानसिक तनाव का कारण बनता है।

▸▸ अगर वायव्य ऊंचा हो और उधर पश्चिम और वायव्य के बीच में या वायव्य और उत्तर के बीच में उपर्युक्त निर्माण किए जाएं तो शत्रुओं की संख्या बढ़ जाएगी। घर का मालिक लाइलाज बीमारी से दुःखी होकर मानसिक तनाव में रहता है।

▸▸ अगर घर का ईशान ऊंचा हो, वायव्य में उत्तर और ईशान के बीच में या ईशान और पूर्व के बीच में कुआं, बोरिंग, भूमिगत पानी की टंकी, नाली का चेंबर, मोरी, किसी प्रकार गड्ढा आदि खोदे जाएं तो आमदनी से ज्यादा खर्च होने के कारण परिवार में मानसिक तनाव रहता है।

▸▸ उत्तर में मुखद्वार रखकर वायव्य स्थल पर घर बनाने से घर का मालिक अपना ऐश्वर्य खोने एवं शत्रुओं की संख्या बढ़ने से मानसिक तनाव में रहता है।

▸▸ अगर घर के वायव्य में अधिक बढ़ावा होता है तो उस घर का मालिक अनेक बाधाओं और अधिक खर्च के कारण निर्धन रहने से तनाव में रहता है।

▸▸ जिस घर का वायव्य का बढ़ावा पश्चिम के साथ मिलकर होता है वहां रहने वाले परिवार का धन नाश होता है और अनहोनी के कारण परिवार मानसिक तौर पर विचलित रहता है।

▸▸ उत्तर के साथ मिलकर अगर वायव्य में बढ़ाव होता है तो उस घर में रहने वाले आर्थिक कष्ट, सुख की कमी और अपमान के कारण मानसिक तनाव में रहते हैं।

▸▸ घर का नैऋत्य कुंचित होकर वायव्य में बढ़ाव होता है तो उस घर का मालिक पत्नी की लंबी बीमारी एवं शत्रुओं के कारण मानसिक अवसाद का शिकार होता है।

▸▸ अगर ईशान कुंचित हो और आग्नेय बढ़ा हो तो ऐसे घर में रहने वालों का स्वास्थ्य ठीक न रहने एवं परिवार में आपसी कलह के कारण परिवार में तनाव बना रहता है।

जीवेत् शरदः शतम्

अ.भा. माहेश्वरी महासभा के पूर्व सभापति

श्रद्धेय पद्मश्री बंशीलाल जी राठी

का ८५वें जन्म दिवस (१४ अगस्त) की
हार्दिक हार्दिक शुभकामनाएं
एवं मंगलम् दीर्घायुष्य की कामना

श्री माहेश्वरी टाईम्स परिवार

श्री माहेश्वरी टाईम्स की विनम्र अपील

स्वतंत्रता दिवस की पावन बेला में
14 अगस्त को
अपने देश की स्वतंत्रता, खुशहाली
और
अपनी भावी पीढ़ी के सुखद भविष्य
के नाम लगाएं

एक पौधा

और लें सम्पूर्ण देखरेख की
जिम्मेदारी।

निवेदन – सभी संगठन अपने पौधारोपण कार्यक्रम के सचित्र समाचार 20 अगस्त के पूर्व अवश्य प्रेषित करें। इसे श्री माहेश्वरी टाईम्स के आगामी पर्यावरण विशेषांक में स्थान दिया जाएगा।
E-mail : smt4news@gmail.com

पाठक मंच

'आपकी आवाज'

महासभा जवाब दे किया क्या है?

सूर्यप्रकाश लड्ढा
सोजतरोड, पाली
98292-40470

आगामी 4 से 6 जनवरी 2019 तक भारतवर्ष के माहेश्वरी समाज का अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन जोधपुर में होने जा रहा है। बहुत खुशी की बात है और होना भी चाहिये, परंतु किस खुशी में...? अब हिसाब लगाये तो महासभा ने अब तक क्या हासिल किया? महासभा ने गत आठ वर्ष में प्रपत्र एक भरने वालों को किसी प्रकार का सहयोग नहीं किया है। उल्टा वापस ईको सर्वे प्रारंभ कर दिया गया। इस महासम्मेलन में कम से कम समस्त समाज के 20 से 25 करोड़ रुपए समाज के तथा आने वाले समाज बंधुओं के तथा सम्मेलन में शिरकत वालों के समय की कीमत को जोड़ा जाय तो कितना होगा? महासभा की प्रबंधकीय व्यवस्था निष्पक्ष नहीं है। एक अदृश्य व्यक्ति के निर्देशानुसार निर्देशित होती है। इस हालत में महासभा क्या कर सकेगी, इसमें पूर्ण संदेह है। हमने 5-6 पत्र महामंत्री को लिखें परंतु एक का जवाब भी नहीं है। उनका विचार यह है कि हर पत्र का जवाब देना जरुरी नहीं है अर्थात् वे निष्पक्षता से काम न करें और उनको कुछ कहो भी मत। तो समाज में लोकतंत्र ही समाप्त हो गया। वह महासभा समाज के गरीब लोगों को क्या सहयोग कर सकेगी?

निष्पक्षता नहीं रहने से भीलवाड़ा जिले और उदयपुर जिले वालों ने न्यायालयों में वाद प्रस्तुत किये हैं। भीलवाड़ा में दक्षिणी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के चुनाव में चुनाव अधिकारी श्री कोगटा जी ने पद की आहर्ताएं ही बदल दी। उसके विरोध में तथा उदयपुर जिले के चुनाव को सभी नियमों से सही होने के बावजूद निरस्त कर दिया गया और नया चुनाव आनन-फानन में करवा दिया गया। इस चुनाव से संबंधित पत्रावली सौ प्रतिलिपि सूचना के अधिकार के तहत श्रीमान् संदीप जी काबरा से लिया है। पत्रोत्तर के लिए आज तक इंतजार में है।

नोट- इस स्तंभ के अंतर्गत प्रकाशित विचार लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं। इनसे संपादक मंडल सहमत हो यह अनिवार्य नहीं है। अत: इसके अंतर्गत प्रकाशित सामग्री के लिये संपादक जिम्मेदार नहीं है।

कसक . . .

इस स्तंभ के अंतर्गत पाठकों से उनके जीवन की ऐसी घटना आमंत्रित है, जिनकी कसक (फांस) आपके मन में आज भी कायम है। आप बहुत कुछ करना चाहते तो थे लेकिन कर नहीं पाए। यदि आपके साथ भी गुजरी है कोई ऐसी घटनाए तो हमें लिख भेजें।

नहीं भुलातीं वे आंखें

सखियों की टोली के साथ गर्मी में आईसक्रीम खाने का मजा अलबेला होता है। बारी-बारी सभी सहेलियां आइसक्रीम खिलाती, हंसते-खिलखिलाते ताने मारते खूब मजा करतीं। आज रीना की बारी थी। सभी ने अपनी-अपनी पसंद के फ्लेवर लिये और मजे लेकर आइस्क्रीम खाने लगे। तभी मेरी नजर गरीब जैसे 5-6 साल के बच्चे पर पड़ी। उसकी मासूम निगाहें हसरत भरी नजरों से आइस्क्रीम को देख रही थी। उसका भोला चेहरा चाहत भरी आंखों से मुझे देख रहा था। मेरा मन उसकी आंखों में अटक गया। खामोश निगाहों से उसने अपने मन की बात मानो मुझसे कह दी। मैंने झट से पर्स टटोला पैसे नहीं थे। जूठी बची आइस्क्रीम क्या देती आईस्क्रीम का स्वाद नदारद हो गया। रीना से कहना चाहा पर संकोचवश चुप रह गई। जैसे-तैसे बाहर निकली मुड़कर देखा वह भोली आंखों से मुझे ही देख रहा था। मुझे लगा कि उसकी निगाहें मेरे पीछे-पीछे घर तक आ गई। बिस्तर पर लेटी तो उसका चेहरा मेरे आगे घूमता रहा। दूसरे दिन जैसे ही शाम हुई मैं दौड़ती-भागती उसी आईस्क्रीम की दुकान पर पहुंची। मेरी नजर उस बच्चे को ढूंढने लगी। मैंने दुकानदार से उस बच्चे के बारे में पूछा पर वह कुछ बता न सका। मैं खिन्न मन से वापस आ गई। आज कई वर्षों बाद भी जब मैं आईस्क्रीम खाती हूं, तो वह मासूम निगाहें मेरे सामने घुम जाती हैं। काश उस दिन मेरे पास पैसे होते और मैं उसे आईस्क्रीम खिला पाती? तो एक कसक जो मेरे मन में है, मुझे यूं तकलीफ न देती।

- पूजा नबीरा, काटोल

आपणी बोली

- *स्वाति जैसलमेरिया, जोधपुर*

नाम बड़ा दर्शन खोटा

खम्मा घणी सा हुक्म आपा आये दिन अखबार में पढा अमुक नेता करोड़ो रो घोटाळो करियों और भ्रष्टाचार रे आरोप में गिरफ्त हुयों .. हुक्म अगर उण नेता री सरलता, मीठी बोली, मासूम चेहरे ने देखा तो यकीन ही नही हुवे की यों नेता भ्रष्ट हो सके? अगर आपाणे कने बैठ जावे तो ऐड़ी मीठी मीठी बातां करे और आपरी योजनाओं रो इण तरह बखान कर आपाने झांसे में फसा देवे की आपा मूर्ख खुद तो फसा ही ...दो- चार मित्रों ने भी इन योजनाओं रे चंगुल में फसा देवा और आपाणी बचत धनराशि ने नेताओ री आकर्षक योजनाओं में लगा देवा। थोड़े दिन बाद जण ध्यान पड़े सारी योजना एक महाठगी नेता रे फैलायोडो एक जाल थो हुक्म जण आपा सर पटक रोवता ही रह जावा क्योंकि भोली सूरत रे सहारे ठगों री कमी नही ।

हुक्म , देश में अब बोलबालो भोळा दिखण वाळा रो ही है .. '**भोली सूरत दिल है खोटा,नाम बड़ा और दर्शन खोटा**' ..

हुक्म बड़ा बड़ा इल्जाम तो भ्रष्टाचारी रा लगा देवे पर सरकार कोई कार्यवाही नहीं करे। आम जनता तो बेचारी इज्जत ने रोवे बड़ी मुश्किल सुं मेहनत कर पैसा इक्कठा करे और ठगी जनता मेहनत री कमायोड़ी धनराशि ने दुगुनी , तिगुनी रो लालच देने पैसों इक्कठो करने विदेश भाग जावे ।

हुक्म आप सगळा ने हाथ जोड़ ने विनती करूँ आप भोळी सूरत, मीठी बोली पर मत जाइजो .. याणी शक्ल और बातां ने तर्क री कसौटी पर तोलजो... पछे ही कोई निर्णय लीजो। आपाणे देश मे इण अन्यायी ठगी लोगा रो **ईश्वर** न्याय करेला यों तो ध्यान नहीं आपाणे साथे ईश्वर भी मदद करी इनी भी गारंटी नही... ईश्वर भी आपाणे यां ही केवेला... थने दिमाग दियो तो विनो इस्तेमाल क्यों नहीं कियो तो आपाणी गलती में ईश्वर कोई न्याय करण ने नही आवेला ।

हुक्म अगर आपा ही दिमाग चलावा और इनों सबसूं अछो तरीको निकाला तो यों है **बैलट रे जोर सुं कुर्सी सुं गिरा देणो।** अगर बईमानों रा सबूत इक्कठा करण लाग गिया तो सदियां बीत जाइँ। भ्रष्टाचार ने हटावण रो यों ही सबसूं अछो तरीको है भ्रष्ट नेता ने वोटो सुं हटा देवा... आम जनता री ताकत ही इण भ्रष्टाचारी ने रोक सके.. सही है न..!

मुलाहिज़ा फरमाइये

▸▸ *ज्योत्सना कोठारी, मेरठ*

एक ताबीर की सूरत नज़र आई है इधर...!
सो उठा लाया हूँ सब ख़्वाब पुराने वाले...!!

मुद्दतें लगीं बुनने में ख्वाब का स्वैटर..
तैयार हुआ तो मौसम बदल चुका था।

तमीज़दार होने का नुक़सान ये भी है, कि...!
हज़ारों बातें दिल के अंदर ही रह जाती है...!!

सीढिया उन्हे मुबारक हो..
जिन्हे छत तक जाना है..

मेरी मन्जिल तो आसमान है..
रास्ता मुझे खुद बनाना है..।

चुप था तो चल रही थी ज़िंदगी लाजवाब....
कामयाबी बोल पड़ी तो बवाल हो गया...

मैंने छोड़ दिया किस्मत पर यकीन करना...
जब लोग बदल सकते है तो किस्मत क्या बड़ी चीज़ है

कार्टून कॉर्नर

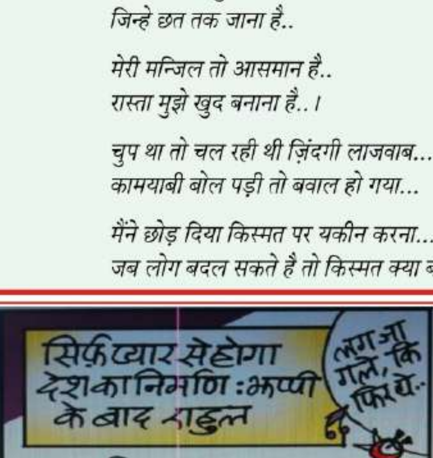

भीलवाड़ा माहेश्वरी समाज की डायरेक्ट्री का प्रकाशन शीघ्र

श्री माहेश्वरी टाईम्स द्वारा भीलवाड़ा जिला माहेश्वरी समाज की पारिवारिक डायरेक्ट्री का प्रकाशन शीघ्र किया जा रहा है। इस हेतु पारिवारिक जानकारी एवं विज्ञापन सादर आमंत्रित है। कृपया इस हेतु सहयोग अपेक्षित है, सम्पर्क करें **-शंकर सोनी**

ब्यूरो चीफ - भीलवाड़ा, श्री माहेश्वरी टाईम्स

मो. 098281-39404

खुश रहें... खुश रखें...

हमारे और परमात्मा के बीच माया को नहीं आने दें

जरूरत की चादर और मोह की दुशाला इन दोनों में जो फर्क है, उस अंतर को समझने का अब समय आ रहा है। आध्यात्म मार्ग के लोगों को ध्यान रखना होगा कि आवश्यक वस्तुएँ तो बनाई जाएँ लेकिन उससे मोह नहीं पालें, क्योंकि मोह धीरे से लोभ में बदल जाता है और लोभ भक्ति के साथ-साथ पारिवारिक दायित्वों में भी बाधक होता है।

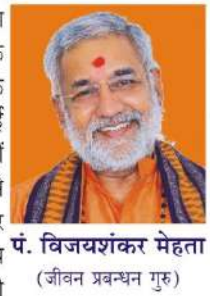

पं. विजयशंकर मेहता
(जीवन प्रबन्धन गुरु)

रामकृष्ण परमहंस कहा करते थे कि माया को सरलता से समझना हो, तो श्रीरामकथा के एक दृश्य में प्रवेश किया जाए। वनवास के समय श्रीराम आगे चलते थे, मध्य में सीताजी होती थीं और उनके पीछे लक्ष्मण रहते थें, इस दृश्य पर तुलसीदासजी ने लिखा है- ''आगे राम अनुज पुनि पाछें, मुनि बर बेष बने अति काछें। उभय बीच सिय सोहति कैसे, ब्रह्म जीव बीच माया जैसे।''

अर्थात् भगवान श्रीराम परमात्मा का रूप हैं, लक्ष्मणजी आत्मा या कहें जीवात्मा हैं और इन दोनों के बीच में माया स्वरूप में सीताजी हैं। सीताजी रामजी के चरणों की अनुगामी थीं। जहां-जहां श्रीराम पैर रखते थे वहीं-वहीं सीताजी चलती थीं और इसी कारण लक्ष्मणजी श्रीरामजी को ठीक से देख नहीं पाते थे। संयोग से कोई मोड़ आ जाता तो ही लक्ष्मणजी को श्रीराम दिख जाते थे।

संदेश यह है कि परमात्मा और जीवात्मा के बीच जब तक माया है, परमात्मा दिखेंगे नहीं। किसी मोड़ पर माया जरा सी हटी और परमात्मा के दर्शन हुए। भक्ति में ऐसे मोड़ आते ही रहते हैं। इसलिए जीवन में माया तो रहेगी पर हमें मोड़ बनाए रखना है। यही हमारी भक्ति की परीक्षा होगी।

परिवार से भी प्रेम तो रखें, बहुत जरूरी भी है लेकिन ऐसा न हो कि उसके मोह में परमात्मा को ही भूल जाएँ। माया से पार पाने के लिए एक काम और किया जा सकता है-जरा मुस्कुराइए..., सदा मुस्कुराए...।

काजू जलेबी

सामग्री : काजू 700 ग्राम, कंडेंस्ट मिल्क 1 कप या (आधा किलो चीन, 1 कप पानी), केसर 10-15 धागे, चांदी वर्क जरूरत के अनुसार, पिस्ता कटे हुए 8-10, दूध 2-3 बड़े चम्मच, जलेबी बनाने के लिए कोन।

विधि- काजू की जलेबी दो तरीके से बनाई जा सकती है। पहली विधि इस प्रकार है -

केसर को दूध में भिगोकर रख दें। इसके बाद काजू को धीमी आंच पर कड़ाही रखकर हल्का-सा भून लें और ठंडा होने पर पीस लें। काजू पाउडर में कंडेंस्ट मिल्क और दूध डालकर आटा जैसा गूंध लें। अब आटे को 7-8 बराबर लोइयों में बांट लें। एक लोई लेकर हथेलियों के सहारे लंबाई में बेल लें। फिर इसे जलेबी की तरह गोल-गोल रोल की तरह कर लें (जिस तरह से चकली बनाई जाती है)। अपने हिसाब से जलेबी का साइज बना लें। इस तरीके से सभी लोइयों को लंबा बेलकर मोड़ते हुए गोल जलेबियां बना लें। सभी जलेबियों को एक प्लेट पर रखें और ऊपर से कटे हुए पिस्ता व चांदी का वर्क लगाकर सजा लें। काजू जलेबी तैयार है। खुद खाइए और सबको खिलाइए।

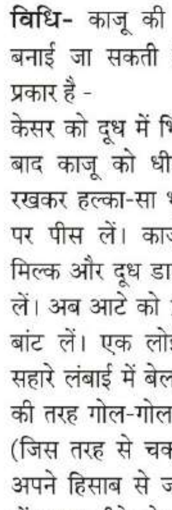

▸▸ पुनम राठी, नागपुर
9970057423

संकेत सितारों के

पं. विनोद रावल
(ज्योतिर्विद)
फोन : 0734-2515326

मेष - यह माह आपके लिये लाभदायक रहेगा। यात्रा होगी, घर परिवार का पूरा सहयोग मिलेगा बड़े एवं वरिष्ठ लोगों में प्रशंसा के पात्र रहेंगे मन की सभी इच्छाऐं पूरी होगी संतान से सम्बन्धित परेशानियां दूर होगी स्वास्थ्य नरम-गरम रहेगा। परिवार में सुख सुविधा एवं समृद्धि में वृद्धि होगी, कैरियर में अपनी योग्यता से उन्नति कर आगे बढ़ेगे विशेष शुभ अवसर भी प्राप्त होगे, रूके कार्य आप चतुराई से पूरे कर देंगे, विपरीत योनी की ओर रूझान बना रहेगा।

वृषभ- इस माह आपके कामकाज में वृद्धि में वृद्धि देने वाला होगा लाभ होगा, बौद्धिक कार्यो में सफलता एवं अपनी वाणी से बिगड़े कार्य बना लेगे, नौकरी में प्रमोशन और धन की प्राप्ति होगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता बनी रहेगी, संतान की ओर से भी कुछ परेशानी और भागदौड़ रहेगी, योग आदर्शवाद की ओर झुकाव रहेगा, यात्रा भाग्यवृद्धिदायक रहेगी, मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा तथा धार्मिक कार्यो में भी रूचि रखेंगे।

मिथुन - इस माह आपको अचानक धन की प्राप्ति होगी, रूके और बिगड़े कार्य पूरे होगे, धर्म एवं शुभ कार्यों के प्रति आस्था बढ़ेगी। भाग्योदय के अवसर प्राप्त होगे। भूमि-भवन से सम्बन्धित परेशानी आयेगी, जीवनसाथी एवं बच्चों का स्नेह मिलेगा, दाम्पत्य जीवन में मधुरता आयेगी शुभ समाचार मिलेगा, अपनी सुझबुझ से विरोधी को भी प्रभावित कर लेगे। किसी से वाद-विवाद से लाभ होगा, मानसिक तनाव से दूर रहे। धार्मिक यात्रा होगी।

कर्क - इस माह आपको शुभ समाचार मिलेगा, यश-सम्मान, सामाजिक मान-प्रतिष्ठा बढ़ेगी, सितारे गर्दिश में रहेगे, राजनीति की ओर रुझान बढेगा, संतान के कार्य से मन प्रसन्न रहेगा, उच्च अधिकारियों से सहायता प्राप्त होगी, कार्यक्षेत्र में वर्चस्व बढेगा, ससूराल में शुभ एवं मांगलिक कार्य होंगे। वस्त्राभूषण गहने खरीदेंगे, न्यायालयीन प्रकरणों में सावधानी रखे घर-परिवार में भी मांगलिक उत्सव सम्पन्न होगे मित्रों से सावधानी रखे वाहन से सतर्क रहें।

सिंह - इस माह आपको उच्चस्तरीय पुरस्कार प्राप्ति के योग सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी नौकरी में प्रमोशन धन की प्राप्ति आय के नये-नये स्त्रोत रहेगे, संगीत ललित कलाओं एवं आदर्शवाद की ओर विशेष रूझान रूचि बनी रहेगी, किसी स्त्री वर्ग के सहयोग से लाभ मिलेगा, साझेदारी से दूरिया रखे, राजकीय पक्ष से कुछ परेशानी बनी रहेगी, प्रेम प्रसंग से दूर रहे, नहीं तो परेशानी उठना पड़ेगी, परिवार का पूरा सहयोग प्राप्त होगा, दाम्पत्य जीवन सुखमय बना रहेगा।

कन्या - इस माह राजनकीय शासन सत्ता से मान-सम्मान प्रतिष्ठा मिलेगी, नौकरी में अधिकारी वर्ग भाग्योदयकारी एवं सहायक होंगे, पराक्रम में वृद्धि सफलता धन उन्नति भोग ऐश्वर्य के सुअवसर प्राप्त होगे, विरोधी परास्त होगे, खर्च की अधिकता रहेगी जीवन साथी के स्वास्थ्य की चिंता बनी रहेगी, कुछ अप्रत्याशित परेशानी सामने आ जायेगी, घर परिवारजनों से विवाद टाले हानि उठना पड़ सकती है। किसी कार्य में नवीन प्रेरणा मिलेगी।

तुला - इस माह रुके कार्य पूरे होगे समाज या किसी संस्था में उच्चपद के लिये चुने जावेगे घर परिवार में मांगलिक शुभ कार्य होगे जीवन साथी और संतान की ओर से प्रसन्नता प्राप्त होगी। पैतृक सम्पत्ति मिलेगी, आय के नये स्त्रोत बढ़ेगे, सोच-समझकर कोई भी कार्य करेंगे तो भागदौड़ अधिक बनी रहेगी। खर्च पर नियंत्रण रखे, घर में साज-सज्जा मनोरंजन का सामान क्रय करेगे, विवाह सम्बंध का निर्धारण होगा, सम्पत्ति में वृद्धि के योग रहेगे।

वृश्चिक - यह माह आपके लिये सामान्य रहेगा, विरोध सक्रिय रहेगे न्यायालयीन कार्यों में सफलता मिलेगी, परिश्रम के अनुरूप कार्य में लाभ नहीं होगा, संतान के कार्यों में भाग दौड़ बनी रहेगी, व्यापार में धन की कमी रहेगी। आय की तुलना में व्यय अधिक होगा, विवाद सम्बंध में विलम्ब होगा, यात्रा को टाले, खानपान पर विशेष ध्यान रखे, आर्थिक स्थिति अच्छी बनी रहेगी, मन प्रसन्न रहेगा।

धनु - यह माह आपके लिये सफलतादायक रहेगा, भौतिक सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। रूके कार्य पूर्ण होगे, कार्य में उन्नतिदायक विद्यार्थीवर्ग के अध्ययन पठन-पाठन के लिये समय अनुकूल है, मित्र सहयोग करेगे, नौकरी में अधिकारी पद की प्राप्ति होगी, व्यापार में लाभ और बढ़ोत्तरी होगी, जीवनसाथी का सहयोग प्यार मिलेगा, यात्रा लाभदायक रहेगी।

मकर - इस माह परिश्रम के उपरान्त लाभ एवं हर्ष होगा, घर में नये मेहमान का आगमन शीघ्र होगा। शुभ मांगलिक कार्य व धार्मिक कार्य में खर्च होगा। भौतिक सुख-सुविधाओं का सामान क्रय करेगे, सृजनात्मक कार्य में समय व्यतीत करेगे, आमोद-प्रमोद का वातावरण रहेगा। विपरीत योनी की ओर रूझान बना रहेगा। रूका धन मिलेगा, स्वास्थ्य में सुधार होगा। आलस्य को छोड़े कार्य की ओर ध्यान देवें।

कुम्भ - इस माह आपको किसी अच्छे कार्य की प्रेरणा मिलेगी, महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न होगे, विरोधी परास्त होगे, व्यापार से लाभ भाग्योदय के भी सुअवसर प्राप्त होगे, मनोरंजन, सैर-सपाटे के योग रहेगे, खर्च होगा। भूमि-भवन से संबंधित कार्यों में समस्या बनी रहेगी। जीवनसाथी का पूरा सहयोग प्राप्त होगा। लापरवाह एवं आलस्य को छोड़े मानसिक तनाव अधिक बना रहेगा, यात्रा अधिक होगी, जिसके कारण भागदौड़ बनी रहेगी।

मीन - यह माह आर्थिक दृष्टि से श्रेष्ठ रहेगा, नौकरी में प्रमोशन एवं धन की वृद्धि होगी, व्यावसायिक लाभ के अवसर मिलेगे, समय के साथ उन्नति की ओर अग्रसर होते चले जावेगे, आदर्शवाद की ओर विशेष झुकाव रहेगा। नये व्यापार शुरु करेगे, विरोधी परास्त होगे, शुभयात्रा होगी, जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिन्ता रहेगी, आय की तुलना में व्यय पर नियंत्रण बना रहेगा।

श्री नारायणदास झंवर

नागपुर. वर्धनमाननगर निवासी श्री नारायणदास झंवर का देहावसान गत 10 जुलाई 2018 को हो गया है। वे राधाकृष्ण मंदिर ट्रस्ट अध्यक्ष किसनदास झंवर के भाई, विजय और हितेश के पिता थे। आप अत्यंत मिलनसार, समाजसेवी थे।

श्रीमती कांतादेवी लड्ढा

भीलवाड़ा. समाज सदस्य प्रहलादराय लड्ढा की अर्धांगिनी व राजकुमार लड्ढा की माताजी श्रीमती कांता देवीलड्ढा का गत दिनों 67 वर्ष की अवस्था में स्वर्गवास हो गया। आप अपने पीछे भरापूरा शोकाकुल परिवार छोड़ गई हैं।

श्री रामस्वरूप मंत्री

हैदराबाद. पिचोलिया (अजमेर) के समाजसेवी श्री रामस्वरूप मंत्री का गत दिनों देहावसान हो गया। आप अपने पीछे पुत्र सुनील-अनिल एवं धर्मपत्नी आदि का भरापूरा परिवार शोकाकुल परिवार छोड़ गए हैं।

श्रीमती रामेश्वरी देवी मंत्री

कुचामन. भामाशाह स्व. श्री कल्याणचंद मंत्री की धर्मपत्नी श्रीमती रामेश्वरीदेवी मंत्री का 81 वर्ष की अवस्था में गत 27 जून को देहावसान हो गया। आप अपने पीछे दो सुपुत्र ख्यात समाजसेवी पश्चिमांचल संयुक्त मंत्री व पूर्व प्रदेश महामंत्री श्यामसुंदर मंत्री तथा अशोककुमार मंत्री एवं दो पुत्रियों का पौत्र-पौत्री, नाती-नातिन आदि से भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं। आप जीवन पर्यंत गौसेवा व धर्मसेवा के प्रति समर्पित रहीं। केंद्रीय राज्यमंत्री सीआर चौधरी, शिल्प एवं माटीकला बोर्ड अध्यक्ष हरीशचंद्र कुमावत, नावां विधायक विजयसिंह चौधरी, प्रदेश कोषाध्यक्ष रामकुमार भूतड़ा, अंतरराष्ट्रीय वैश्य संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक अग्रवाल सहित विभिन्न राजनीतिक व समाजसेवी संगठनों तथा समाज के गणमान्यजनों ने श्रद्धासुमन अर्पित किए।

अपनी क्षमता को पहचाने,
और उस पर
विश्वास करना शुरू करे।

श्री चंपालाल राठी

मेरठ. समाज सदस्य ज्योत्सना कोठारी के पिताजी श्री चंपालाल राठी (अंबाला) का गत 6 जुलाई को देहावसान हो गया। आप अपने पीछे धर्मपत्नी प्रेमलता राठी, पुत्र केजी राठी तथा पौत्र-पौत्री, नाती-नातिन आदि का भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं।

श्री रामप्रसाद सोमानी

आगूचा. रामस्वरूप, रामगोपाल व राजाराम सोमानी के पिता श्री रामप्रसाद सोमानी का स्वर्गवास गत 2 जुलाई को हो गया। आप अपने पीछे भरापूरा शोकाकुल परिवार छोड़ गए हैं।

देहदानी श्री गोविंददास राठी

अमरावती. वरिष्ठ समाजसेवी श्री गोविंददास राठी का गत दिनों देहावसान हो गया। श्री राठी की अंतिम इच्छानुसार उनके पार्थिव देह को डॉ. पंजाबराव देशमुख अस्पताल में दान किया गया। देहदान के दिन ही उनके सभी कार्यक्रम भी समाप्त कर दिए गए।

श्री द्वारिकाधीश विजयते

भगवान श्रीकृष्ण की कर्मभूमि

द्वारकाधाम

में 'श्री अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट' द्वारा संचालित अत्याधुनिक सुविधायुक्त एकमात्र माहेश्वरी अतिथि गृह

माहेश्वरी सेवा कुंज

21, द्वारकेश पार्क सोसायटी (अम्बुजा प्लाट), नागेश्वर रोड, देवभूमि द्वारका-361335 (गुजरात),
दूरभाष- 02892-235553 / 235554, मो. 097271-22111
E-mail : maheshwarisewakunj@gmail.com

आप अपना आरक्षण ई-मेल अथवा फोन से करवा सकते हैं

उपलब्ध सुविधायें

- ए.सी. व टी.वी. से सुसज्जित 47 डबल बैडरूम (अटैच्ड लैट, बॉथ)।
- 4 फैमिली ए.सी. हॉल (6 व्यक्तियों की क्षमता वाले)।
- अत्याधुनिक किचन के साथ वातानुकुलित भोजनशाला।
- वाई-फाई सुविधा से युक्त पूरा भवन
- विभिन्न मंजिलों पर जाने के लिये दो लिफ्ट की सुविधा।
- स्वच्छ आर ओ पेयजल की सुविधा
- भव्य एयरकंडीशन सत्संग हॉल।
- कार पार्किंग की सुरक्षित व्यवस्था।

श्यामसुंदर कासट (अध्यक्ष)
मो.- 098315-55555

रामस्वरूप जैथलिया (महामंत्री)
मो.- 096490-79999

विनोद कुमार बांगड (कोषाध्यक्ष)
मो. 094142-12835

ADITYA BIRLA

GRASIM

GRASIM INDUSTRIES LIMITED

Aditya Birla Group

The Aditya Birla Group is India's first truly multinational corporation with a US$ 24 billion turnover. Its 85 state-of-the-art manufacturing units and sectoral services employ over 100,000 people in 20 countries. The group's businesses cover divers sectors including viscose staple fibre, metals, cement, branded apparel, financial services etc.

Birla Cellulose
Fibres from nature

Birla Cellulose - Fibres from Nature

Soft , comfortable, bright and durable, the magic of cellulosic fibres is taking the globe by storm.

The Birla Cellulose logo is inspired by nature. The circle of leaves represents the renewable and sustainable cycle of nature. The leaves represent the natural softness of the products . The vibrant field of green symbolizes conterntorartness, performance and durability. Nature remains at the heart of all Birla Cellulose's sub-brands:

Birla Viscose, the first generation product. Is depicted by the fresh green of summer.

Birla Modal, the second generation product. uses the rich orange of autumn.

Birla Excel, the third generation product. Is represented by a contemporary lavender of spring

Fibre Marketing Office
1101 & 1102 Ocean
11th Floor,
Opp. Vadodara Central Mall
Vikaram Sarabhai Marg, Vadiwadi
Vadodara-390023
Tel. : +91+265-6171200
Fax : +91+265-2339626

Marketing & Business Dev. Div.
Hub Town Solaris
5th Floor, 501a & 502
Prof. N.S. Phadake Marg
Andheri (East)
Mumbai-400069
Tel : +91+022-61957700
Fax : +91+022-61957702

Innovating for affordable healthcare

Shilpa Medicare Group of Companies

Manufacturers & Exporters of
Active Pharmaceutical Ingredients & Finished Formulations

Plant Locations

Unit-1 Raichur, India
USFDA/EUGMP/WHOGMP/KFDA/ TGA/PMDA/TPD Certified Oncology & non-Oncology API Facility.

Unit-2 (EOU) Raichur, India
USFDA/EUGMP/WHOGMP/EUGMP/DSIR/ISO Certified Oncology & non-Oncology API Facility.

Formulation Facility, SEZ Jadcherla, India
USFDA/EUGMP, State-of-the-art Lyophilisation, Large & Small Volume Parenteral Injectables.

R&D Centre, Vizag (Recognized by DSIR)
Generic Oncology Drug Product Development.

INM Technologies, Bangalore, India
Centre of Excellence in Nano Science and Nano Technology.

Shilpa Biologics, Hubli, India
Flexible biologics manufacturing.

Shilpa Therapeutics (P) Ltd., Hyderabad
Novel Drug Delivery System Orally Disintegrating Strips.

Loba Feinchemie GmbH, Austria
USFDA/EUGMP/Responsible Care Certified API/Intermediates/CRAMS Facility.

Corporate Office:

Shilpa Medicare Limited

"Shilpa House", Hyderabad Road, Raichur 584 135 (India)
Tel: +91-8532-238704, eMail: Info@vbshilpa.com, Web: www.vbshilpa.com

RNI-MPHIN/2005/14721
Po.-Malwa Division/244/2017-2019
Despatch Date - 02 August 2018

If Undelivered Please Return To
SRI MAHESHWARI TIMES
90, Vidya Nagar (Behind Tedi Khajur Dargah)
Sanwer Road, UJJAIN (M.P.) - 456010
Ph. : 0734-2526561, 2526761 , Mo. : 94250-91161
E-mail : smt4news@gmail.com

https://www.facebook.com/Srimaheshwaritimesmagazine
http://srimaheshwaritimes.blogspot.in